



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 1, 1975 (कार्तिक 10, 1897)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 1, 1975 (KARTIKA 10, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालय द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अक्टूबर, 1975

सं० पी०/1864-प्रशासन I—भारतीय रक्षा लेखा सेवा की अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी राजा राम भण्डारी ने 22 सितम्बर, 1975 के पुर्वाह्नि से आगामी आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

सं० पी० एफ०/एस०-6/65-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, मध्य प्रदेश राज्य से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री एस० एस० दरबारी, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 25 सितम्बर, 1975 के पुर्वाह्नि से श्रगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

1—306GI/75

दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० 5/30/74-प्रशासन-I—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (बर्गी-करण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 23-9-1975 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) में मूल रूप से कार्यालय अधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	पद-स्थापन का वर्तमान स्थान	तिथि सहित ग्रेड जिसमें पहले से स्थायी हो या किया गया हो	शाखा जिसमें केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में स्थायी ओर एस० के पद पर पुनर्प्र-हणाधिकार रखा गया।
1.	श्री एच० सेवापाय	कलकत्ता सेवापाय	मुख्य लिपिक व लेखापाल	दिल्ली (सा० अ० स्कंध)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	श्री एच० सेवापाय	कलकत्ता सेवापाय	मुख्य लिपिक व लेखापाल	दिल्ली (सा० अ० स्कंध)

12-8-60

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
२.	श्री के० राघवन	मुख्यालय	अपराध-	मुख्यालय
			सहायक	
28/3/71				

कार्यालय अधीक्षकों के रूप में उनकी वरिष्ठता उपरोक्त क्रम से होगी।

गुलजारी लाल अद्वाल,
प्रशासन अधिकारी (स्थान)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 अक्टूबर, 1975

सं० ई०-I-1/74-ईस्ट—श्री इ०स० बकतावर, की आई०टी० बी० पी० में कमान्डेन्ट के पद पर प्रतिनियुक्त के लिए चुने जाने के फलस्वरूप, उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 49वीं बटालियन में कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार 20 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से छोड़ा।

सं० O-II-1033/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डा० (श्रीमती) श्यामा रैना की तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 1 अक्टूबर 1975 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर श्रीमती श्यामा रैना को वैस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० अन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक प्रशासन

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

सं० 10/6/75-प्रशासन-I—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 10/6/75-ए० डी० I, दिनांक 14 फरवरी 1975 की आनंदवृत्ति में, राष्ट्रपति, श्री के० आर० उम्भी, सहायक निदेशक (प्रोफेसर) की नियुक्ति तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से दिनांक 17 अगस्त, 1975 से 16 फरवरी, 1976 तक के लिए, आगले आगले आदेश प्रेषित होने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 2/1/75-आर० जी० (ए० ई०-I)—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके समक्ष अंकित जनगणना कार्यालय में, दिनांक 1 अक्टूबर, 1975 से आगले आदेश होने तक, जनगणना

कार्य उप निदेशक के पद पर अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं:

क्रम	नाम और पद	कार्यालय जहां पर	मुख्य
सं०		जनगणना कार्य उप-निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया।	कार्यालय
१.	श्री अद्वैत सिंह	जनगणना कार्य निदेशक चंडीगढ़ हरियाणा	
२.	श्री ए० उद्धय०	जनगणना कार्य निदेशक, महाराष्ट्र	दम्बिल
३.	श्री बी० ए० स०	जनगणना कार्य निदेशक, कर्नाटक	बंगलौर

बद्री नाथ, भारत के उपमहापंजीकार और पदेन उप-सचिव

मुद्रण निदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

सं० 3/4/75-ए०-II—भारत सरकार मद्रासालय, टेम्पल स्ट्रीट, कलकत्ता में सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) श्री एस० के० चक्रवर्ती, निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर, तारीख 31 अक्टूबर, 1975 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो जायेंगे।

दिनांक 7 अक्टूबर, 1975

सं० एस० (45) ए०-III/ए०-II—श्री रमेश कुमार सरीन, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को भारत सरकार पाट्यपुस्तक मुद्रणालय, भुवनेश्वर में 8 सितम्बर, 1975 (पूर्णाह्न) से आगले आदेश तक, उप प्रबन्धक (फोटोलिथो) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया।

ए० म० जम्भोलकर, मुद्रण निदेशक

वित्त मंत्रालय
(अर्थ विभाग)
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय
नासिकरोड, दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० 1019 (एम)—श्री रंगनाथ लक्ष्मण गोखले भंडार अधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड अपनी अधिवर्षता प्राप्त करने पर 30 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए हैं।

बी० ज० जीशी, महाप्रबन्धक, भारत प्रतिभूति मद्रासालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार जम्मू व कश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 6 सितम्बर, 1975

सं० प्रशा० I/4 (26)/72-74/1887—महालेखाकार, जम्मू व कश्मीर ने स्थानापन्न अधिकारी श्री टी० एन० को कर्तुल को 1 अगस्त 1975 से स्थायी रूप में लेखा अधिकारी के वेतनमान में नियुक्त किया है।

पी० के० बोस,

वरिष्ठ उप महालेखाकार

(प्रशासन तथा अधिकरण)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

नोटिस

सं० लेखाधिकारी/प्रशा०/75-76/1548—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसरण में, मैं श्री बेग राज सरोहा लिपिक (कलर्क) को एतद् द्वारा नोटिस देता हूँ कि उनकी सेवाएँ, उस तारीख जिसकी यह नोटिस उन्हें प्रेषित हो जाये, अथवा प्राप्त हो जाये यथास्थिति, की तारीख से एक महीने समाप्ति पर, समाप्त समझी जावेंगी।

श्री बेग राज सरोहा,

द्वारा श्री जगदीश कुमार

एप्रोच रोड पड़ाव के निकट,

रोहतक (हरियाणा)

र० अ० बोरकर

वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 1 अक्टूबर 1975

सं० 18319/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० सत्तानाथम, रक्षा लेखा सहायक नियन्त्रक, पश्चिमी कमान को 1 सितम्बर, 1975 से 91 दिन की मंजूर की गई सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी समाप्त होने मर 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा।

सं० 18216/प्रशा०-II—राष्ट्रपति बड़े खेद के साथ आख्यापित करते हैं कि श्री एस० के० मेहता, रक्षा लेखा उपनियन्त्रक, पश्चिमी कमान, का 25 सितम्बर, 1975 को निधन हो गया है। तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग की नफरी से 26 सितम्बर, 1975 (पूर्वाल्क) से निकाल दिया गया है।

दिनांक 3 अक्टूबर 1975

सं० 18158/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० गोपालन, रक्षा लेखा सहायक नियन्त्रक को 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से पश्न स्थापना को अन्तरित कर

दिया जाएगा और तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 18151/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री प्रीतम सिंह वर्मा, रक्षा लेखा उप नियन्त्रक, मध्य कमान को 31 दिसम्बर, 1975 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

सं० 18299/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एन० जी० ध्वलीकर, रक्षा लेखा सहायक नियन्त्रक को 30 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डेनेस फैक्टरियां

भारतीय आर्डेनेस फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 19 सितम्बर, 1975

सं० 35/75/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थापना उपप्रबन्धक/डी० ए० डी० जी० श्रो० एफ० के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

1. श्री जे० वाई० मुल्ले, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
2. श्री डी० ए० पारदासानी, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
3. श्री एम० मादप्पन, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
4. श्री जी० पी० सिंहा, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
5. श्री ए० के० गोहलीय, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
6. श्री ए० विनायक, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
7. श्री एस० डी० पाटेकर, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
8. श्री एस० राजायोधरन्, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
9. श्री बी० के० कर, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
10. श्री बी० के० पिल्लाय, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975
11. श्री पी० एल० शर्मा, स्थायी सहायक प्रबन्धक 17 मई 1975

12. श्री वी० के० भल्ला, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	2. श्री जे० एन० मलहोत्रा, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
13. श्री वी० जी० विवान्स, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	3. श्री बी० के० दास, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
14. श्री आर० एस० शाह, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	4. श्री पी० एन० निगम, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
15. श्री आर० एस० मखीजा, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	5. श्री बी० एल० सायल, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
16. श्री एम० एम० गुप्ता, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	6. श्री पी० जे० कारदाके, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
17. श्री आर० के० सिंह, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	7. श्री डी० एन० खेतपाल, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
18. श्री के० एम० गांगुली, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	8. श्री के० डी० करमचन्द्रानी, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
19. श्री पी० एस० आर० चारी, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	9. श्री आर० पी० सक्सेना, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
20. श्री वी० के० सिन्हा, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	10. श्री के० डी० चक्रवर्ती, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
21. श्री आर० के० आनन्द, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	11. श्री के० ए० सुन्दरम्, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
22. श्री वी० एच० जोशी, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	12. श्री आर० नटराजन, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
23. श्री एस० के० राय, स्थायी सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	13. श्री ए० आर० दास, स्थानापन्न स्टाफ असिस्टेंट	17 मई 1975
24. श्री एम० आर० जेटप्रोले, सहायक प्रबन्धक परखावधि पर	17 मई 1975	14. श्री टी० बी० ए० बी० आर० नाम्बिस्तन, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
25. श्री ए० सक्सेना, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)	17 मई 1975	15. श्री एस० के० मारिक, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
26. श्री एम० एम० शर्मा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)	17 मई 1975	16. श्री एन० साहा, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
27. श्री ए० वद्धारावन, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)	17 मई 1975	17. श्री एस० के० सरकार, स्थायी स्टोर होल्डर	17 मई 1975
28. श्री एस० चेनगलवारमन, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)	17 मई 1975	18. श्री एन० कृष्णमूर्ति, स्थायी फोरमैन	17 मई 1975
29. श्री पी० फांसिस, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	17 मई 1975	दिनांक 9 अक्टूबर 1975	
30. श्री जी० जयराव सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)	17 मई 1975	सं० 39/जी०/75—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए:—	

सं० 36/75/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/टी० एस० ओ० के पद पर प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

1. श्री एम० एम० भट्टाचार्जी, स्थायी फोरमैन 17 मई 1975

नाम एवं पद	दिनांक
(1)	(2)
1. श्री एस० डी० मलहोत्रा, स्थायी महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ब्रेड)	31 मार्च, 1975 (अपराह्न)
2. श्री ए० के० गुप्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन)	31 अगस्त, 1974 (अपराह्न)

(1)	(2)
3. श्री बी० पी० बनर्जी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमेन)	31 जनवरी, 1975 (अपराह्न)
4. श्री पी० सी० सेन गुप्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमेन)	30 अप्रैल, 1975 (अपराह्न)
	एम० पी० आर० पिल्लाय, सहायक महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद, दिनांक 30 जुलाई 1975

सं० २ ए० (३)/७५ प्रशासन १२१८३—श्री गणेश प्रसाद गुप्ता को इस महानिदेशालय में खान सुरक्षा सहायक निदेशक के पद पर परिवीक्षाधीन रूप से १९ मई, १९७५ के पूर्वाह्न से दो वर्षों के लिये नियुक्त किया गया तथा उनकी पोस्टिंग चाईबासा सहकेन में की गयी।

श्याम शिव प्रसाद
खान सुरक्षा महानिदेशक

कोयला खान अभिक कल्याण संस्था

जगजीवन नगर, दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं० एडम १२(१४)जी० /७५— श्री पी० एस० मुरमू स्थायी श्रम कल्याण निरीक्षक (खान) को दिनांक ११-८-१९७५ (अपराह्न) से आगामी आदेशों तक कल्याण निरीक्षक (खान) के पद पर तदर्थ, आधार पर नियुक्त कर जुनारदेव में तैनात किया जाता है।

आर० पी० सिन्हा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त
धनबाद

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रक

स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1975

सं० ७४३/६४-प्रशा० (राज०)/१०४००—सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर श्री एस० एन दास ने ३१ अगस्त, १९७५ (दोपहरबाद) को संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता म नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बलदेव कुमार,
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई, 400020, दिनांक 30 सितम्बर 1975
सं० ई० एस० टी० १-२ (१०४)—वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई, के निदेशक (नाम टेक्नीकल) श्री हुलीसन्द नरसिंम्हा सत्यनारायण को १८ जुलाई, १९७५ के अपराह्न से स्वैक्षिक रूप से निवृत्त होने की अनुमति दी गयी।

दिनांक १ अक्टूबर, 1975

सं० ई० एस० टी० १-२ (२८७)—वस्त्र आयुक्त के बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय के निदेशक (पी० और डी०) श्री रण छोड़दास गोपालदास /जालानी को ३१ जुलाई, १९७५ के अपराह्न से स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दी गई।

सं० सी० ई० आर० १०/७५—सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, १९४८ के खंड २० में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० ९ (९) टी० ई० एक्स०/१/४९, दिनांक १५ अप्रैल, १९५० में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ १ में

एक (१) मद (दो) के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा,
अर्थात् :—

“(दो) सभी उत्पादक हन निदेशों का परिपालन करेगा।”

(२) मद (तीन) निकाल दी जाएगी और मद (चार) पुनर्क्रिया होकर मद (तीन) बनेगी।

दो पैराग्राफ २ में मद (२) के बाद निम्न जोड़ बिया जाएगा
अर्थात् :—

“(३) कोई भी विनिमाता धोती में, किनार तथा हैंडिंग को लोडकर रंगीन सूत का इस्तेमाल नहीं करेगा।”

तीन यह अधिसूचना तत्काल प्रभावी होगी।

सं० सी० ई० आर०/३४/७५—सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, १९४८ के खंड २२ में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा निदेश देता हूं कि ऐसा प्रत्यक्ष उत्पादक जिसके पास कताई यंत्र नहीं है उसके द्वारा उत्पादित वस्त्र के मुख पट्ट पर निम्नोक्त चिह्न (मार्किन्ज) लगाएगा :—

1. उत्पादक का नाम।

2. वस्त्र आयुक्त या राज्य सरकार द्वारा दिये गये अनुज्ञा पत्र (परमिट) की संख्या।

टिप्पणी : (एक) इन चिह्नों या सोहरों में प्रयुक्त शब्द और अक्षर अंग्रेजी भाषा के बड़े अक्षर (कैपिटल लेटर्स) या हिन्दी भाषा के देवनागरी लिपि में और प्रयुक्त अंक अंतराष्ट्रीय अंकों में होंगे।

(दो) इन अक्षरों और अंकों की ऊंचाई १ सेंटी-मीटर से कम नहीं होगी।

दो. कताई यंत्र न रखने वाले उत्पादक द्वारा उत्पादित वस्त्र यदि किसी प्रोफेसर द्वारा प्रोसेस किया जाता है तो वह प्रोसेसर, प्रोसेसिंग के उपरान्त उपर्युक्त पैरा एक में निर्दिष्ट चिह्नों को उल्लिखित रूप में वस्त्र पर लगाएगा जो उसके द्वारा लगाए जाने वाले चिह्नों के अतिरिक्त होंगे।

तीन. यह अधिसूचना तत्काल प्रभावी होगी।

सं० सी० ई० आर०/10/75ए—सूती वस्त्र (नियन्त्रण), आदेश, 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 9(9) ई० ई० एक्स० 1/49, दिनांक 15 अप्रैल, 1950 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में—

एक निदेश 3 में :—

“42” और “52” इन अंकों, चिह्नों और शब्दों के स्थान पर ‘106.68 से० मी० और 132.08 से० मी०’ ये अंक, अक्षर, चिह्न और शब्द, प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

दो. निदेश 8 में—

मद (बी) में “40” इस अंक और चिह्न के स्थान पर ‘101.60 से० मी०’ ये अंक, चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

तीन. निदेश 9 में—

1. मद (ए) में “2. 1/2” इन अंकों और चिह्नों के स्थान पर “6. 35 से० मी०” ये अंक अक्षर और चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

2. मद (एए) में—

(एक) “3/4” इन अंकों और चिह्नों के स्थान पर ‘1. 90 से० मी०’ ये अंक चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(दो) “6”×6” इन अंकों और चिह्नों के स्थान पर ‘15. 24 से० मी०×15. 24 से० मी०’ ये अंक, चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

3. मद (ई) में “9” इस अंकों और चिह्नों के स्थान पर ‘22. 86 से० मी०’ ये अंक, चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

4. स्पष्टीकरण तीन में ‘1/2’, हन अंकों और चिह्नों के स्थान पर ‘1. 27 से० मी०’ ये अंक, चिह्न और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

राजेन्द्र पाल कपूर,
वस्त्र आयुक्त

विस्कोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 4 अक्टूबर, 1975

सं० ई०-II (7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II (7), दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ जाये, अर्थात् :

वर्ग 2-नायट्रोट भिस्टर के अन्तर्गत

1. प्रविष्टि “ईनारजील” के बाबू में “फर्डाईन निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” जो जोड़ दिया जाए।

2. प्रविष्टि “जी० एन०-1” के पूर्व में “फर्डाईल निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” को जोड़ दिया जाये।
 3. प्रविष्टि “मनोडाईन” के बाबू में “मनोएक्स निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” को जोड़ दिया जाये।
 4. प्रविष्टि “सुपरडाईन” के पूर्व में “पलमरेक्स निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” को जोड़ दिया जाये।
- वर्ग 3. प्रभाग 1 के अन्तर्गत :
5. प्रविष्टि “परमिजेक्स” के बाबू में आए हुए शब्द और संख्या “उत्पादन और परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक” को निकाल दिए जाएंगे।

इंगुव नर्सिंहमूर्ति
मुख्य विस्कोटक नियन्त्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 6549/बी/40/59/सी/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में निम्नोक्त अधिकारियों की सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पदों पर तदर्थ नियुक्ति को, आगे आदेश होने तक, 16 नवम्बर, 1974 के पूर्वाल्प से नियमित किया जाता है :—

1. श्री एस० पी० मुखर्जी,
2. श्री सरोज भट्टाचार्जी

सर्वश्री मुखर्जी, एवं भट्टाचार्जी की सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पदों पर तदर्थ नियुक्ति क्रमशः 14 नवम्बर, 1974 एवं 12 अगस्त, 1974 से की गई थी।

दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 6519/बी/11/66(आर०आर०)/ई०डब्ल्यू०/19सी—तमिलनाडु सरकार के उद्योग और वाणिज्य विभाग से परावर्तन पर श्री आर० रामलिङ्गम ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में द्विसर के पद का कार्यभार उसी क्षमता में 12 अगस्त, 1975 के पूर्वाल्प से ग्रहण किया।

वी० के० एस० वरदन
महा निदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० फा० 11/2-1/75-ए-1—अभिलेख निवेशक, भारत सरकार संघलोक सेवा आयोग की सिफारिश पर इसके द्वारा श्री हरिसिंह यादव, वैज्ञानिक अधिकारी (वर्ग-2, राजपत्रित) राष्ट्रीय अभिलेखागार, भोपाल को दिनांक 1 सितम्बर, 1975

(म०प०) से आगामी आदेश तक के लिये नियमित अस्थाई आधार पर नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर, 1975

सं० 4(3)/73-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० एफ० शिंडे, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, पणजी, को 18 अगस्त, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर, 1975

सं० 5(88)/67-एस-एक—श्री बी० जी० एस० राव तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, अहमदाबाद ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6(33)/63-एस-एक—श्री एच० एस० पी० सिंह तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, पटना ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6(113)/63-एस-एक—श्री डी० के० शिगरन, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, राजकोट ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 10 अक्टूबर, 1975

सं० 5(61)/67-एस-एक—श्री बी० बी० सक्सेना, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, जम्मू ने 30 जून, 1975 से 11 जुलाई, 1975 तक छुट्टी जाते समय (जिसमें 12 जुलाई, 1975 को पड़ने वाले द्वितीय शनिवार और 29 जून, 1975 तथा 13 जुलाई, 1975 को पड़ने वाले रविवारों को जोड़ने की अनुमति भी शामिल थी) 28 जून, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया था। उन्हें पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर परावर्तित किया जाता है।

सं० 4(126)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जयन्त कुमार दास को पहली सितम्बर, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी जयपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(100)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री ए० डी० एडवाउकर को 14 अगस्त, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, पणजी में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(104)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अष्टुल खालिक को 15 सितम्बर, 1975 से

अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, पटना में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6(84)/64-एस-एक—श्री ए० बी० बाधे तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, सांगली ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

शान्ति लाल,
प्रशासन उप निदेशक
कूते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर, 1975

सं० 15/45/65-एस-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री एस० डी० भारद्वाज का आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के पद से 31-5-1972 से इस्तीफा स्वीकार करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा
प्रशासन उप निदेशक
कूते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण भंडालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-400026, दिनांक 6 अक्टूबर, 1975

सं० 6/68/57-सिबन्दी-I—श्री आर० पी० शर्मा, स्थाना-पन्न शाखा प्रबन्धक हैदराबाद के पद पर नियुक्त हुये थे दिनांक 23 सितम्बर, 1975 से विक्रीता के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

सं० 30/पी०एफ०-II/48-सिबन्दी-I—श्री एच० एफ० कपाडिया स्थानापन्न केमरामैन, (सि०एफ०य०) बम्बई के पद पर नियुक्त हुये थे। दिनांक 24 सितम्बर, 1975 से केमरामैन के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

एम० के० जैन
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कूते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर, 1975

सं० 48-6/75-सी० एच० एस०-1—अपना तबादला हो जाने पर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 के अधिकारी डा० एस० शेषागा जयकुमार ने 2 सितम्बर, 1975 के अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, भद्रास के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया और 3 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

रवीन्द्रनाथ तिवारी
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई भंडारण
 (ग्रामीण विकास विभाग)
 विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय
 (प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 4 अक्टूबर, 1975

सं० फा० 4-6(95)/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ई० के० आर० नायर को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, बम्बई में दिनांक 6 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-द्वितीय नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,
 कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

बन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 4-7/75-प्रशासन—श्री बी० के० बसु, जोकि अन्डमान और निकोबार प्रशासन सेवा के स्थानापन सहायक बनपाल हैं, को 8 सितम्बर, 1975 की पूर्वाह्न से बन साधनों के निवेशपूर्व, सर्वेक्षण, पूर्वीय प्रांचल कलकत्ता में आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर तदर्थ सहायक बनपाल नियुक्त किया जाता है।

र० चन्द्रा, मुख्य समन्वयक

कार्यालय प्रधान अधिकारी
 प्रकाश निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना
 देहरादून, दिनांक 9 अक्टूबर, 1975

सं० 6/131/75-लै० पै०—श्री गुरमीत सिंह, सहायक बन संरक्षक, बन विभाग हिमाचल प्रदेश जोकि प्रकाश निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, केवलवेज सेन्टर में प्रकाश निष्कासन अनुदेशक के पद का कार्य कर रहे थे, दिनांक 3 सितम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से उनको कार्यभार हे मुक्त किया गया है तथा उसी समय से उनकी सेवायें पुनः बन विभाग हिमाचल प्रदेश को सौंप दी गयी।

र० चन्द्रा,
 प्रशान्त अधिकारी अधिकारी

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
 (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० पी० ए० /81(28)/75-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन फोर्मैन श्री धास बालचन्द्रा को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये

स्थानापन रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन,
 उप स्थापना अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋग्य एवं भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० डी० पी० एस०/बी०-3/प्रशासन/1122—ऋग्य एवं भंडार निदेशक, ऋग्य एवं भंडार निवेशालय के स्थायी भंडारी श्री एल० एच० बागवे को, श्री एन० जान जानी, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 21 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न) से 5 सितम्बर, 1975 (अप्राह्ण) तक की अवधि के लिये रु 650-30-740-35-810-ई० बी०-35 880-40-1000-ई० बी०-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त कियते हैं।

के० पी० जोसफ,
 प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री पी० बी० रमेश बाबू को 30 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी०, नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,
 वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

ग्रहमदाबाद-380009, दिनांक 19 सितम्बर 1975

सं० एस० ए० सी० /ई० एस० टी०/1-1-56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली श्री शुप में श्री सुभाष चन्द्र सहगल को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (फिल्म सम्पादक) के पद पर रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु 650/- प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 29 अगस्त, 1975 से 31 जुलाई, 1976 की अवधि तक के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० एस०ए० सी०/ई०एस०स०टी०/1-1-56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली श्री गुरबीर सिंह ग्रेबाल को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (ध्वनि अभिलेख) के पद पर

रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 29 जुलाई, 1975 से 31 जुलाई, 1976 की अवधि तक के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० एस० ए० सी० /ई० एस० टी० /1-156/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में श्री लेमुअल हैरी को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (प्रस्तुति उद्घोषक) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 28 जुलाई, 1975 से 31 जुलाई, 1976 की अवधि तक के लिये नियुक्त करते हैं।

मेजर आर० सी० सेमुअल (सेवा-निवृत्त),
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-11000, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० ई० (1) 04219—वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के व्यवसायिक सहायक श्री एन० मुखर्जी को 1 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एन० मुखर्जी वेधशालाओं के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० नागासुमानियन
मौसम विशेषज्ञ
हुते वेधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 9 अक्टूबर, 1975

सं० ई० (1) 04260—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद-द्वारा प्रावेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री टी० एम० सम्बर्ति को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से 12 दिसम्बर, 1975 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री टी० एम० सम्बर्ति प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन,
मौसम विशेषज्ञ
हुते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1975

सं० 32013/8/74-ई० ए०—इस विभाग के दिनांक 21 जनवरी, 1975 तथा 5 मई, 1975 की सम संख्यक 2-30601/75

प्रधिसूचनाओं के क्रम में, जिन के द्वारा विमानक्षेत्र अधिकारियों सर्वथो एस० एस० ब्रेवली तथा बी० जी० सिंधी को क्रमशः 4 जनवरी, 1975 व 28 अप्रैल, 1975 से वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति एतद्वारा उपरोक्त अधिकारियों को 4 नवम्बर, 1973 से तथा अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में अभिप्रायात्मक (नोशनल) पदोन्नति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 32013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से छह मास की अवधि तक या उनके द्वारा धारित पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	स्टेशन	तारीख
1.	श्री एल० ए० लोबो	बम्बई एयरपोर्ट	16-8-75
2.	श्री आर० डी० नायर	—वही—	12-9-75
3.	श्री अमीर बन्द	दिल्ली एयरपोर्ट	21-8-75
4.	श्री के० के० सक्सेना	—वही—	19-9-75
5.	श्री ए० एम० थामस	विमानक्षेत्र, तिस्पति	9-9-75
6.	श्री एम० एम० शर्मा	दिल्ली एयरपोर्ट	29-8-75

दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० ए० 32013/2/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री के० गणपति अम्यर को 26 सितम्बर, 1975 से तथा अगले आदेश होने तक रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। श्री अम्यर को मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास पर तैनात किया गया है।

विश्व विनोद जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110022, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० ए० 19012/5/72-ई० (एच)—निवर्तन आयु प्राप्त करने पर नागर विमानन के स्थानापन्न उपमहानिदेशक श्री एम० सी० दीक्षित, जाम्बिया, सरकार के पास निदेशक नागर विमानन के रूप में प्रतिनियुक्त पर रहते हुए 30 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

टी० एस० श्रीनिवासन,
सहायक निदेशक प्रशासन

समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क

मद्रास-600034, दिनांक 1 सितम्बर, 1975

सं० 11/3/32/75-संस्थापन—मद्रास समाहर्तालिय के निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षकों को अगले आदेश होने तक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क का स्थानापन्न अधीक्षक, श्रेणी-II,

नियुक्त किया गया है और प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारीख से तथा विनिर्दिष्ट स्थानों पर तैनात कर दिया गया है।

क्रम सं०	नाम	प्रधीक्षक श्रेणी-II के रूप में तैनाती का स्थान	कार्यभार संभालने की तारीख	(1)	(2)	(3)	(4)
1.	टी० एस० सारावनन्	मद्रास-I प्रभाग	31-5-75 (अपराह्न)				
2.	बी० एस० वर्धराजन	पुलियमपट्टी, बहु-पदीय अधिकारी रेंज इरोडु प्रभाग	9-6-75				
3.	एम० सावरीमुधू	मद्रास-II प्रभाग	31-5-75 (अपराह्न)				
4.	बी० रामचन्द्रन	बहुपदीय अधिकारी रेंज-I, कोयम्बटूर-1 प्रभाग	4-6-75				
5.	एम०ए०आर० शेरिफ	मद्रास-IV प्रभाग	1-6-75				
6.	आर० धर्मराज	कांचीपुरम् बहु-पदीय अधिकारी रेंज, वैलोर प्रभाग	9-6-75 (अपराह्न)				
7.	ए० बी० अरुणाचलम्	मद्रास-IV प्रभाग	4-6-75				
8.	ई० ए० हट	मद्रास-II प्रभाग	31-5-75 (अपराह्न)				
9.	ए०बिलफ़ेड सामीराज	खुलूर बहुपदीय अधिकारी रेंज कोयम्बटूर-II प्रभाग	9-6-75				
10.	सी० डी०डि० मोन्टे	मद्रास-II प्रभाग	31-5-75 (अपराह्न)				
11.	पी० वेंकटाराधिनम् चेट्टी	मद्रास-I प्रभाग	4-6-75				
12.	एम० नरसिंह राव	पोल्लाची प्रभाग	19-6-75				
13.	एस० कटचीवेंकटारमन	बनियमगोडी बहु-पदीय अधिकारी रेंज, वैलोर प्रभाग	5-6-75				
14.	बी० सुन्दरम् चेट्टी	कोयम्बटूर-I, प्रभाग	9-6-75				
15.	टी० कृष्णन्	कुम्भकोनम् बहुपदीय अधिकारी रेंज, पांडिचेरी प्रभाग	11-6-75				
16.	टी० पी० नारायणन्	बहुपदीय अधिकारी रेंज I, कोयम्बटूर-I प्रभाग	8-7-75				

(1)	(2)	(3)	(4)
-------	-------	-------	-------

सर्वे श्री :

17. टी० आर० वेंकटरामन मद्रास-III प्रभाग 2-8-75
(अपराह्न)

18. एम० जे० अब्दुल खादर इरोड प्रभाग 2-7-75

सी० चिदाम्बरम्,
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० क-19012/71/71-प्रशा०-5—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भू-भौतिक विज्ञानी (कनिष्ठ) के रूप में नियुक्ति के लिये चयन किए जाने के परिणामस्वरूप श्री के० एस० मट्टा को 23 अगस्त, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिकी ग्रुप) के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

के० पी० बी० मेनन,

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 3-426/75-ईस्ट-II—श्री आर० एल० मीना, लेखा अधिकारी जो वरिष्ठ उप लेखा परीक्षक अम्बई में कार्य कर रहे थे, उनकी लेखा अधिकारी के स्थान पर वेतन मात्र के अन्तर्गत रु० 650-30-740-35-810-ई०बी०-35-88 0-40-1000-ई०बी० 40-1200 केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में दिनांक 22 सितम्बर, 1975 पूर्वान्तर से उनके मुख्य कार्यालय फरीदाबाद में नियुक्त किया जाता है।

श्री आर० एल० मीना एक वर्ष के लिये प्रतिनियुक्त पर होंगे और उनकी नियुक्ति वित्त मंदिरालय के पक्ष संख्या एफ०-10-(24)ई-III/60, दिनांक 4 मई, 1961 जिसमें समय-समय पर संशोधन किया गया है, के अन्तरार नियमित होगी।

देवता पाण्डेय,
अधीक्षक अभियन्ता

पूर्वोत्तर सीधा रेलवे

पाण्डु, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

1. सं०पी० एन०ओ०/ए० डी०/65/265-पी-IV—श्री ए० सी० विश्वास, भण्डार लेखा निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को

दिनांक 5 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक मंडल लेखा अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. सं०ई-283/30 पी(ओ०)---श्री सी०आर० देव, मुख्य लिपिक ग्रेड-I (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 5 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

3. सं०ई-283/III/42पी०टी०-II(ओ०)---श्री एम०के० दास निरीक्षक, सुरक्षा बल (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 16 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक सुरक्षा अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

4. सं०ई-283/82/पी०टी०X(ओ०)---श्री एस० एन० चक्रवर्ती, विधि अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 20 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

5. सं०ई-283/82/पी०-X(ओ०)---श्री ए० सरकार, यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 21 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में मुख्य परिचालन अधीक्षक के वैयक्तिक सहायक के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

6. सं०ई-283-III/30पी०-V(ओ०)---श्री ए०के०करण, हिन्दी अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 28 मई, 1975 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक हिन्दी अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

7. सं०ई-283/31-पी०टी०-VIII(ओ०)---श्री बी०एन० चटर्जी, प्रबर कार्मिक निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 11 जून, 1975 से प्रबर वेतनमान में मंडल कार्मिक अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

8. ई०/283/31-पी०टी०-VIII(ओ०)---श्री जी०पी०वर्मा, सहायक कार्मिक अधिकारी, (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 11 जून 1975 से प्रबर वेतनमान में मंडल कार्मिक अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रेडी,
महाप्रबन्धक

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और व्यालबाग फूड प्रोडक्ट्स
ऐण्ड कोल्ड स्टोरेज कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड

(इन लिक्विडेशन) के विषय में

कानपुर, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० 9935/एल० सी० 2030---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 260 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद् द्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर व्यालबाग फूड प्रोडक्ट्स ऐण्ड कोल्ड स्टोरेज कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स धरमकान्ता

प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन)

के विषय में

कानपुर, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० 9936/1156-एल० सी०---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मैसर्स धरमकान्ता प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० सी० बसु,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उत्तर प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 और एपिक एन्टरप्राइजेज
लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 4708-14442---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि एपिक एन्टरप्राइजेज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

सी० कपूर,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
दिल्ली और हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और टि० सी० एजेन्सी प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 10760/560/3---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर टि० बि० एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिन्दुस्तान जूट इंडसर्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० 1947/560(3)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर

हिन्दुस्तान जूट डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और साक एंड बसाक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं. 22139/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बसाक एंड बसाक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आयडियस फेनिकेशन बर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं. 26554/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आयडियल फेनिकेशन बर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डाका पिक्चर पैलेस लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं. 5204/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डाका पिक्चर पैलेस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और फेन्डसएण्ड कं. एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं. 12000/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि फेन्डसएण्ड कम्पनी (एजेन्सी) प्राइवेट लि-

का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ओवरसीज एजेन्सीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं. 13450/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि ओवरसीज एजेन्सीज, (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो गई है।

एस० सी० नाथ,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

संगठन एवं प्रबन्धक सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1975

फ० सं. 9/7/74—संगठन एवं प्रबन्ध सेवा निदेशालय/2860—श्री एम० के० धर, आयकर अधिकारी, (श्रेणी I) ने आयकर आयुक्त कार्यालय, पटियाला से अपना स्थानान्तरण होने पर, संगठन एवं प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में विनांक 12 अगस्त, 1975 के अपराह्न से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाला।

एच० डी० बहल,
निदेशक

आयकर अपीलीय अधिकारण

बम्बई-400020, दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं. एफ 48-ए०डी०(एटी)/75-भाग II—श्री श्रमर नाथ तिवारी, जो पूर्वी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कानपुर के कार्यालय में सहायक अधियोजन अधिकारी थे को 16 सितम्बर, 1975 (पूर्वाल्क) से परिणोदित वेतनमान ₹० 650-30-740-35-810-८० रो० 35-880-40-1000-८० रो०-40-1200 पर अस्थायी धमता में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकारण हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से प्रगले श्रादेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

वे 16 सितम्बर, 1975 (पूर्वाल्क) से परिवीक्षा अवधि में दो वर्षों तक के लिये रहेंगे।

हरनाम शंकर,
अध्यक्ष

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 60/61 परंडवना
कार्वे रोड, पूना 411004
पूना-411004, दिनांक 3 अक्टूबर, 1975

सं० सी० ए० ५/बंबई (थाना)/फवुआरी/75/237/75-76
यतः मुझ, एच० एस० औलख
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० नं० 24, हिस्सा 4 है तथा जो कि कोपरी (थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-2-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 268-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्री मोहनदास टिकमदास डेबला सूर्योदय नगर प्लाट नं० 10, कोपरी कालोनी, थाना। (अन्तरक)

2. श्री टिकम कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 68, सी०-बिल्डिंग, प्रेम नगर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, थाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्विया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट और मकान सं० नं० 24, हिस्सा नं० 4, कोपरी, थाना, क्षेत्रफल 11 गुठा-1331 वर्ग यांडस-1112.90 वर्ग मीटर्स जो निम्न प्रकार से स्थित हैः—

पूर्व की ओर से—सं० नं० 40 गुला नं० 63।

पूर्व के ओर से—सं० नं० 24, हिस्सा नं० 2।

उत्तर के ओर से—सं० नं० 39, गुला नं० 60 पीटी० और दक्षिण की ओर से—सं० नं० 24, हिस्सा नं० 3 गटक-64

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1473/दि० 11-2-75 को सब रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० औलख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक 3-10-1975

मोहरः

प्रका प्राइंट शै. एन. एम.-----

(1) Pennuru Venkata Subbarao S/o Krishnaiah,
Morrispetta, Tenali.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

(अन्तरिती)

काकीनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 244/I.No. s.695&696/GTR/74-75

यतः मुझे B. V. Subbarao.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं०
861/30-60 cents with Rice and Dall Mill, है तथा जो
Vinukonda में स्थित है, (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
Vinukonda में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) Sri Nidadavolu Patabhiramaiah,
Sri Niddavolu Jaggaiah,
Sri N. Narsimharao, N. Satyanarayanaamurty
and Ch. Subbarao.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 35
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The Schedule property as per document Nos. 108 and
109 of 1975 of the S.R.O., Vinukonda.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 3-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 240/J.Nos. 8&9/GTR/75-76,

यतः मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
Door No. 1-4-18/10 Ward No. VIII, Block No. X,
है तथा जो Durgaprasad St. Nazarpeta, Tenali
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय Tenali में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या "उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Smt. Inuguri Rajeswari, W/o Krishnamurty
Sri Inuguri Krishnamurty, Provisions Merchant,
Athabita, P. Bargur Taluk, Sambalpur
Dt. Orissa.

(अन्तरक)

(2) Chundru Suramka Narasimharao,
Represented by mother Smt. Ch. Sasireka Devi,
Tenali.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 998 &
999/1975 of Sub-Registrar, Tenali.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 3-10-1975

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

Acq. File. No. 241/J. Nos. 655, 656 & 196/WG

यतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

157/1&157/2, Rice Mill, Velagalapalli village, है जो Pragadavaram Sivar, Chintalapudi Taluk, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्युत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया याया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ~ धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Late E. Ramakrishna Chowdary,

Represented by his legal heir,

(2) K. Ch. Satyam and M. Ramarao,

(अन्तरक)

(2) Sri Chandru Laxmi Narasimharao,

(2) Ch. Venkatanarasamma and Ch. Venkateswararao.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 97, 98, 99 of 1970 and 3290 of 1974 of S. R. O. Chintalpudi and Eluru.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख : 3-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

(1) Rajapantula Suryarao etc. Payakaracpetta.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Varnasi Dalayya, Vizianagaram.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज, I काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 3 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 242/J, No. VSP. 214/74-75,

अतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं। 16-1-12, Main Road, है, तथा जो Vizianagaram, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vizianagaram, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता। 15-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-306GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 268 of 1975 of S.R.O., Vizianagaram.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेज काकीनाडा

विनांक : 3-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 3 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 243/J. Nos. 222&223/VSP,

यतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

10-27-6, Opposite to Circuit House, Waltair Uplands, है, तथा जो Vizag-3, में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात्:—

(1) 1. Shri R. S. S. Vasan, Shift Engineer
Coltex Oil Refinery, Visakhapatnam, 2. A. B.
Krishnarao, Retd. Dist. Registrar, Vizag.
(अन्तरक)

(2) 1. A. V. Subbarao, S/o A. B. Krishnarao, Vizag.
2. A Seetaramarao S/A. B. Krishnarao,
Vizag.
3. A. K. Murty Sastry S/o A. B. Krishnarao,
Vizali.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 696 & 697 of 1975 of S. R. O. Visakhapatnam.

B. V. SUBBARAO,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 3-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 सितम्बर 1975

निदेश नं० 14/एक्यूजीशन/आगरा/75-76--/1530--
अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति :—

1. श्री प्रणपाल सिंह व
(अन्तरक)

कुवेन्दु पाल सिंह वल्द श्री सूरजपाल सिंह
निवासी मथुरा दरवाजा, बृन्दाबन

2. ग्रोम नगर सहकारी गृह निधारण समिति (अन्तरिती)
लि० सरजेपुर आगरा द्वारा स्थापित
सत्य नरायन चोजर वल्द जगतनरायन जिल०
मदिया कटरा आगरा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचारित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 2 बीघा 15 विश्वा खाता नम्बरी 16 जो सरजेपुर जिला आगरा में स्थित है, 49,500 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-9-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 सितम्बर 1975

निदेश नं० 6/एक्यूजीशन/मेरठ/75-76/1528—अतः मुझे
एफ० जे० बहादुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का (16) के अधीन, तारीख

19-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बोबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|------------------------------------|------------|
| 1. श्रीमती हरनाम कौर बेवा | (अन्तरक) |
| मेजर हरनाम सिंह सा० जामन मोहल्ला | |
| लाल मूर्ती बाजार, मेरठ कैन्ट | |
| 2. धन पौष्ठोहर बिरादरी मेरठ कैन्ट | (अन्तरिती) |
| बजरिए चौ० नरेन्द्रसिंह प्रेसीडेन्ट | |

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्तात्कारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति डबिल स्टोरीज नं० 90, जो जामन मोहल्ला
लालमूर्ती मेरठ कैन्ट में स्थित है, 75,000/- मूल्य में हस्तात्तरित
की गई है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 सितम्बर 1975

निदेश नं० 3/एक्यूजीशन/हापुड़ /75-76/1527—अतः
मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हापुड़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहम्मद नसीब पुत्र (अन्तरक)

श्री हाजी इदवा जाति शेख
निवासी हापुड़ मोहल्ला गंज नूर बाफान
जिला मेरठ

2. (1) श्री खजान सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह (अन्तरिती)

(2) काला राम पुत्र नरायण सिंह

(3) कांसि सिंह पुत्र नारायण सिंह

(4) गोपाल सिंह पुत्र नारायण सिंह

(5) श्रीमती भगवान देवी

बहुत नोबत राम

(6) श्रीमती मेगो देवी वेवा श्री
बड़ी प्रसाद निवासी 524, शिवपुरी,
हापुड़, मेरठ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खा० नं० 416 रकबा 2-8-0 कुल व खाता नं० 380 रकबा
1-13-11 का अपना 1/2 भाग कुल व 190 रकबा 9-15-0
का 1/2 भाग अपना कुल व 209 रकबा 18-10-0 का 1/5
भाग कुल बकदर 11 बीघे 3 बिस्ते 18 फिस्वांसी सोलह
सही 2/3 वसंतांसी पक्की भूमि विक्रय हुई जो ग्राम उसौड़ा
परगना व तहसील हापुड़ जिला मेरठ में स्थित है, 99,000/-
मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-9-75

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 सितम्बर 1975

निदेश नं० 189/एक्यूजीशन/देहरादून/74-75/1529—
अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —:

1. के० पी० लैन्ड एण्ड प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
52 राजपुरा रोड,
देहरादून बीजरिये मैनेजिंग डाइरेक्टर
एण्ड जनरल आटरनी श्री एस० पी०
कोचर

2. श्रीमती कमला धवन (अन्तरिती)
पत्नी श्री बनारसी दास धवन, 21,
प्रेमपुरी गाजियाबाद
3. श्री आर० एन० थादानी, किरायेदार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 1 इन्टुरोड, देहरादून जो 74,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-9-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक, 26 सितम्बर 1975

निदेश नं० 174/एक्यूजीशन/मेरठ/75-76/1540—अतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय मेरठ
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 25-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री मुख्तार पुत्र मंगत
(2) श्री भगवान सहाय
(3) श्री शब्दर पिसरान श्री दलीप
निवासी पुरवा अम्बाप्रसाद आनन्दपुरी
मेरठ शहर (अन्तरक)
2. (1) श्री मेहेन्द्र कुमार पुत्र लाला सुलेक चन्द
निवासी आनन्दपुरी, मेरठ
(2) पवनकुमार पुत्र श्री प्यारे लाल निवासी
56/4, शिवाजी पथ, मेरठ शहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 व 2 रक्कई 380,4/9 वर्ग गज, देवपुरी मेरठ
जोकि 22, 827 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख : 26-9-75
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर तारीख 26 सितम्बर 1975

निवेश नं० 172/एक्यूजीशन/मेरठ/74-75/1539—अतः,
मुझे एक० ज० बहादुर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री मुख्तार पुत्र मंगत (अन्तरक)

(2) श्री भगवान सहाय

(3) श्री शब्दर पिसरान दलीप

निवासी पुरबा अम्बा प्रसाद आनन्दपुरी
मेरठ।

2. श्री राम गुप्ता पुत्र श्री लीतम चोबे (अन्तरिती)

निवासी आनन्दपुरी, मेरठ शहर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट्स नं० 6, 7, 8 रकब्द 615.5/9 वर्ग गज वाले देवपुरी शहर मेरठ जो 36,932 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० ज० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 26-9-75

(अर्जन रेज), कानपुर

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 25 सितम्बर 1975

निदेश नं० 172/एक्यूजीशन/मेरठ/74-75/1538—अतः
मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन.
तारीख 25-2-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—306GI/75

1. श्री मुख्तार पुत्र मंरात (अन्तरक)
(2) श्री भगवान सहाय
(3) श्री लक्ष्मण पिसरान दलीप
निवासी पुरवा अम्बा प्रसाद अनन्दपुरी
मेरठ

2. श्री पवन कुमार जैन (अन्तरिती)
पुत्र श्री प्यारे लाल जैन साकित 26/4
शिवा जी पथ, शहर मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

561, 2/3 वर्ग गज भूमि प्लाट्स नं० 17 ता 20 जो
देवपुरी शहर मेरठ में स्थित है 33,700 रु० मूल्य में हस्तान्तरित
किया गया है।

(एफ० जे० बहादुर)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेज) कानपुर

तारीख: 25-9-75

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 25 सितम्बर 1975

निदेश नं० 170/एक्यूजीशन/मेरठ/75-76/1537—अतः
मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 143
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 25-2-1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री मुख्तार पुत्र मंरात (अन्तरक)
- (2) श्री भगवान सहाय पुत्र दलीप
- (3) श्री जन्वर पुत्र दलीप निवासी
पुरवा अम्बा प्रसाद आनन्दपुरी,
जिला मेरठ शहर
- 2. श्री राधे लाल पुत्र रतन लाल जैन (अन्तरिती)
साकिन फूला कुआं, मेरठ शहर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

651 वर्ग गज प्लाट्स नं० 12 ता 14, जिस का क्षेत्रफल
651 वर्ग गज है और जो कस्बा मेरठ देवपुरी में स्थित है,
39,060 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 25-9-75

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, तारीख 25 सितम्बर 1975

निदेश नं० 168/एक्यूजीशन/मेरठ/74-75/1536—अतः
मुझे एफ० ज० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और उवाचद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः :—

1. श्री मुख्तार पुल मंगत
(ग्रन्तरक)
- (2) श्री भगवान सहाय
- (3) श्री कम्बर पिसरान दलीप निवासी पुरवा अम्बा
साकिन आनन्दपुरी मेरठ शहर

2. श्रीमती गंशी बाला पत्नी श्री ओम
प्रकाश उधराम साकिन 294, प्रेमपुरी
मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

434 वर्ग गज भूमि प्लाट्स नं० 10 व 11 ज० देवपुरी
शहर मेरठ में स्थित है 26,040 रु० मूल्य में हस्तअन्तरित किया
गया है।

एफ० ज० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

तारीख: 25-9-75

(अर्जन रेज), कानपुर

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अजनूरेंज, कानपुर

कानपुर तारीख 15 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 236/एक्जीक्यूशन/मुजफ्फरपुर/74-75/

1650—अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 23-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- | | |
|--|-----------------------------------|
| <p>1. श्री मदन मोहन सूथरा
पुत्र डा० हरेशा निवासी सिविल लाइन,
मुजफ्फरनगर</p> <p>2. श्रीमती परमेश्वरी देवी पत्नी
चौ० बिश्वम्बर सिंह
(2) श्रीमती राजफुमारी पत्नी
श्री राज कुमार दिवासीगण दूदाहेंरी
डा० रवास परगना खत्तौनी त० जनसठ
जिला मुजफ्फरनगर</p> | <p>(अन्तरक)</p> <p>(अन्तरिती)</p> |
|--|-----------------------------------|

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया, करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबेढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 185 मय घर दुकानात जो सिविल लाईन्स
मुजफ्फरनगर में स्थित है, 85,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित
किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 15-10-75

मोहर :

प्र० श्राविंद० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 157/एक्यूजीशन/हरीद्वार/75-76/1659—

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हरीद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः एब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डा० उदय राम भारद्वाज (अन्तरक)

पुत्र श्री भोला शंकर निवासी मोती लाल
नेहरू मेडिकल कालेज अलाहाबाद
मुख्तार आम श्री अनिल कुमार भारद्वाज
पुत्र उदय राम भारद्वाज निवासी
नाटिराम इंगलैन्ड।

2. श्री रवि दास साधू (अन्तरिती)

सम्प्रदाय सोसाइटी (पंजाब) द्वारा संत
सेवा दास उप प्रधान,
शिव्य सन्त पूर्ण दास बाले ताल भक्त
जिला होशियारपुर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 39000 वर्गफुट जोकि निर्मला चावनी, मायापुर जिला हरिद्वार में स्थित है, 29,250 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

तारीख : 9-10-1975

(अर्जन रेंज), कानपुर

मोहर :

प्रस्तुत गाई० टी० एन० पृ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

निवेश नं० 158/एक्यूजीपी/हरिद्वार/75-76/1658—

अतः मुझे एफ० जे० बहापुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 25-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रेष्ठ अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० उदय राम भारद्वाज (अन्तरक)

पुत्र श्री भोला शंकर निवासी मोती लाल नेहरू, मेडिकल कालिज इलाहाबाद मुख्तार आम श्री अनिल कुमार भारद्वाज पुत्र उदय राम भारद्वाज, नाटिराम इन्गलैन्ड

2. श्री रम्बा दास साधू

सम्रदाय सोसायटी (पंजाब) द्वारा सन्त सेवा दास उप प्रधान, शिष्य सन्त पूर्ण दास कालेताल भक्त, जिला होशियारपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रभुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट नं० 3 जिस का क्षेत्रफल 36,000 वर्ग फुट है और जो निर्मला चावली, मायपुर जिला हरिद्वार में स्थित है, 36,000 रु० में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
तारीख : 9-10-75 (अर्जन रेज), कानपुर
मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 82/एक्यूजीशन/कैराना/75-76/1660—

प्रतः मुझे एफ० जे० वहादुर

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्याम लाल पुत्र श्री चिक्की मल (अन्तरक)

जैन निवासी शामली

2. श्री भगवान दास पुत्र गंगा राम (2)

सुभाष चन्द (3) हरी किशन, पुत्रगण

श्री भगवान दास अरोड़ा,

निवासी शामली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंदू किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति दोहरी मंजिल नं० 335, 335/1, 335/2, और 335/3 जोकि शामली जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है 80,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया।

एफ० जे० वहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

तारीख : 8-10-75

(अर्जन रेज), कानपुर

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 9 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 189/एक्यूजीशन/आगरा /75-76/1661—
अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को शामत रक्षण अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टोडर सिंह पुत्र श्री लक्ष्मन सिंह, (अन्तरक) निवासी मौजा दहतौरा परगना व जिला आगरा
2. श्री अमर सिंह वर्मा पुत्र श्री भूरे लाल (2) सुनहरी लाल (3) भगवती प्रसाद (4) हरी किशन पुत्रगण श्री अमर सिंह वर्मा (5) कुमारी विमला पुत्री अमर सिंह वर्मा निवासी हरजूपुरा तेजगंज, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतिहर जमीन रक्वा नं० 159 जिसका क्षेत्रफल 14 बीघा 12 बीसवा और 5 बिसवंसी है और जो मौजा दहतौरा जिला आगरा में स्थित है, 1,46,000रु० मूल्य में हस्तअन्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
तारीख : 9-10-75
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 सितम्बर 1975

निदेश नं० 94/एक्यूजीशन/कानपुर/75-76/1531—
अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8-5-1975

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जित्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की, धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5—306GT/75

1. श्रीमती श्रीला बुद्धे
बेवा श्री मनोहर लाल निवासी 25/24,
वराघी खाना, कानपुर
(अन्तरक)
2. श्री बद्री प्रसाद भोज
नागरवाला पुल श्री अमरसन्द भोज
नागरवाला बिरहाना रोड, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रचल सम्पत्ति कुछ हिस्सा डब्ल टोरिड बिल्डिंग और
कुछ हिस्सा झज्जरात हालत में सम्पत्ति नं० 25/24 जो
वराघी खाना कानपुर में स्थित है, 1,20,000 रु० मूल्य में
हस्तअन्तरित किया गया है।

(एफ० जे० बहादुर)
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-9-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22-9-75

निदेश नं० ९६/ अव्यूजीशन/कानपुर/७५-७६/१५३२:—
अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-5-1975 को,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपक्रान्ति (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री दामोदर तिवारी, निवासी 128 /जी/45, किंदवाई नगर, कानपुर (अन्तरक)
- (2) श्री सत्य प्रकाश पाण्डेय पुत्र श्री रामदीन शर्मा, निवासी 128 /जी/45 किंदवाई नगर कानपुर (अन्तरिती)
- (3) श्रीमती सुशीला देवी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथल सम्पत्ति नं० 128/जी/45 प्लाट नं० 43 ब्लाक जी० जिस पर मकान बना है और जो किंदवाई नगर कानपुर में स्थित है 44,000/- रु० मूल्य में हस्तअन्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीखः—22-9-75.
मोहर :—

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23-9-75

निदेश नं० 231 अक्यूजीशन/मु० नगर/74-75/1533:—
अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-
सार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरित द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री राहुल सौंदरी पुकाशी गौतम देव सौन्दरी निवासी
कोठी नं० 601 खाव्यापार निकट सूजडू चुगी, मुज-
फरनगर (अन्तरक)
- (2) 1. श्री धर्मशीर छाबड़ा 2 श्री हरीश चन्द छाबड़ा
पुत्रांश श्री हंसराज छाबड़ा निवासी मकान नं० 2220,
आर्यपुरी मुजफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना भी
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास
तिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट जिसका क्षेत्रफल 500 पुरवा गज है और
जो मुजफरनगर जी० टी० रोड पर स्थित है (37,000) रु० मूल्य
में हस्तान्तरित किया गया।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख :—23-9-1975

मोहर :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23-9-75

निवेश नं० 232/अक्यूजीशन/ मु० नगर/ 74-75/1534:—
अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन संधर्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री राहुल सौन्धी पुत्र श्री गौतम देव सौन्धी निवासी कोठी नं० 601 खाड्यापार निकट सूजडू चुंगी, मुजफरनगर (अन्तरक)
- (2) श्री कैलाश चन्द्र व श्री सुभाष चन्द्र, पुत्रगण लाला हंसराज छाबड़ा निवासी मकान नं० 220 आर्यपुरी, मुजफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्याप्तिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तरण प्लाट जिसका क्षेत्रफल 500 मुरब्बा गज है और जो जी० टी० रोड मुजफरनगर में स्थित है (37,500) ह० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
संभर प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख :—23-9-75

मोहर :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22-9-75

निदेश नं० 52/अक्षयूजीशन/गाजियाबाद/75-76/1535:—
अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-
सार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से छुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, प्रर्थात् :—

(1) श्री नरेश कुमार पुत्र लाला सेवक चन्द्र सिंहल पुत्र व
मुख्ताराघामा मजाज इन्टकाल जायदाद भिनजाविच
श्रीमती कस्तूरी देवी पत्नी सेवक चन्द्र सिंहल निवासी
13, रमेते राम रोड गाजियाबाद जिला मेरठ

(अन्तरक)

(2) श्री काशमीरी लाल व (2) श्री ओम प्रकाश
पुत्रगण लाला करम चन्द्र अहूजा निवासी गान्धी नगर
गाजियाबाद परगाना ब्यैनी जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावजूद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सालिम एक अदद फिरी होल्ड रिहायशी प्लाट नम्बर, 36
रक्कह 1223 वर्ग गज पैमायशी जो रेजीडेन्शन कालौनी सेवक चन्द्र
(नरेन्द्रनगर) गाजियाबाद जिला मेरठ में स्थित है (61150)
रु० मूल्य में हस्ताक्षरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
संहायक आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख :—22-9-75

मोहर :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 8-10-75

निदेश सं० ए० सि० 31/प्रार-II/कलकत्ता/75-76 :— अतः
मुझे, आर० वि० लालमोया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी दाग सं० 353, 355, 356, 357 और 361/
476 है तथा जो मौजा रामपुर, थाना महेशतला, 24-परगना
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 16-2-1975 को

पूर्वीकृत सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोरंजन बनिक, 20 कालोकृष्णा ठाकुर स्ट्रीट
कलकत्ता। (अन्तरक)

(2) श्री अरुण कान्ती धर, सन्तोषपुर गव्हनमेन्ट कोलनी
थाना महेशतला, 24-परगना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

24-परगना, थाना -महेशतला, मौजा -रामपुर में आर० एस०
सं० 352, ख सं० 276, जे० एस० सं० -20, और दाग सं० 353,
355, 356, 357 और 361/475 का खाली जमीन जिसका क्षेत्र-
फल 2-बिंगा 7-कठा, 4 छटाक और 16-वर्ग फुट है।

आर० वि० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II कलकत्ता-16

तारीख :—8-10-1975

मोहर :—

प्रस्तुत प्राइंट टी० एन० एस० —— .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 6-10-1975

निदेश सं० ए सि-30/ आर-II/ कलकत्ता / 75-76:— अतः,
मुझे, आर० वि० लालमोया;
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 42-डब्ल्यू और 42-वी है तथा जो राजा सन्तोष
रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रेजिस्ट्रार
आफ एप्परेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-2-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बनवारी लाल गोयेका, 37/1 महर्षी देवनदा रोड
कलकत्ता (अन्तरक)
- (2) नारायण प्रसाद गोयेका, 45, सरहस्त्राम गोयेका
स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का,
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 42-डब्ल्यू और 42-वी राजा सन्तोष रोड, कल-
कत्ता में दो प्लाट जमीन जिसका क्षेत्रफल 2 कठा, 4 छटांक, 6
वर्गफुट और 2 कठा, 4 छटांक, 6 वर्ग फुट है।

आर० वि० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II
कलकत्ता-16

तारीख:—6-10-75

मोहर :—

प्रलम्प आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

दिनांक 6-10-75

निवेश सं० ए० सि० 26/ आर-II /कल /75-76:— अतः,
मुझे, आर० लालमोया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 42X, 42Y, 42-P, और 42-एन० है तथा
जो राजा सन्तोष रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सब रजिस्ट्रार अक्युसुरेन्स कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बुरी किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्बात्:—

- (1) श्रीमती कृष्णा देमी गोयेंका 37/1 महांग देवद्व रोड,
कलकत्ता
(अन्तरक)
- (2) श्री नारायण प्रसाद गोयेंका 45, स्यार हरि राम गोयेंका
स्ट्रीट कलकत्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

42-से क्स, 42-वाई, 42-पी और 42-एन, राजा सन्तोष
रोड, कलकत्ता में घार प्लाट जमीन जिनका क्षेत्रफल 1 कठा, 15-
छटांक, 1 कठा 15 छटांक, 2 कठा 8 छटांक, और 1 कठा 8 छटांक
है। कुल जमीन 6 कठा 16 छटांक है।

आर० वि० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II
कलकत्ता-16.

तारीख:— 6-10-75

मोहर :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता दिनांक अक्टूबर 75

निवेश सं० 263/ एकुरे-III/75-76/कल:— अतः मुझे, एल० के० बालसुद्धमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० 158 ए० है तथा जो पिकनिक गार्डन रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 6-306GI/75

- (1) श्री अशोक कुमार घोष और अधिकारी कुमार घोष 65/2 हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स बेलमेट फुटवार कर्पो० प्रा० सि० 216, रासविहारी एभिन्यु कलकत्ता। (अन्तरिती)
- (3) मैसर्स ए. के० जि० इन्डस्ट्रीज, (अंश में)। (वह अप्पि जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्द्रहिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 8 विधा जमीन और तलाव जमीन साथ उस पर बनाया मकान, स्ट्राकचरस, शेड, वर्कशेप और सीमाना-प्राचीर जो पौर सं० 158 ए० पिकनिक गार्डन रोड, कलकत्ता पर अब स्थित हैं और जो दलिल सं० 1-713/1975 द्वारा रेजिस्ट्री-कूत हुआ, रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता के साथ।

एल० के० बालसुद्धमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किदवाई रोड
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16.

तारीख : 6-10-75
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किंदवाई रोड, अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निदेश सं० ८० आर०-९१७/सी०-१-३२७/कल०-१/७४-७५—
अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० २८ है तथा जो स्ट्रॉड रोड में स्थित है (श्री इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, ५ गवर्नरमेन्ट, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख १८-२-७५
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(-1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सालेशाई ईसुफग्रली (2) फखरुद्दीन मुल्ला
सालेभाई (3) जाकिउद्दिन मुल्ला सालेभाई
(अन्तरक)

2. (1) श्री कुरबन हुसेनग्रली (2) मोहम्मद हुसेन
मुल्ला कुरबन हुसेन (3) हसानी मुल्ला कुरबन
हुसेन
(अन्तरिती)

- 3. (1) ईस्टर्न मशिनरी कारपोरेशन (2) एफ० हुसेन एण्ड ब्रादर्स (3) ईनलैन्ड हार्डवेयर एण्ड ट्रूल्स (4) ए०वी० जोशी एण्ड सन्स (5) मेहरा ट्रेडिंग को० (6) सुनील कुमार मुकर्जी (7) इन्डियन एसबेस्ट्स एण्ड ईन्सुलेशन को० (8) इन्जीनियरिंग स्टोरेस एण्ड एजेंसी (9) मोहम्मद फरुक (10) बेनेर्जी एण्ड ब्रादर्स (11) जीबन लाल एण्ड को० (12) एन० एन० मुकर्जी (13) बोजा ब्रादर्स (14) हिन्दुस्तान ट्रेडिंग को० (15) डाउद हाई सालेभाई (16) स्टील रोलिंग मिल्स आफ बंगाल एण्ड को० (17) ग्रोवरसीस स्टोरेस एण्ड एजेंसी (18) केटलबेल बुलेन एप्लाईज को० श्री० श्रेडिट सोसाईटी लिमिटेड (19) चन्द्रकान्त हीरालाल (20) सरन ट्रेडिंग को० (21) इन्जीनियरिंग स्टोरेस एण्ड सप्लाई को० (22) चन्द्र मोहन (23) नरफक एशिया (24) आयल हाईड्रोलिक्स।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री मोहसिन भाई यूसुफग्रली भसालिया

(वह व्यक्ति, जिसके बारे अधीहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

28 स्ट्रॉड रोड कलकत्ता में श्री स्पिति 8 कट्टा 6 छटांक 22वर्ग
फिट जमीन पर तिन तल्ला निवास का मंजिल में अन्तरक का
हिस्सा ।

एस० के० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफी अहमद किंदवाई रोड

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 10-10-75

मोहर :

प्र० श्रीमति दासि राणी धोष ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवाई रोड, अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 75

निदेश सं ८० टि० आर०-६६/सि०-६०/कल०-१/७४-७५:—
अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्तीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं 24/2 है तथा जो सरिफ लेन में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमति दासि राणी धोष ।

(2) मुहम्मद अशरफ ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एषटीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय ने दिया गया है।

अनुसूची

24/2 सरिफ लेन, कलकत्ता में अब स्थित लगभग 4 कट्टा जमीन।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदवाई रोड

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख :— 9-10-75

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण म, मै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफी अहमद किंवाई रोड, अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16
कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

निदेश सं० टि० आर०-8 /सि०-8/कल०-1/75-76:—अतः
मुझे, एस० के० घश्वर्ती आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24/2 है तथा जो सरिक लेन, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्लॉस नार्थ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-5-75 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमति दासि राणी धोष । (अन्तरक)
- (2) मुहम्मद अशरफ । (अन्तरिती)
- (3) श्री जय कृष्ण गैर (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24/2 सरिक लेन कलकत्ता में अब स्थित 2 कट्टा 3 छटांक
5 वर्ग फिट, एक जमीन।

एस० के० घश्वर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किंवाई रोड
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16.

तारीख : 9-10-75
मोहर :-

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०-५/कोल्हापुर मार्च/75/244/75-76:—

यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 30, सी० टी० एस० नं० 2100 के० 78 ई-वार्ड, श्रीकार कालोनी, कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कोल्हापुरमें, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनसुखलाल मणीलाल वसा प्लाट नं० 12, श्रीकार कालोनी, कोल्हापुर-5। (अन्तरक)

(2) श्री बाडी लाल लखमीचन्द शाह 2113 के० निवाल-कर कालोनी पुना-बंगलौर रास्ता, कोल्हापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्र०-30, सी० टी० एस० क्र० 2100 के०-78, ई-वार्ड, श्रीकार कालोनी, कोल्हापुर तक मज़ाला 1590 वर्ग फीट पहिला मज़ाला -800 वर्ग फीट।

(जैसे की रजिस्ट्रीकूट के विलेख नं० 814 दि० 20-3-75 को सब-रजिस्ट्रार कोल्हापुर के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 8-10-75

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर श्रावक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, 60/61 एंडवना, कर्व, रोड, पुना

पुना-411004, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०-५/कोल्हापुर/फरवरी 75—243/
75-76—यतः, मुझे, एच० एस० ग्रौलख

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० ब्लाक नं० 149 शाहु मार्केट है जो तथा कोल्हापुर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोल्हापुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शा० मणी लाल देवसी ए०ड कम्पनी, कोल्हापुर
पार्टनर्स :— (1) मणीलाल देवसी वसा (2) मनसुख लाल मणीलाल
वसा (3) सतीशकुमार मणीलाल वसा (4) श्रीमती
जयोत्स्ना जवाहरिलाल वसा सभी वार्ड-ई, ब्लाक नं०
29, कोल्हापुर
(अन्तरक)

2. श्री देवगोडा रामगोडा, पाटील वार्ड-ई, शाहु मार्केट, ब्लाक
नं० 136, कोल्हापुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टरी, ब्लाक नं० 149 इमारत और शेड शाहु मार्केट
वार्ड, कोल्हापुर प्लाट क्षेत्रफल—2550 वर्ग फीट (जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 441 दिनांक 17-2-75 को सब-रजिस्ट्रार कोल्हा-
पुर के दफ्तर में लिखा है ।)

एच० एस० ग्रौलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर श्रावक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 8-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61एरंडवना, कर्बे रोड पूना

पूना-411004, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०-५/फरवरी-७५/हवेली-II/(पूना)/
239/75-७६—यतः, मुझे एच० एस० औलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा, 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 6-बी/17 सी० टी०
एस० क्र० 14 है तथा जो बड़ गाड़न, पूना में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II (पूना) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 14-२-१९७५

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी सेन्ट्रल बैंक एक्जीक्यूटर एण्ड ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड
जहांगीर बाड़ीया बिल्डिंग, 51 एम० जी० रोड, बम्बई-1 (2)
होरमसजी बोभनजी बोर्डी, बम्बई
(अन्तरक)

2. मे० ए० जे० खन्नी एण्ड सन्स, 628 खन्नी हाऊस, 13 था०
रस्ता, खार, बम्बई-52
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड जमीन, सब डिवायडे फाट क्र० 6-बी-७, सी० टी०
एस० क्र० 14 बड़ गाड़न, पूना ।

जो बड़े जमीन का सब डिवीजन प्लाट क्र० स० क्र० 85,
प्लाट क्र० 1 है, देहात माली, तहसील-हवेली, जिं पूना में स्थित
है।

क्षेत्रफल :—1031.33 वर्ग मीटर्स।

(जैसे की रजिस्ट्रीक्यूट के विलेख नं० 305 फरवरी 75 में
सब-रजिस्ट्रार हवेली-II, पूना के अफतर में लिखा है।

एच० एस० औलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत श्राद्धा० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एंडवेली, कर्वे रोड, पूना

पूना-411004, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०-५/फरवरी 75/हवेली-II (पूना) 242/
 75-76—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सब डिवायडेड प्लाट क्र० 4, सी० टी० एस० क्र० 14 है तथा जो बंड गार्डन, पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्ठत है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II पूना में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. दी सेंट्रल बैंक एक्जीक्यूटर एण्ड ट्रस्टी कंपनी, लिमिटेड, जहांगीर वाडिया बिल्डिंग 51 एम० जी० रोड, बम्बई-1 (2) होरमजी बोभन जी बीडॉ० बम्बई
 (अन्तरक)

2. मे० ए० जे० खन्नी एण्ड सन्स 628 खन्नी हाऊस, खार पाली रोड, खार, बम्बई-52
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्री होल्ड जमीन—सब डिवायडेड प्लाट नं० 14 सी० टी० एस० नं० 14 बंड गार्डन पूना।

जो बंडे जमीन का सब डिवीजन प्लाट सर्वे क्र० 85 प्लाट क्र० 1 का है, जो देहाल माली, तहसील—हवेली, जि० पूना में स्थित है।

क्षेत्रफल :—507.51 वर्ग मीटर्स :

(जैसे कि रजिस्ट्रीकॉर्ट के विलेख नं० 304 फरवरी 75 में सब रजिस्ट्रार हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-10-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

प्रजन रेंज 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड पूना

पूना-411004, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

निदश सं० सी० ए०-५/फरवरी 75/हवेली-II/(पूना)/240/
75-76—यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 सी० टी० एस० नं० 14 है तथा जो
बंड गार्डन (पूना) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
हवेली-II पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 14-2-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों
को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

7-306 GI/75

1. श्री सेट्रेस बैंक एशियन्स ट्रस्टी कंपनी, लिमिटेड,
जहांगीर बाड़ीया बिल्डिंग 51 एम० जी० रोड, बम्बई-1
(2) होरमजी बोभनजी बिरंडी बम्बई (अन्तरक)

2. मे० ए० जे० खन्नी एण्ड सन्स, 628 खन्नी हाऊस, खार-
पाली, रोड, खार, बम्बई-52
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फी होल्ड जमीन, प्लाट नं० 2, सी० टी० एस० नं० 14,
बंड गार्डन, पूना ।

जो बड़े जमीन का सब छिवीजन प्लाट नं० स० क्र० 85,
प्लाट नं० 1 है, देहान माली, तहसील—हवेली जि०—पूना में
स्थित है।

धोतफल :—508.80 वर्ग मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत के विलेख नं० 302 फरवरी में सब-
रजिस्ट्रार हवेली-2, पूना के घप्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-10-1975

मोहर :

प्रश्न आई० ई० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना कर्वे रोड, पुना

पुना-411004, विनांक 6 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/फरवरी 75/हवेली-II, (पुना)/
241/75-76—यतः, मुझे, एच० एस० गौलब
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सब डिवायडेड प्लाट नं० 3, सी० टी० एस०
नं० 14 है तथा जो बंड गार्डन, पुना में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हवेली-II पुना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी सेंट्रल बैंक एक्जीक्यूटर एण्ड ट्रस्टी कंपनी, लिमिटेड,
जहांगीर वाडीया विल्डिंग, 51 एम० जी० रोड, बम्बई (2) होरमनी
(अन्तरिती)

2. मे० ए० जे० खन्नी एण्ड सन्स 628 खन्नी हाऊस, खार
पाली रोड, खार, बम्बई-52
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आव्वेद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण १—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभावित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

की होल्ड जमीन, सब डिवायडेड प्लाट क्रं० 3, सी० टी० एस०
नं० 14, बंड गार्डन, पुना ।

जो बड़े जमीन का सब डिवीजन प्लाट नं० स० क्र० 85, प्लाट
क्रं० 1 है जो देहात माली, सहसील—हवेली, जि०—पुना में स्थित है।
क्षेत्रफल :— 513.89 वर्ग मीटर्स,

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत के लिखेन नं० 303 फरवरी 75 में
सब-रजिस्ट्रार के हवेली-II, पुना के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० गौलब
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 6-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना—411004

पूना, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निवेश सं० सी० ए०/५/जून/75/ग्रहमदनगर/235/75-76—
यतः मुझे, एच० एस० औलख,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे क्रमांक 297/2, 297/4 ए० 297/6 वी० 3१ 297/5 है तथा जो मौजे नालेगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) दिनकर सदाशिव नगरकर
(2) श्रीमती मंदाकिनी बाई दिनकर नगरकर
(3) श्री भालचन्द्र दिनकर नगरकर
सब रहनेवाले कान्हूर पठार, तहसील—पारनेर, जि०—
ग्रहमदनगर (अन्तरक)
2. ग्रहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रसारक समाज, ग्रहमदनगर के लिए श्री हणमंतराव कृष्णाजी काके, ग्रहमदनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जिराईत और बागाईत जमीन मौजे नालेगांव, जिला—
ग्रहमदनगर

सर्वे क्रमांक	क्षेत्रफल
297/2।	एकर—गुंडा
297/4 ए०	0—28
नया सर्वे क्र०	2—32
297/6 वी० 3	0—38
जुना सर्वे क्र०	297/6 ए० 1
297/5 ने से 1/2 हिस्सा	0—05

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 613 जून 1975 में सब रजिस्ट्रार ग्रहमदनगर के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० औलखा
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 29-9-75.

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक अक्टूबर 1975

निवेद सं० सी० ए० 5/बंबई (थाना) मार्च 75/238/75-76
—यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सं० 331 और 231 हैं तथा जो पंचपाखड़ी, थाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक 5-3-1975 को,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

- (1) 1. श्रीमती जीवनलता पुरुषोत्तम दास केडिया
 - 2. विष्वनाथ पी० केडिया
 - 3. जगदीशप्रसाद पुरुषोत्तम केडिया
 - 4. शान्ती कुमार पी० केडिया
 - 5. राजकुमार पी० केडिया
 - 6. भागीरथी पी० केडिया
 - 7. दिनेशकुमार पी० केडिया
 - 8. विमलादेवी बालकृष्ण पालन
 - 9. निरंजन देवी हरीकिशन कनोडिया
 - 10. भानुमति गोपीकिशन मखारिया
 - 11. सरोजकुमार शांति प्रसाद केडिया
 - 12. भारती एस० रुद्ध्या
 - 13. मधुकुमारी जगदीश प्रसाद केडिया
- पा० क० पिता जगदीश प्रसाद केडिया सबका पता
252 बालकेश्वर रोड, बंबई-6 (अन्तरक)

(2) नितीन कास्टिंग प्रायवेट लिमिटेड, 21 रोपवाँक स्ट्रीट, फोर्ट, बंबई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के टुकड़े—पंचपाखड़ी, थाना में स्थित, जिसका वर्णन निम्नलिखित है:—

सं० नं०	हिस्सा नं०	एकर	गुणा
331	0	3	2
231	2	0	1. 1/2

कुल मिलके 14943 वर्ग यार्ड्स

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 347, दि० 5-3-75 को सब रजिस्ट्रार बंबई के दफतर में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख 3-10-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेप, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निदेश सं० III-108/ अर्जन 75-76/1261—यतः
मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी हो० सं० 367, वा० सं० 9 है, तथा जो गोविन्द
मित्रा रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपार्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 10-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः थब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रतिभा वला मित्रा जौजे स्व० पशुपति नाथ
मित्रा, श्री पारेश नाथ मित्रा, श्री सोमन मित्रा, श्री
समर कुमार मित्रा वल्दान स्व० पशुपति नाथ मित्रा,
श्रीमती अनुका मित्रा, श्रीमती गोपा मित्रा दोनों
(पुत्री स्व० पशुपति नाथ मित्रा, सभी निवासी
26-मोहन बगान लेन, कलकत्ता-4
श्री मती अशोका घोष जौजे श्री सोम नाथ घोष,
राधा नाथ मलिक लेन, कलकत्ता-12, श्रीमती
मनिका घोष जौजे श्री समिर प्रसाद घोष, 103/ई,
विधान सरानी, कलकत्ता—4 (अन्तरक)

(2) श्रीमती जमन्ती देवी जौजे श्री बद्री नारायण प्रसाद
चौधरी, महल्ला—गद्बनिया कुआं, थाना—पीरखड़ोर
पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन 3 कर्टूडा सहित दो मंजिला मकान जो हो० सं०-367
का हिस्सा है, सकिल सं०—23, वा० सं० 9 जो गोविन्द मित्रा
रोड पटना में है तथा जो दस्तावेज दिनांक 10-2-75 में पूर्णतया
वर्णित है ।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक : 10-10-75

मोहर :

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, परिक्षेप, बिहार पटना

पटना, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० III 109/पर्जन/75-76/1262—यतः मुझे,
ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी हो० सं०-367, वा० सं०-23 है, तथा जो
गोविन्द मित्रा रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-2-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमती प्रतिभा बला मित्रा जौजे स्व० पशुपति नाथ
मित्रा, श्री परेश नाथ मित्रा, श्री सोमन मित्रा, श्री
समर कुमार मित्रा बलदान स्व० पशुपति नाथ मित्रा;
श्रीमती अनुका मित्रा, श्रीमती गोपा मित्रा दोनों (पुत्री)
स्व० पशुपति नाथ मित्रा, सभी निवासी 26-मोहन
बगान लेन, कलकत्ता-4

श्रीमती शशोका घोष जौजे श्री सोमनाथ घोष,
9-राधा नाथ मलिक लेन कलकत्ता—12, श्रीमति
मनिका घोष जौजे श्री समिर प्रसाद घोष, 103/ई—
विधान सरणी, कलकत्ता-4 (अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी जौजे श्री जय नारायण प्रसाद
चौधरी, महल्ला मखनिया कुआं, थाना—पीखड़ोर,
पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 2 कट्ठा 6 छाटांक सहित एक मंजिला मकान
जिसका हो० सं०-367, सकिला सं० 23 बाड़ सं०९ है
जो गोविन्द मित्रा रोड पटना में है तथा जो दस्तावेज दिनांक
10-2-75 में पूर्णतया वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
पर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक 10-10-75

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा,
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्रम, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निवेदण सं० III-107/अर्जन/75-76/1248—पतः,
मुझे, उद्घोसीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छक्कित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी प्लौ० सं०-384 तथा खाता सं०-348 है, तथा जो तरी, आरा शहर, में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-2-75 को

उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे बढ़ाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', 1922 के अनुकरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: यह 'उक्त अधिनियम', की आरा 269-ग के अनुसार में, में, 'उक्त अधिनियम', की आरा 269-ष की उपलब्ध
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मंगलेश्वर प्रसाद सिंह, श्री बीरेन्द्र कुमार सिंह, श्री नरेन्द्र कुमार सिंह वल्दान बाबू दुर्ग विजय प्रसाद सिंह, श्रीमती बेयासो कुंवर जौजे बाबू दुर्ग विजय प्रसाद सिंह, सा०—मिरगज, आरा शहर, जिला—भोजपुर (अन्तरक)
- (2) श्री ज्वाला दस जलान वल्द श्री बनारसी दस जलान, सा०—तरी, आरा शहर, जिला—भोजपुर (अन्तरित)

को वह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 2 कट्ठा 8 धुर 10 धुरकी मय मकान, सा०—तरी, आरा शहर, जिसका तीजी सं०—30, धाना सं०—236, खाता सं०—348 प्लौ० सं०—384, हो० सं०—254 (पुराना) एवं 283 (नया), सकिल सं०—2, वाड सं०—5 जो जिला भोजपुर में है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक : 8-10-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्रीमती अर्यस्माल और परसुरामन, सेलम (ग्रन्तक)

आयकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-१, मध्रास

मद्रास, दिनांक ९ अक्टूबर 1975

निदेश सं० /1/140/74-75--प्रतः, मुझे जी०
रामनातन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सबम प्राधिकारी को, यदि
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है
और जिसकी सर्वे सं० 102 और 104, है, जो दादमाय
कुट्टे, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16 फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(अ) ऐसी किसी भाष्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाष्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रति: अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—

(2) श्री एस० पी० मारिमुत्तु मुदलियार सेलम (अन्तरिक्षी)

को यह सूखना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शालू करता है।

उपर्युक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवश्यक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो सी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किरी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया।

प्राची

सेलम टीन, दाढ़ुमायकूट्टें सर्वे सं० 102 और 104 में खासी
भूमि (पद सं० 677/75) — वैस्ट्रन साईड साऊथ टु नार्थ
106', इस्टर्न साईड-50', और 46' और नारदन साईड 542'

जी० रामनाथन
सक्षम प्रधिकारी

दिनांक : 9-10-1975

सोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती अव्याम्भाल और परसुरामन, सेलम (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

निदेश सं० XVI /1/141/74-75—यतः, मुझे जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 102 और 104, हैं, जो दादुमाय कुट्टे सेलम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—306GI/75

(2) श्री एस० पी० मारिमुत मुदलियार सेलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम टौन, दादुमायकुट्टे सर्वे सं० 102 और 104 में खाली भूमि (पत्र सं० 678/75), पूर्व भाग 106' उत्तर 50' पूर्व 46' और उत्तर सं० दक्षिण 54½' उत्तर भाग पूर्व सं० पश्चिम 62' और दक्षिण 21'.

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख 9-10-1975

मोहर :

प्र॒रूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निवेश सं० IX /5/56/74-75—यतः, मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 118 और 119, हैं, जो नैनियप्प नायक स्ट्रीट, मद्रास-३ में स्थित हैं (प्रौढ़ इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) एन० एम० आर० जम्बुनातन, मदुरै-१ (अन्तरक)

(2) प्लास्टो मेटल, मद्रास-३ (अन्तरिती)

(1) दि सखोदया सरजिक्लस

(2) सम्पत सरामिक्स (पी) लिमिटेड और म्लास कारपोरेशन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 3, डोर सं० 118 और 119, नैनियप्प नायक स्ट्रीट, में 1642 स्क्वेयर फीट की भूमि और मकान—आर० एस० सं० 9149 (पत्र सं० 145/75)

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१ मद्रास।

दिनांक : 10-10-75

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ।
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16-10-75

निदेश सं० एफ० 2389/74-75—यतः मुझे, जी० वी०

क्षाबक

आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० टी० एस० सं० 936-एफ० है तथा जो नया डोर सं० 64, रेस कोर्स रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 3, कोयम्बतूर (डाकूमेंट सं० 487/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० जयदेव

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० तमस्ति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर, रेस कोर्स रोड, नगा डोर सं० 64, में 25 सेन्ट की भूमि जिसका टी० एस० सं० 936 एफ० ।

जी० वी० क्षाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख : 16-10-1975

मोहर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600008

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

सं० एफ० 2389/74-75—अतः मुझे जी० वी० शावक,
आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त
अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० सं० 936-बी है तथा जो नया डोर
सं० 64, रेस कोर्स रोड, कोयम्बटूर, में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे० एस० आर० 3, कोयम्बटूर, (डाकुमेट सं० 488/75)
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक फरवरी, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री टी० सत्यदेव
(अन्तरक)
2. श्री डी० रामस्वामी,
श्रीमती आर० वीसालाशि; और
वेंकटेस सुदर्शन (मैनर)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्विरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर, रेस कोर्स रोड, नया डोर सं० 64 में 55-15
सेट की भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं०
936-बी।

जी० वी० शावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 16-10-75

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600008,

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 2397/74-75—यतः मुझे जी० बी० ज्ञाबक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० डॉर सं० 247, 247ए, 248, 249 और 250 है
तथा जो ब्रफ रोड, ईरोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जे० एस० आर०-1, ईरोड, (डाकुमेंट सं० 517/75) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 13-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपावारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति :—

1. श्री एम० सेन्नियग्नन; मुख्यमन्त्री (मैनर); और
मुख्यमन्त्री (मैनर)
(अन्तरक)
2. श्री बी० अनन्दन; और
मोहन (मैनर)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-र में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

ईरोड, ब्रफ रोड, डॉर सं० 247, 247ए, 248, 249 और
250 में आधा भाग।

जी० बी० ज्ञाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 16-10-75

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मंद्रास-600008

मंद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 2414/75-76—यतः मुद्रे, जी० वी० ज्ञावक,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4
3/5; 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1 और 15 है तथा जो
जगनाला गांव, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर
(डाकुमेंट सं० 238/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
1908 का 16 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 फरवरी,
1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
'जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

2. श्री मदन; श्री जोहि, श्री सेन्नमल्लन, श्रीमती बेबियम्माल,
श्री नोजन, श्री चद्रन और श्री पालराज

(अन्तरक)

2. श्री नन्जन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोदत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जगनाला गांव में 6-84 1/8 एकड़ की भूमि जिसका आर०
एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3; 3/4; 3/5; 5/1; 5/2ए;
5/3; 4/2, 18/1 और 15।

जी० वी० ज्ञावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मंद्रास

तारीख: 16-10-75

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, मद्रास-600008

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं 2414/75-76—यतः मुझे जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं आर० एस० सं 2; 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1, 15 और 5/2 बी में है तथा जगनाला गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कूनूर (डाकुमेन्ट सं 239/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत् :—

1. श्री मदन, श्री जोहि, श्री सेनमल्लन, श्रीमती वेदियम्माल, श्री बोजन, श्री चद्रन और श्री पालराज ।
(अन्तरक)

2. श्री चद्रन, कृष्णनन, नरेन्द्रन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगनाला गांव में 7-44 1/8 एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1, 15 और 5/2 बी ।

जी० वी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 16-10-75

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, मद्रास-600008

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 2414/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1 और 15 है तथा जो जगनाला गांव में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कूनूर (डाकुमेन्ट सं० 240/75), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 फरवरी 75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन, श्री जोहिं, श्री सेन्नमल्लन, श्रीमती बेबियम्माल, श्री वोजन, श्री चन्द्रन, श्री पालराज और श्री तेवन।

(अन्तरक)

2. श्री एन० अर्द्धर मदन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उसअध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगनाला गांव में 6-84 1/8 एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1 और 15।

जी० वी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 16-10-75

मोहर :

प्रृष्ठा प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास-600008
मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 2414/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झाबक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/4,
3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3, 4/2, 18/1, 15 और 5/2-वी०, है तथा जो
जगनाला गांव में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर
(डाकुमेंट सं० 241/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 24 फरवरी, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात्:—
9—306GT/75

1. श्री मदन, श्री जोहि, श्री सेनमल्लन, श्रीमती बेनियम्माल,
श्री बोजन, श्री चन्द्रन और पालराज।
(अन्तरक)
2. श्री कन्नन; दर्मन, बालकृष्णन और सेवनन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वरूपीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जगनाला गांव में 7-44 1/8 एकड़ की भूमि जिसका आर०
एस० सं० 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2ए, 5/3,
4/2, 18/1, 15 और 5/2-वी०।

जी० वी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 16-10-75
मोहर:

प्रलेप बाई० टी० एन० एस०——

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 137/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 22, 5-9-29/31, है जो, बशीर बाग, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत् उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स आनन्द बिल्डिंग कार्पोरेशन,

प्रतिनिधित्व :

भाषीदार, अनिल कुमार

द्वारा, 53, पेंडर घास्ट रोड, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरबन्स कौर मारवाह पत्नी मोहन्दर सिंह मारवाह
भैरूल म्यानशेन, बशीर बाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 22, नं० 5-9-29/31, दुमंजिला, भैरूल म्यानशेन,
फ्लैट नं० 5, बशीर बाग, प्यालेस, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-10-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर 1975

सं० 146/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-661 का खुली जमीन सोमाजी गूडा है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती बी० कमलम्मा पत्नी बी० किस्टम् नायडू मुड्डुमुड्डी मौजा, नेल्लूर जिला, मुरसार नामादार श्री टी० योगय्या नायडू।
- (2) श्री पी० बी० नरसिंहराव, पुत्र श्री रामय्या डोकीपाल मौजा, कृष्णा जिला।
- (3) आर० बुच्चम्माई पत्नी आर० श्रीरामलू नायडू मद्रास-67, मुख्तार नामादार, एच० लक्ष्मी नरसिंहराव, पुत्र वेंकय्या।

(अन्तरक)

2. मैसर्स शाह सन्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 5-3-335 आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद-3।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संवं नं० 35, फ्लैट नं० 6-3-661 में खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 1339 वर्ग मीटर्स, सोमाजीगूडा, हैदराबाद।

उत्तर :	मैसर्स शाह फार्म
दक्षिण :	सी० सी० रोड
पूर्व :	पड़ोस के चौहड़ी
पश्चिम :	शाह आटो इन्जीनियरिंग कं०।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 13-10-75

मोहर :

प्रारूप शाई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 140/75-76-यतः, मुझे,
एस० के० वैकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22-1-361/1, मुलतानपूरा है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजमपूरा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल सलाम बन्दगी,
प्रोफ्रैटर : युनाइटेड ट्रेडर्स, तिलक रोड, हैदराबाद
(अन्तरक)
2. (1) डॉक्टर श्रीमती महमदा बेगम,
(2) डा० इकबाल मोईन,
मि० ए० स० करीमनगर, दवाखाना
(अन्तरिती)
2. (1) श्री टी० लक्ष्मण
(2) श्री टी० नरसिंगराव,
(3) श्री डी० लक्ष्मन राव
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 22-1-361/1, मुलतान पूरा, हैदराबाद जिसके चौहदी
यह है :

20	उत्तर :	मकान तथा बाग स्व० रफीयुद्दीन साव के।
	दक्षिण :	20' चौड़ा सड़क।
	पूरब :	उबेदुल्ला के खाली जमीन।
	पश्चिम :	30' चौड़ा सिमेंट रोड।

के० एस० वैकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख: 13-10-75
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 134/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 16-9-683 तथा 684, पुराना मलकपेट है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 14-2-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यात्रा गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) देसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सचदेव पुत्र लालजी, 16-9-683 तथा 684
पुराना मलकपेट, हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. श्री सी० वेंकट नारायण रेडी पुत्र एस० चन्द्रा रेडी
यमनाल मौजा, हैदराबाद जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 16-9-683 और 684,
हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-75

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० प्रा० ए० सी० 133/75-76-यतः, मुझे, के० एस०
वेक्टर रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16-9-683 तथा 684 का भाग, पुराना मलकपेट
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 14-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० एल० सचदेव, पुत्र लाल जी, 16-9-683 और 684
पुराना मलकपेट, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री टी० अहन्धती पत्नी श्री टी० कृष्णारेडी
(2) श्री सी० विजया कुमारी पुत्री श्री सी० नारायण
रेडीदेवराया मौजा, हैदराबाद जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 16-9-683 और 684 का भाग, पुराना मलकपेट,
हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेक्टर रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-10-75
मोहर :

प्रस्तुप्राई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निवेश सं० आर० ए० सी० 131/75-76—यतः, मुझे, के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16-1-27, हिन्दुपुर है जो अनन्तापुर जिला में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिन्दुपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० राधाकृष्णय्या, 18-1-66, फीदर रोड,
हिन्दुपुर, अनन्तापुर, जिला। (अन्तरक)

2. श्री बी० चन्द्रगुप्ता, 16-6-16- नट बजार हिन्दुपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—16-1-27 हिन्दुपुर, अनन्तापुर जिला।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-10-75

मोहर:

प्रस्तुत ग्राही० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर 1975

सं आर ए० ए० सी० 143/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-9-1111/3 किंग कोटी रोड है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वी० सुरेन्द्र कुमार राय बाहादुर पुत्र स्व० हकीम नागयन दास, 3-6-20 हिमायत नगर हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री ससिक लाल कापाडिया 450, ए० क्लास, आगामुरा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5-9-1111/3, किंग कोटी रोड, हैदराबाद, क्षेत्रफल 226 वर्ग गज

उत्तर—5-9-1111/4

दक्षिण—आम रास्ता

पूरब—5-9-1111/2

पश्चिम—पडोस के सम्पत्ति

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, (हैदराबाद)

तारीख: 13 अक्टूबर 1975

सोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक, 13 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 144/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5-9-1111, 7, 8 का भाग किंग कोटी रोड
है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1908
का 16) के अधीन 24 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः, अब उक्त अधिनियम की धारा, 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8—306GT/75

1. श्री बी० सुरेन्द्र कुमार राय बहादुर 3-6-20,
हिमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री उमर अली खान, 5-9-1111 किंग कोटी रोड,
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 7, 8 का भाग नं० 5-9-1111 किंग कोटी रोड, हैदराबाद
धेनफल 374 वर्ग गज, चौहड़ी :—

पूरब—सी० सी० रोड

पश्चिम —पछोस के सम्पत्ति।

उत्तर —10 नं० भाग का 5-9-1111

दक्षिण —5, 6 नं० भाग का 5-9-1111

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1975

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए०सी० 145/75-76 :—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-9-1111 किंग कोटी रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय में हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की वाक्त उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे अन्तरे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपस्थान (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री वी० सुरेन्द्र कुमार राय बहादुर 3-6-20, हिमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1) वी० सुशाश, (2), वी० मुरली मोहन 23-5-1080, गौली पूरा मार्केट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5-9-1111/1 किंग कोटी रोड, हैदराबाद, 241 वर्ग गज क्षेत्रफल।

पूरब —किंग कोटी रोड,

पश्चिम —9-9-1111/2

दक्षिण —चर्च रोड

उत्तर—5-9-1111/5

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर, 1975

सं० आर० ए० सी० 142/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-9-1111/5, किंग कोटी रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 फरवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वी० सुरेन्द्र कुमार राय बहादुर 3-6-20, हिमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री के० वी० कृष्णाराव, युनाइटेड किंगडम के निवासी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5-9-1111/5, किंग कोटी रोड, हैदराबाद, थेलफल 209 वर्गगज।

पूरब—रास्ता।

परिचम—5-9-1111/425

दक्षिण—भाग नं० 1

उत्तर—भाग नं० 7

के० एस० वेंकट रामन,
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-10-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 141/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० भाग नं० 2, का 5-9-1111 है, जो किंग कोटी
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 24 फरवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
धीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० सुरेन्द्र कुमार राय बहादुर, 3-6-20, हिमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री के० राधाकृष्ण पुत्र सत्यानारायणन 5-9-1117, किंग कोटी रोड, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग नं० 2, का 5-9-1111 किंग कोटी रोड, हैदराबाद
चौहाड़ी

पूरब—5-9-1111 का भाग न० 1,

पश्चिम—5-9-1111 का भाग न० 3

दक्षिण—एल० आई० सी० क्वार्ट्स से रास्ता

उत्तर—पड़ोसे

क्षेत्रफल—233 वर्ग गज

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 13 अक्टूबर, 1975

सं० आर० ए० सी० 147/75-76—यतः, मुझे, के० एस०

वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फलयाट नं० ए० 2-5, 4 में जला है, जो पूनम अपार्टमेंट में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अस्तरण के कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्प लता गुप्ता भागीदार मैसर्स एसोसिएटेड विलडर्स मार्फत तोता राम सागर लाल एण्ड सन्स, आविड रोड, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती नगीना फहीम मुख्तार नामादार श्रीमती रसीद फातिमा, 5-9-20914/, रसीद विला, चिराग गल्ली, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1-9376 का हिस्सा जो 5-8-512 स 517-सी० के नं० में चिराग श्रीली लेन हैदराबाद में स्थित है। जिसका वर्णन डोकिमेंट सं० 792/75 है।

के० एस० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1975

सं० आर० ए० सी० 138/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन),

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लायट नं० 23, 5-9-29/32, दु-मंजीला है, जो बशीर बाग में स्थित है (आँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स आनन्द बिलडिंग, कार्पोरेशन, प्रतिनिधित्व भागीदार अनिल कुमार द्वारा 53, पेंडर घास्ट रोड, सिकन्द्राबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कमल सुन्दरी पूरी पत्नी के० एस० पूरी फलयाट नं० 23, भेरुमल म्यानशन, बशीर बाग, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयन्त्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलयाट नं० 23, नं० 5-9-29/32, दु-मंजीला, भेरुमल म्यानेशन, प्लाट नं० 5, बशीर बाग, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी०/135/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,

जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5-90 से 95 कल्पूर है, जो अनंतापुर जिला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनंतापुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
6 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रसरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व वाला प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपस्थापना (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) 1. लिंगरकर अम्बाजी राव पुत्र नागोजीव राव
2. लिंगरकर चिनाजी राव पुत्र नागोजी राव
पामीडी मोजा, गूटी तालूका, अनंतापुर जिला
(अन्तरक)

(2) 1. एलाकंटी चिनावेंकट स्वामी
2. एलाकंटी नागभूषणम
3. एलाकंटी सुब्रमण्यम्
बन्द मेदा पल्ली मोजा, चक्रे पेट, माजारा, अनंतापुर
जिला।

(3) श्री लक्कुरु लघ्मी नारायना, पामीडी मोजा, गूटी तालूका,
अनंतापुर जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्दृढ़
किसी अन्य व्यक्ति, दारा अधीक्षित व्यक्तियों के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—फ्याक्टरी बिल्डिंग, गोदामें तथा अन्य बान्धा
हुंशा जिसके नं० 5/90, 91, 92, 93, 94, 95, कल्पूर तालूका,
अनंतापुर जिले में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 136/75-76—यतः मुझे, के० ए० स०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 5-9-29/23-ए, है, जो बशीरबाग
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तम पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवधियों पर्याति:—

1. मेसर्स आनन्द विलिंग कारपोरेशन, सिकन्दराबाद प्रति-
निधित्व भागीदार श्री अनिल कुमार द्वारा, 53, पेंडरधास्ट रोड,
सिकंदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री मास्टर नरिन्दर पाल सिंह मारवा अवधिक, संरक्षक
श्री एस० मोहिन्दर सिंह मारवा द्वारा भारमूल म्यानशन,
बशीरबाग, हैदराबाद
(अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, नं० 5-9-29/23-ए, निष्ठला भजला, भारमूल
म्यानशन प्लाट नं० 5 पर, बशीर-बाग प्लायालेश, हैदराबाद

के० ए० स० वेंकटरामन
संभाल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9-10-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 10 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 139/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-4-92/1 का भाग ए० जी० रोड है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908¹ (1908 का 16) के अधीन 14-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—306GI/75

- (1) (1) सुलतानुष्ठीन बाबूखान,
- (2) बशीरुष्ठीन बाबूखान
- (3) श्रीमती सईदा बानू
- (4) श्रीमती जमीला बानू
- (5) श्रीमती फरीदा बानू
- (6) श्रीमती तुरब बानू
- (7) श्रीमती बादर बानू
- (8) श्रीमती दिलावर बानू
- (9) श्रीमती नसरत बानू
- (10) श्रीमती शाहजादी बेगम

इन सभी लोगों का प्रतिनिधित्व मुख्तार नामादार श्री गैसुल्तीन बाबूखान पुत्र स्वर्गीय खान बाहदुर अबदुल करीम बाबू खान, 5-4-66, से 92, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

श्री तिलक राज अगरवाल पुत्र धानसिंग राय अगर बाल नं० 1, गली नं० 2, उमानगर, बेगम्स्ट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5-4-92/1 का पूरा भाग जिसका थोकफल 566 वर्ग गज है जो रानी गंज, सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-10-75

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 8 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 132/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 5-8-644 से 646 आविड सर्कल है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुसरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सत्यदुष्मिसा बेगम पत्नी भीर हसन श्रीली खान,
नं० 4-1-1236/2, किंग कोटी रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) कुमारी नूरजहान हिम्मती सुपुत्री हसन
हिम्मती (2) सध्वा हिम्मति सुपुत्रि हसन हिम्मति दोनों
अवस्यक हैं प्रतिनिधित्व उनके संरक्षक माता खमर जोकरपनी
हसन हिम्मती के द्वारा 5-9-217 चिराग श्रीली लेन हैदराबाद।
(अन्तरिती)

(1) किंग सर्कल, रेस्टोरेंट, प्रतिनिधित्व, भागीदार द्वारा
(1) श्री हसन हिम्मती (2) मोहम्मद रिसा
(जिसके प्रभिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—पूरब दिशा की ओर का 5-8-644 से 646 तक का भाग, जो दुमंजला है और क्षेत्रफल 26.592 वर्ग भीटर्स है और आबिल रोड, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-75

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14-ए, असफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/884/75-76/
4165 :—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 1658-1660 है, जो लौथिअन रोड, काशमीरी
गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. संतोष नाथ सुप्रता श्री बशेशर नाथ, निवासी वैस्ट निजा-
मुदीन, नई दिल्ली । (अन्तरक) ।
2. श्रीमती पृष्ठा गुप्ता पत्नी श्री जी० सी० गुप्ता, निवासी
1156, बारा बाजार, काशमीरी गेट, दिल्ली । (अन्तरिती)
3. मै० पावर टूल्स एप्लिएन्स के० लि० (2) इन्स्टियूट्रमेंट
आफ रेडियो टैक्नोलॉजी (3) श्री किशन गोपाल तथा
श्री जोहरी, निवासी 1658-60, लौथिअन रोड, काशमीरी
गेट, दिल्ली । (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जायदाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना नं० 767
तथा नया नं० 1658-1660 है, जोकि लौथिअन रोड, काशमीरी
गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा पिक्चर सहित बना हुआ है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/883/75-76/
4165 :—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1658/1660, जो लौधित्र रोड, काशमीरी
गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-4-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन य अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री संतोष नाथ, सुपुत्र श्री बशेशर नाथ, निवासी 192
वेस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली (अन्तरक) ।
2. श्रीमति शैल गुप्ता, पत्नी श्री पी० सी० गुप्ता, निवासी
1156, बारा बाजार, काशमीरी गेट, दिल्ली (अन्तरिती)
3. मै० पावर टूल्स एप्लिएन्स क० लि० (2) इन्स्टीट्यूट
आफ टैक्नालोजी (3) श्री किशन गोपाल तथा श्री जौहरी
निवासी 1658/60, लौधित्र रोड, काशमीरी गेट,
दिल्ली । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन,
यदि कोई हो तो

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना नं० 676
है तथा नया नं० 1658-60 है जो कि लौधित्र रोड, काशमीरी
गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा पिक्चरस सहित बना हुआ है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1/2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप शार्दूल ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14-ए, ग्रामसंकाली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/882/75-76/
4165—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1658/1660 है, जो लौथिग्रन रोड, काशमीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारती रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दस्तियां में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः शब्द उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. संतोष नाथ, सुपुत्र श्री बणेश्वर नाथ, निवासी 19, वेस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली (अन्तरक)।
2. श्री पूरण सिंह नारायण, सुपुत्र श्री राम चन्द नारायण, निवासी 919, काशमीरी गेट, दिल्ली (अन्तरिती)।
3. मै० पावर टूल्स एप्पलिएंस क० लि० (2) इन्सटीच्यूट आफ रेडियो टैक्नोलॉजी (3) श्री किशन गोपाल तथा श्री जीहरी, निवासी 1658/1660, लौथिग्रन रोड, काशमीरी गेट, दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ खरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरांधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना नं० 767 तथा नया नं० 1658-60 है जो कि लौथिग्रन रोड, काशमीरी गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा पिक्चरस सहित बना हुआ है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 8 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर] 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/88/75-76/4165—
अतः मुझे, एस० एन० एस० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1658-1660 है, जो लोथीयन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत व 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन्ट-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री संतोष नाथ, सुपुत्र श्री बशेशर नाथ, निवासी 19, वेस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री सुनील कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री मुरारी लाल गुप्ता, निवासी 517 गली बहल साहिब, काश्मीरी गेट, दिल्ली-1। (अन्तरिक्षीय)

3. मै० पावर टूल्स एप्लिएन्स कं० लि० (2), इन्स्टीट्यूट ऑफ रेडियो टैक्नोलॉजी (3) श्री किशन गोपाल तथा श्री जौहरी, निवासी 1658 से 1660, लोथीयन रोड, काश्मीरी गेट दिल्ली (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना म्युनिसिपल सं० 767 है तथा नया सं० 1658-60 है, जो कि लोथीयन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा पिवटर सहित बना हुआ है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/880/75-76/
4165—यतः मुझे एस० एन० एल० अप्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1658-1660 है, जो लोथीयन रोड, काश्मीरी
गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और
पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 8-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री संतोष नाथ, सुपुत्र श्री बशेशर नाथ, निवासी 19,
वेस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार, सुपुत्र श्री निरंजन लाल गुप्ता, निवासी
544, गली बहल साहिब गन्धा नाला, काश्मीरी गेट, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

3. मैं पावर टूल्स एप्लिएन्स कं० लि०, (2) इस्टीच्यूट
आफ रेडियो टेक्नालौजी, (3) श्री किशन गोपाल तथा श्री
जौहरी, निवासी 1658 से 1660, लौथियन रोड, काश्मीरी गेट,
दिल्ली

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यावहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद का 1/5 अविभाजित भाग जिसका पुराना म्यूनिसिपल
नं० 767 है, तथा नया नं० 1658-60 है, जो कि लौथियन
रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में सभी फिटिंग्स तथा विक्टर सहित बना
हुआ है।

एस० एन० एल० अप्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-10-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

निर्वेश सं० आई० ए० सी० /एक्सु० 11/1791 (891) 75-
76/4166—यतः मुझ, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सुचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी०-21 का 1/2 भाग है, जो मोती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावबछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1975

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विषयमें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भुरज्जरण सिंह सेठी, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह सेठी, निवासी के०-73, 74 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्री मति मोतिया रानी, पत्नी श्री शाम सुन्दर, निवासी 20/44 पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है तथा जो कि बी०-21, मोती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:—

पूर्व : सड़क ।

पश्चिम : जी० पो० बी० नै० बी०-20

उत्तर : गली

दक्षिण : सड़क ।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/१७९० (८९०)/
७५-७६/४१६६—यतः भुजे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बी०-२१ का 1/2 भाग है, जो मोती नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (प्रीर इससे उपावबछु अनुसूची में पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
२८-२-१९७५ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-घ
की उक्त-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
12—३०६GI/75

१. श्री गुरचरण सिंह सेठी, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह सेठी,
निवासी के०-७३, ७४ वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

२. श्री मती निर्मल कुमारी, पत्नी श्री प्रेम पाल, निवासी २०/
४४, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

दृष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०—क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जो कि प्लाट की भूमि जिसका
धेनफल 300 वर्ग गज है तथा जो कि बी०-२१, मोती नर, नई दिल्ली
में निम्न प्रकार से धिरा हुआ है :—

पूर्व : सड़क ।

पश्चिम : जी० बी० पी० न० बी०-२०

उत्तर : गली ।

दक्षिण : सड़क ।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : ८ अक्टूबर 1975।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ प्रली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/889/75-76/
4166—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 36-37 है, जो उलादनपुर गांव, शाहदरा, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1975

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आवत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रथातः :—

1. श्रीमती माया देवी, पत्नी श्री राम चन्द, (2) श्री वेद
प्रकाश सुपुत्र श्री राम चन्द, निवासी 1157/13, रोहतास नगर,
शाहदरा, दिल्ली-1।

2. श्री राम भगत गुप्ता, सुपुत्र श्री हरी सिंह गुप्ता, निवासी
1547-ए०, रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली-32। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापक रूप से वर्णित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट की भूमि का नं० 36-37, खसरा नं० 879/383,
880/383 है तथा क्षेत्रफल 336 वर्ग गज है और जोकि उलादन-
पुर गांव के क्षेत्र में, रोहतास नगर की आबादी, शाहदरा, दिल्ली-
32 में म्युनिसिपल कारपोरेशन की सीमा के अन्तर्गत, दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थापित है :—

पूर्व : सड़क 20 फुट

पश्चिम : सड़क 16 फुट

उत्तर : अन्य मकान

दक्षिण : सड़क 16 फुट

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर 1975।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज-1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/888/75-76/
4166—यतः, मझे एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8, उलादन पुर गांव है, जो शाहदरा इलाका, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन य अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री जगदीश लाल, सुपुत्र श्री दीवान चन्द, (2) श्रीमती बीना बाली, पत्नी श्री एल० श्री हरी राम, स्वयं तथा कुमारी सरोज जिसकी आयु करीब 14 वर्ष है के लिए प्राकृतिक सारंथक, सुपुत्री स्वर्गीय श्री हरी राम तथा सोनू आयु करीब 5 वर्ष है, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरी राम, (3) श्रीमती किरण, (4) श्री विरेन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री हरी राम, सभी निवासी 5530, सदर बाजार, विल्ली । (अन्तरक)

2. श्री राधे प्याम, सुपुत्र श्री राम स्वरूप, निवासी 7/520, जवाला नगर, शाहदरा, दिल्ली-32। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट की भूमि का नं० 8 है तथा अंतरफल 290 बर्ग गज है और खसरा नं० 1033/709/634/402-407-408 है तथा जो कि नवीन शाहदरा की आवादी में, उलादनपुर गांव, शाहदरा के इसांके, दिल्ली-31 में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद अन्य लोगों की

पश्चिम : प्लाट नं० 7

उत्तर : सङ्क 20 फुट

दक्षिण : अन्य जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रूण्ड आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/887/75-76/
4166—अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 31/28 है, जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांत्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बघने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपलापा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितियों, अर्थात्—

1. श्रीमती सरस्वती देवी, विधवा पत्नी श्री अर्जन दास कुमार, निवासी 31/28, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती राज रानी, पत्नी श्री धर्म पाल कपूर, निवासी 5/5209, कृष्णा नगर, करौल बाग, नई दिल्ली-5।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्वस्त्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रश्नक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट की भूमि पर एक मंजिला मकान, जिस का क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और जो कि 31/28, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सड़क।
पश्चिम : सर्विस लेन।
उत्तर : मकान नं० 31/29
दक्षिण : मकान नं० 31/27।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रृष्ठप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एव्य०/11/885/75-76/
1467—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 727 (निम्न मंजिल) है, जो नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्राण नाथ, सुपुत्र श्री मुरारी लाल, निवासी 825, नई बस्ती, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री बलबीर सरन, सुपुत्र श्री व्यारे लाल, निवासी 727, नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग नं० 727 की निम्न मंजिल जोकि नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली वार्ड-11 में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्ब : गली

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : मकान नं० 918

दक्षिण : अन्य जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आईटी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14 II, आसफ अली रोड़

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/11/886/75-76/
4166—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 727 (1 तथा 2 मंजिल) है, जो नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० प्राण नाथ, सुपुत्र श्री मुरारी लाल, निवासी 825, नई सड़क, दिल्ली-1।
(अन्तरक)

2. श्रीमती किरण वर्ती, पत्नी श्री बलबीर सरन, निवासी 727 (पहली मंजिल), कटरा नील, नई बस्ती, चांदनी चौक, दिल्ली-1।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग नं० 727 की पहली तथा दूसरी मंजिल जोकि नई बस्ती, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली बाड़ में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : गली

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : मकान नं० 918

दक्षिण : अन्य जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० दी० एन० एस० —————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14 ए०, श्रासफ श्रीली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० श्रार०-III
 अप्रैल/252 (17)/75-76/3938—यतः मुझे एस० सी० परीजा
 श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० 1/3 अविभाजित भाग प्लाट नं० 53/6, डब्ल्यू०
 ई० ए० है, जो देश बन्धु गुप्ता रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में
 स्थित है (और इससे उपाबबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरुवरण कौर, पत्नी श्री लाल सिंह, मकान नं० 79/5648, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री तजीन्द्र पाल सिंह, सुपुत्र श्री अरजन सिंह, मकान नं० 27, रोड सं० 56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

3. (1) मै० कोहली साईकिल वर्क्स
 (2) मै० राजेश्वरी इन्टरप्राइसेज
 (3) मै० वालसन शूज़र
 (4) मै० भारत विविध्या (प्रा०) लि०
 (5) श्री के० सी० भगत
 (6) श्री टी० सी० झकर
 (7) श्री शाम चन्द गुप्ता
 (8) श्री मदन लाल
 (9) श्री टी० एस० झकर
 (10) श्री एस० एन० मुकरजी, एडवोकेट
 (11) श्री ललीत मोहन

निवासी 53/6, डब्ल्यू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड पर, करौल बाग, नई दिल्ली।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 अविभाजित भाग जो कि लीजहोल्ड जायदाद का जिसे सभी अधिकार प्राप्त है, जिसका प्लाट नं० 53/6, डब्ल्यू० ई० ए० देश बन्धु गुप्ता रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में ढाई मंजिला बना है और जिसका क्षेत्रफल 268 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल) जो कि खसरा नं० 759/10 में खाता खेतात नं० 1, खतौनी नं० 367 में है तथा जो कि निम्न प्रकार से घिरा है :—

पूर्व : जायदाद प्लाट नं० 53/3 पर।

पश्चिम : जायदाद प्लाट नं० 53/7 पर।

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : देश बन्धु गुप्ता रोड

एस० सी० परीजा
 सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्र० रूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० /III/एस० आर०-
III/अर्वैल/251 (16)/75-76/3938—यतः मुझे, एस०
सी० परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/3 अविभाजित भाग प्लाट नं० 53/6
पर बनी जायदाद का डब्लू० ई० ए० है, जो देश बन्धु
गुप्ता रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

(1) श्री भुपिन्दर पाल सिंह, सुपुत्र श्री लाल सिंह,
मकान नं० 79/5648, रहगरपुरा, कारोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री तजिन्दर पाल सिंह, सुपुत्र श्री अरजन सिंह,
मकान नं० 27, रोड नं० 56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

- (3) 1. मै० कोहली साईकिल वर्कर०
- 2. मै० राजेशवरी एनटरप्राइजिस०
- 3. मै० बालसन गूजर०
- 4. म० भारत विविधा (प्रा०) लि०।
- 5. श्री के० सी० भगत०
- 6. श्री टी० सी० कर०
- 7. श्री शाम चन्द गुप्ता०
- 8. श्री मदन लाल०
- 9. श्री टी० एस० अकर०
- 10. श्री एस० एन० मुकरजी, एज्ञोकेट०
- 11. श्री ललीत मोहन०

निवासी 53/6, डब्लू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड
पर, कारोल बाग, नई दिल्ली ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 अविभाजित भाग जोकि लीजहोल्ड जायदाद का
जिसे सभी अधिकार प्राप्त है जिसका प्लाट नं० 53/6 डब्लू०
ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली में
ढाई मंजिला बना है जिसका क्षेत्रफल 268 वर्ग गज (कुल
क्षेत्रफल) जोकि खंसरा नं० 759/10 में खाता खेवाल नं०
1 खतोनी नं० 367 में है तथा निम्न प्रकार से घिरा है:—

पूर्व : जायदाद प्लाट नं० 53/3 पर

पश्चिम : जायदाद प्लाट नं० 53/7 पर

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : देश बन्धु गुप्ता रोड ।

एस० सी० परीजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1
 4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकपू०/IIIएस० आर०-
 III/अप्रैल/253(18)/75-76/3938—यतः मुझे एस० सी०
 परीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961
 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
 अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
 से अधिक है
 और जिसकी सं० 1/3 अविभाजित भाग जायदाद नं० 53/6, डब्लू० ई० ए०, करोल बाग, देश बन्धु गुप्ता रोड, नई
 दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, 11-4-1975 को पूर्वोक्त
 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
 लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर्या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
 छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री राजिन्द्र पाल सिंह, पुत्र श्री लाल सिंह,
 निवासी मकान नं० 79/5648, रहगरपुरा, करोल बाग,
 नई दिल्ली।
 13-306GT/75

(2) श्री ताजिन्द्र पाल सिंह, सुपुत्र श्री अर्जन सिंह,
 निवासी मकान नं० 27, रोड नं० 56, पंजाबी बाग, नई
 दिल्ली। (अन्तरिती)

- (3) 1. मै० कोहली साईकिल वर्क्स,
 2. मै० राजेशवरी एनटरप्राइसिस,
 3. मै० बालसन शैजस,
 4. मै० भारत विविधया (प्रा०) लि०,
 5. श्री के० सी० भगत,
 6. श्री टी० सी० ककर,
 7. श्री शाम चन्द गुप्ता,
 8. श्री मदन लाल,
 9. श्री टी० एस० ककर,
 10. श्री एस० एन० मुकरजी, एडबोकेट,
 11. श्री ललित मोहन,

निवासी 53/6, डब्लू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड
 पर, करोल बाग, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
 पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
 उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 अविभाजित भाग जायदाद लीजहोल्ड अधिकारों
 सहित प्लाट नं० 53/6, डब्लू० ई० ए०, देश बन्धु गुप्ता रोड,
 करोल बाग, नई दिल्ली में द्वाई मैजिला जिसका क्षेत्रफल
 269 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल) जोकि खसरा नं० 759/10
 खाता खेवाल नं० 1, खतौनी नं० 367 में है और निम्न
 प्रकार से घिरा है:—

पूर्व: जायदाद नं० 53/5

पश्चिम: जायदाद नं० 53/7, पर प्लाट

उत्तर: सर्विस लेन

दक्षिण: देश बन्धु गुप्ता रोड।

एस० सी० परीजा,
 सक्षम अधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 29 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्रस्तुत ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज III, दिल्ली-1

4/14 ए०, आसक अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 3/एस० आर० 2/
मार्च/791(11)/75-76/3938—यतः मुझे एस० सी०
परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 12 सड़क नं० 53-बी० 1/2 भाग है, जो पंजाबी बाग के गांव मादीपुर दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

(1) श्री सत पाल गुलाटी पुव श्री किशन चन्द गुलाटी म० नं० जे०-116 राजीरी गाँव, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री मौ० घेठ मल कामुर एंड सन्स, 66, जी० बी० रोड, दिल्ली-6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग अविभाजित क्षेत्रफल 666.66 वर्ग गज जिसका (333.33 वर्ग गज 1/2 भाग) जिसका प्लाट नं० 12 सड़क नं० 53-बी० जो कि पंजाबी बाग नामक कालोनी के गांव मादीपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से विभाजित है :—

पूर्व : प्लाट नं० 10

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सविस लेन

दक्षिण : सड़क नं० 53-बी०

एस० सी० परीजा,
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, दिल्ली-1

4/14 ए०, आमक अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० भी०/एस० 3/एस० आर० 2/
मार्च/792(12)/75-76/3938—प्रतः मुझ एस० सी०
परीजा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 12 सड़क नं० 53-बी०
है, जो पंजाबी बाग के गांव मादीयुर दिल्ली स्टेट दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 7-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तर्खो) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
लिखित में व्यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सत पाल गुलाटी पुत्र थीं किंगत चन्द गुलाटी
निवासी मं० नं० जे०-116 राजीरी गाँड़न, नई दिल्ली-27।
(अन्तरक)

(2) मै० घोरू मज कूर एंड सन्य, 66 जी० बी०
रोड, दिल्ली-6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आधेन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ब्राड
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1/2 अधिभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 666.66 वर्ग
गज (333.33 वर्ग गज 1/2 भाग) जिसका प्लाट नं०
12 तथा सड़क नं० 53-बी० जो कि निवासी कालोनी
पंजाबी बाग के गांव मादीयुर दिल्ली स्टेट, दिल्ली में निम्न
प्रकार से छिरा है :—

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क नं० 53-बी०

पूर्व : प्लाट नं० 10

पश्चिम : सड़क

एस० सी० परीजा,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-1

4/14 ए० आसक्त अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 3/एस० आर० 3/
फर० /205(12)/74-75/3938—यतः मुझे, एस० सी०
परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से
अधिक है

और जिसकी सं० क्य०-1, हौज खास इन्कलेव है, जो नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 28-2-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्कार, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विरजा माधव गुप्ता पुत्र स्व० श्री विवुल
चन्द्र गुप्ता संयुक्त परिवार के कार्यकारी नियंत्रित क्य०-1,
हौज खास इन्कलेव, नई दिल्ली-16। (अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती लियोन्टीना मदान पत्नी श्री सुरिन्दर
सिंह मदान; और

2. श्री सुरिन्दर सिंह मदान पुत्र श्री उदय सिंह मदान
निवासी 6 पार्क एवेन्यु, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड दुर्भंजिली जायदाद मकान नं० क्य०-1 (रियर
पोर्ट) हौज खास इन्कलेव, नई दिल्ली-110016 जो कि
प्लाट के क्षेत्रफल 385 वर्ग गज जो कि कार्पोरेशन की सीमा
में निम्न प्रकार से विरा है:—

पूर्व : सङ्क्षेप

उत्तर : लान

पश्चिम : बंगला नं० क्य०-2

दक्षिण : बंगला नं० क्य०-1 का बाहरी भाग।

एस० सी० परीजा,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 आक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-II/
अप्रैल 1/712(40)/75-76/—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ई०-50 का 1/2 अविभाजित भाग है, जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाः—

(1) श्री एस० के० कपूर, पुत्र स्वर्गीय श्री चुनी लाल कपूर, निवासी जे०-12/34, राजौरी गाँव, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती कैवल पैन्टल, पत्नी श्री सुरीन्द्र सिंह, निवासी एस०-415, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली (अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई०-50 का 1/2 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 266 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली के याकबतपुर गांव के क्षेत्र में दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० ई०-52

पश्चिम : प्लाट नं० ई०-48

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क ।

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली। ।

तारीख : 8 आक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नहायद अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, दिल्ली-1

4/14 प, आसाफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 आक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-III/
फरवरी-1/620 (42)/74-75—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० ई०-50 का 1/2 अविभाजित भाग है, जो ग्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 14-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्धित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम वे अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० के० कारूर, मुमुक्षु श्री चुनी लाल, निवासी
न० ज० 12/34 राजीरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री एस० मुरीद निह, मुमुक्षु श्री जगजोध सिंह,
निवासी एस० 415, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि द्वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० ई०-50 का 1/2 अविभाजित भाग जिसका
धेनफल 266 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालीनी
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली के गंवा याकबटगुर, दिल्ली राज्य,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट न० ई०-52

पश्चिम : प्लाट न० ई०-48

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क।

चं० वि० गुप्ते
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 आक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० ठी० एन० एस० ——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, दिल्ली-1
4/14 ए०, आसफ ग्रामी रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्य०/III/एस० श्रार०-III/
जून/319(17)/75-76/4160—यतः मुझे एस० मी०
परीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० वाई 38 है, जो हाउस खास,
नई दिल्ली में स्थित है (आँग इससे उपायद्व अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 11-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० पी० भट्टाचार्जी, मुफ्त स्वर्गीय श्री बी०
के० भट्टाचार्जी, निवासी श्राई० 261, डी० डी० ए०, पैटेन्ट,
नई दिल्ली, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती (1) कल्पा कुमारी विमानी, पत्नी श्री
हरभगवान दास विमानी,

(2) श्री हरभगवान दास विमानी, मुफ्त श्री मामा
दास विमानी, निवासी जी० 15/9, मानवीया नगर, नई
दिल्ली (अन्तरिती)

(3) श्री एन० सी० बैनर्जी (2) ए० राथ, निवासी,
वाई० 38, हाउस खास, नई दिल्ली
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्बन्धित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समात होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, कठी अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

झाई मंजिला मकान की हील्ड मकान जोकि प्लाट नं०
वाई० 38, पर बना हुआ है तथा जिसका क्षेत्रफल 200
वर्ग गज है और जोकि निवासी कालीनी हाउस खास, नई
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्य : मकान नं० 39

पश्चिम : लेन

उत्तर : लेन

दक्षिण : सड़क।

एस० मी० परीजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 6 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

४/१४ ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 आक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर० ॥II
मार्च-२/६८९(४०)/७४-७५—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), ३ धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 अविभाजित भाग एम० 255 है,
जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपांचढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-३-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीशन विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री बलबंत सिंह चतरथ, सुपुत्र श्री लाल सिंह
चतरथ, निवासी 873, कुतब रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा पारुथी, पत्नी श्री दीवान चन्द्र
पारुथी, तथा श्री दीवान चन्द्र पारुथी, निवासी 4/71, डब्ल्यू०
ई० ए०, कारोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट की भूमि का 1/2 अविभाजित भाग
जिसका नं० 255, ब्लाक नं०, 'एम'० है तथा खेत्रफल 400
वर्ग गज है और जोकि निवासी कालीनी ग्रेटर कैलाश-11
नई दिल्ली में दिल्ली राज्य के यूनियन टौरीटरी में निम्न
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लाट नं० एम०-253

दक्षिण : प्लाट नं० एम०-257।

चं० वि० गुप्ते
सभम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली
तारीख : 6 आक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14 ए०, प्रासफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 6 आक्टूबर 1975

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/१/एस० आर० 3/
मार्च-2/682(38)/74-75—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० एस० 326, का 1/2 अविभाजित भाग
है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-
1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे,

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

4—306GI/75

(1) श्री एस० दीवार सिंह तथा एस० सेवा सिंह, सुपुत्र
श्री गुरमुख हंसह, निवासी डी० 3/12, माझल टाउन, दिल्ली-९
(अन्तरक)

(2) श्री हरबंस सिंह, सुपुत्र श्री बलवन्त सिंह, द्वारा
मैं बलवन्त सिंह, हरबंस सिंह, गली भोजपुरी, मालीबारा,
नई सड़क, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,
वही अर्थ द्वागा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट की भूमि का 1/2 अविभाजित भाग जिसका
क्षेत्रफल 476 वर्ग गज, प्लाट नं० 326, ब्लाक नं० 'एस०'
है तथा जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली
में दिल्ली के यूनियन टेरीटोरी के गांव बहारपुर में निम्न
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लाट नं० एस०/328

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 6 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 1975

निदेश सं० 67-आर/ए० सी० क्य००:—अतः, मुझे, विशम्भर
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 216 है तथा जो वस्ती उपरहर इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्री राधा कृष्ण

(अन्तरक)

2. श्री राज देव पांडे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नं० 216 का भाग 3 विस्वा जो कि वस्ती उपहार जिला इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-9-1975

मोहरः

प्र० श्री राधा कृष्ण
प्र० श्री राम श्रावण

(अन्तरक)
(अन्तरिती)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 1975

निदेश सं० 68-आर/ए० सी० क्य०:—यतः, मुझे, विश्वास नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 216 है तथा जो वस्ती उपाहार में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें मुं सुविधा के लिए:—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नं० 216 जिसका भाग 3 विस्ता है जो कि वस्ती उपाहार जि० इलाहाबाद में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 22 सितम्बर, 1975।

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 22 सितम्बर 1975

निदेश सं० 40-के०/ए० सी० क्य०:—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 216 है तथा जो वस्की उपाहार में स्थित है (और इससे उपाहार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

17-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा कृष्ण

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण चन्द्र और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नं० 216 जिसका तीन बिस्ता जो कि वस्की उपाहार जि० इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 22 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 1975

निदेश सं० 16-डी०/ए० सी० क्य०:—यतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 216 है तथा जो वस्की उपाहार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-३-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राधा कृष्ण

(अन्तरक)

2. श्री दुर्गा प्रसाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नं० 216 जिसका 3 विस्वा जो कि वस्की उपाहार जि० इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22 सितम्बर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० 52-ए०/एक्य०:—अस: मुझे, विशम्भर,
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 216 है तथा जो वस्की उपहार जि० इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्डित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा कृष्ण

(अन्तरक)

2. श्री अखन कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नं० 216 जिसका 3 बिस्बा जो कि वस्की उपहार जि० इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22 सितम्बर 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निवेश सं० 252/ए०सी०फ्य०-23-407/19-7/74-75:—
अस: मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 70-1 पैकी खुली जमीन 7865 वर्ग गज है, तथा जो मजूरा गांव, ता० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री (1) रमन लाल मोती राम देसाई (2) मंजूला बेन मोती राम देसाई (3) प्रकाश रमन लाल देसाई (4) बसंतराय मोतीराम देसाई (5) तारा बेन बसंतराय देसाई (6) पंकज बसंतराय देसाई (7) कांता बन जयंती लाल देसाई (8) इन्द्र बदन जयंतीलाल देसाई (9) बकुला बेन इन्द्रबदन देसाई, सग्राम पुरा, सूरत
(अन्तरक)

2. आनंद मंगल टेक्सटाइल कं०, जेल के पीछे, खटोदरा, अपने सहियारी श्री हरधन लाल जरीवाला द्वारा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे सं० 70/1 कुल माप 7865 वर्ग गज है तथा जो मजूरा गांव, ता० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसाकि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, सूरत के मार्च 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1764 में प्रवर्णित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 10 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 353/ए० सी० क्य०-23-411/19-8/74-75:—
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० रे० स० न० 168 पैकी खुली जमीन 11786 वर्ग गज है, तथा जो मजूरा, ता० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुर्बुद्ध किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. रूपम आर्गेनाईजर्स मारफत एच० जे० हाजीबाला, जेल के पीछे, खटोदरा, सूरत। (अन्तरक)

2. हरी ऊं इंडस्ट्रीयल सर्वीसीज सोसायटी ली० उछना, मगदला रोड़, सूरत की ओर से उसके : प्रमुख : हीरालाल गणपत राम बुन्की होन मेनेजर : जिमनलाल कुपाराम कमीटी मेंबर : मनहर लाल काशीराम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 168 कुल माप 11786 वर्ग गज है तथा जो मजूरा गांव, उछना—मगदला रोड़, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मार्च 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1751 में प्रवर्णित।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10 अक्टूबर 1975
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 30th September 1975

No. F.6/75-SCA(I).—On his attaining the age of superannuation Shri G. Natesan, Permanent Section Officer, Supreme Court of India has retired from the Service of the Registry with effect from the afternoon of 30 September, 1975.

The 1st October 1975

No. F.6/75-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri Syed Qaiser Karim, Assistant as Officiating Section Officer with effect from 1st October, 1975 for a period of six months in the first instance vice Shri G. Natesan, retired Section Officer.

R. SUBBA RAO, Dy. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th October 1975

No. P/1864-Adm.I.—Smt. Lakshmi Raja Ram Bhandari, an officer of the Indian Defence Accounts Service, assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 22nd September, 1975, until further orders.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd October 1975

No. PF/S-68/65-AD.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, SPE hereby appoints Shri S. S. Darbari, PP., CBI, on deputation to CBI from Madhya Pradesh State, as Sr. PP on deputation in the C.B.I. with effect from the forenoon of 25th September, 1975 on ad-hoc basis in a temporary capacity, until further orders.

The 4th October, 1975

No. 5/30/74-AD. I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services, (Classification, Control and appeal) Rules 1965, Director, CBI & I.G.P., SPE, hereby appoints the following officers substantively to the post of Office Superintendent in CBI, Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) with effect from 23rd September, 1975.

Sl. No.	Name	Present place of posting	Grade in which already perma- nent with date of confirmation	Branch wherein liou kept on the perma- nent post of O.S. in CBI.
1.	Shri H. Soshap- paya	Calcutta	Head Clerk- cum-Accountant 12-8-60	Delhi (GOW)
2.	Shri K. Raghavan	Head Office	Crime Asstt. 28-3-71	Head Office

Their seniority as Office Superintendent will be in the order indicated above.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 10th October 1975

No. D-I-1/74-Estt.—Consequent on his selection for appointment on deputation as Commandant in the ITBP, Shri E. S. Bakhtawar handed over the charge of the post of Commandant, 49th Bn., CRPF on the forenoon of 20th September 1975.

No. O-II-1033/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Shyama Raina, as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 1st October 1975.

2. Dr. (Mrs.) Shyama Raina, is posted to Base Hospital, CRPF, New Delhi.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir. (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 10th October 1975

No. 10/6/75-Ad.I.—In continuation of this Office Notification No. 10/6/75-Ad.I dated 14th February, 1975, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri K. R. Unni as Deputy Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India with effect from the 17th August, 1975 upto the 16th February 1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. 2/1/75-RG (Ad. I).—The president is pleased to appoint the following officers as Deputy Director of Census Operation in the offices mentioned against each in a temporary capacity with effect from 1st October 1975 until further orders:—

Sl. No.	Name and designation	Office in which ap- pointed as Dy. Director of Census Operations	Head- quarters located at
1.	Shri Ardaman Singh Assistant Director of Census Operations.	Director of Census Operations Haryana	Chandigarh
2.	Shri A.W. Mahatmo Assistant Director of Census Operations (Technical)	Director of Census Operations, Maharashtra	Bombay
3.	Shri B. S. Narasimha Murthy Assistant Director of Census Operations, (Technical)	Director of Census Operations, Karnataka	Bangalore

BADRI NATH
Deputy Registrar General India &
ex-officio Dy. Secretary

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 3rd October 1975

No. 3/4/75-All.—Shri S. K. Chakraborty, Assistant Manager (Technical) Government of India Press, Temple Street, Calcutta, on attaining the age of superannuation, will retire from Govt. service on the afternoon of 31st October 1975.

The 7th October, 1975

No. S(45)/AIII/AII.—Shri Ramesh Kumar Sareen, Technical Officer (Photolitho) has been appointed to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Government of India Text Books Press, Bhubneshwar, with effect from 8th September 1975 (F.N.), until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR, Dir. of Printing.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 10th October 1975

No. 1019/(M).—On his attaining the age of superannuation Shri R. L. Gokhale, an officiating Stores Officer, India Security Press, Nasik Road, retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September 1975.

V. J. JOSHI, General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 8th September 1975

No. Adm.I/4(26)/72-74/1887.—The Accountant General Jammu and Kashmir, has appointed Shri T. N. Kakroo, an officiating Accounts Officer, in a substantive capacity in the Accounts Officers cadre with effect from 1st August 1975.

P. K. BOSE, Sr. Dy. Accountant Genl. (A&E)

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 1st October 1975

No. 18319/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri S. SATTANATHAN, Asstt. Controller of Defence Accounts, Western Command will be transferred to Pension Establishment with effect from 30th November 1975 (AN) on expiry of leave preparatory to retirement of 91 days granted to him with effect from 1st September 1975.

No. 18216/AN-II.—The President regrets to announce the death of Shri S. K. Mehta, Dy. Controller of Defence Accounts, Western Command, on 25th September 1975. His name is accordingly struck off the strength of the Defence Accounts Department from 26th September 1975 (FN).

The 3rd October 1975

No. 18158/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri N. Gopalan Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to Pension Establishment and accordingly struck off the strength of the Department w.e.f. 30th November 1975 (AN).

The 6th October 1975

No. 18151/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Pritam Singh Varma, Deputy Controller of Defence Accounts, Central Command, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 31st December 1975.

No. 18299/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri N. G. DHAVALIKAR Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment and accordingly struck off the strength of the Department with effect from the afternoon of 30th November 1975.

S. K. SUNDARAM, Addl. Controller General of Defence Accounts (AN).

**MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta-700016, the 19th September 1975

No. 35/75/G—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Dy. Manager/DADGOF with effect from the date shown against each, until further orders :—

- (1) Shri J. Y. Mullay, Offg. Asstt. Manager—17th May, 1975
- (2) Shri D. A. Pardasani, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (3) Shri M. Madappan, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (4) Shri G. P. Sinha, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (5) Shri A. K. Gohliya, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (6) Shri A. Vinayak, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (7) Shri S. D. Pattekar, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (8) Shri S. Rajasekharan, Permt. Assistant Manager 17 May 1975
- (9) Shri B. K. Kar, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (10) Shri B. K. Pillai, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (11) Shri P. L. Sharma, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (12) Shri V. K. Bhalla, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (13) Shri V. G. Vidwens, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (14) Shri R. S. Shah, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (15) Shri R. S. Makhija, Permt. Asstt. manager—17th May 1975

- (16) Shri M. M. Gupta, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (17) Shri R. K. Singh, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (18) Shri K. M. Ganguly, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (19) Shri P. S. R. Chari, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (20) Shri V. K. Sinha Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (21) Shri R. K. Anand, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (22) Shri V. H. Joshi, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (23) Shri S. K. Roy, Permt. Asstt. Manager—17th May 1975
- (24) Shri M. R. Jetpore, Asstt. Manager—(OP) 17th May 1975
- (25) Shri A. Saxena, Asstt. Manager—(OP)—17th May 1975
- (26) Shri M. M. Sharma, Asstt. Manager—(OP)—17th May 1975
- (27) Shri A. Vairavan, Asstt. Manager (OP)—17th May 1975
- (28) Shri S. Chengalvarayan, Asstt. Manager (OP)—17th May 1975
- (29) Shri P. Francis, Offg. Asstt. Manager—17th May 1975
- (30) Shri G. Jayarao, Asstt. Manager (OP) —17th May 1975

N. 36/75/G—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Asstt. Manager/T.S.O. with effect from the date shown against each, until further orders :—

- (1) Shri S.M. Bhattacharjee, Permt. Foreman—17th May 1975
- (2) Shri J. N. Malhotra, Permt. Foreman—17th May 1975
- (3) Shri B. K. Das, Permt. Foreman—17th May 1975
- (4) Shri P. N. Nigam, Permt. Foreman— 17th May 1975
- (5) Shri V. L. Isreal, Permt. Foreman—17th May 1975
- (6) Shri P. J. Kardale, Permt. Foreman—17th May 1975
- (7) Shri D. N. Khetpal, Permt. Foreman—17th May 1975
- (8) Shri K. D. Karamchandani, Permt. Foreman—17th May 1975
- (9) Shri R. P. Saxena, Permt. Foreman—17th May 1975
- (10) Shri K. D. Chakravarty, Permt. Foreman—17th May 1975
- (11) Shri K. A. Sundaram, Permt. Foreman—17th May 1975
- (12) Shri R. Natarajan, Permt. Foreman—17th May 1975
- (13) Shri A. R. Das, Offg. Staff Asstt.—17th May 1975
- (14) Shri T. A. V. R. Nambisan, Permt. Foreman—17th May 1975
- (15) Shri S. K. Marik, Permt. Foreman—17th May 1975
- (16) Shri N. Saha, Permt. Foreman—17th May 1975
- (17) Shri S. K. Sarkar, Permt. Store-Holder—17th May 1975
- (18) Shri N. Krishnamurthy, Permt. Foreman—17th May 1975

The 27th September 1975

No. 37/75/G—On attaining the age of 58 years, the undermentioned officers retired from service with effect from the date shown against each :

Name & Designation	Date
1. Shri G. G. Wagle, Offg., Dy. Manager (Permt. Foreman)	31st July, 1975 (A.N.)
2. Shri G. P. Fernandez, Offg., Asstt. Manager (Permt. Storeholder)	31st May, 1975 (A.N.)
3. Shri G. Rajaram, Offg. Asstt. manager (Permt. Staff Asstt.)	31st May, 1975 (A.N.)

The 9th October 1975

No. 39/G/75.—On attaining the age of superannuation the undermentioned officers retired from service with effect from the dates as shown against each :—

Name & Designation	Date
1. Shri S. D. Malhotra, Permt. General Manager, (S.G.)	31st March, 1975 (AN)
2. Shri A. K. Gupta, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st Aug. 1974 (AN)
3. Shri B. P. Banerjee, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st Jan. 1975 (AN)
4. Shri P. C. Sengupta, Offg. Asstt. Manager. (Subst. & Permt. Foreman)	30th Apr. 1975 (AN)

M. P. R. PILLA
Asstt. Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 30th July 1975

No. 2A(2)75-Adm.I/12183.—Shri Ganesh Prasad Gupta has been appointed as Assistant Director of Mines Safety in this Directorate on probation for two years with effect from the forenoon of 19th May, 1975 and posted at Chailasa Region, Chaibasa.

S. S. PRASAD, Director-General of Mines Safety.

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 29th September 1975

No. Admn. 12(14)G/75.—Shri P. S. Murmu a permanent Assistant Inspector Labour Welfare (M) has been appointed as Welfare Inspector (M) on *ad-hoc* basis w.e.f. 11th August 1975 (Forenoon) and posted as such at Junnerdeo until further orders.

R. P. SINHA, Coal Mines, Welfare Commissioner.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the September 1975

No. 6/743/64-Admn.(G)/10400.—On attaining the age of superannuation, Shri S. N. Das relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta on the 31st August, 1975 (afternoon).

B. D. KUMAR, Chief Controller of I. & E.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 30th September 1975

No. EST.I-2(104).—Shri H. N. Satyanarayana, Director (N.T.) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, has been permitted to retire from service voluntarily with effect from the afternoon of the 18th July 1975.

The 1st October 1975

No. EST.I-2(287).—Shri R. G. Zalani, Director (P&D) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay, has been permitted to retire from service voluntarily with effect from the afternoon of the 31st July, 1975.

No. CER/10/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendments to the Textile Commissioner's Notification No. 9(9)TEX.I/49, dated the 15th April, 1950, namely :—

In paragraph 1 of the said Notification :—

I. (1) For item (ii) the following shall be substituted, namely :—

“(ii) These directions shall be complied with by all producers.”

(2) Item (iii) shall be deleted and item (iv) shall be re-numbered as item (iii).

II. In paragraph 2 after item (2) the following shall be added, namely :—

“(3) No producer shall use any coloured yarn in the body of a dhoti except in a border or heading thereof.”

III. This Notification shall come into force with immediate effect.

No. CER/3A/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby direct that every producer having no spinning plant shall make the following markings on the cloth produced by him on the face plait :—

1. The name of the producer.

2. The number of the permit issued to him by the Textile Commissioner or by the State Government.

NOTE (i) The markings or stamping as the case may be of words and letters shall be in English in capital letters or in Hindi in Devnagri script and numerals marked shall be the International numerals.

(ii) The height of the letters and figures shall not be less than 1 centimetre.

II. Where the cloth produced by a producer having no spinning plant, is subject to further processing by a processor, the said processor, after processing, shall in addition to the markings to be made by him, make the markings prescribed in para I above and in the manner indicated therein.

III. This Notification shall come into force with immediate effect.

No. CER/10/75A.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 9(9)TEX.I/49, dated the 15th April, 1950, namely :—

In the said Notification—

I. In direction 3.—

For the figures, marks and word ‘42” and ‘52” the figures, letters, marks and word ‘106.68 cms. and 132.08 cms.’ shall be substituted.

II. In direction 8—

In item (b) for the figures and mark ‘40” the figures, marks and letters ‘101.60 cms.’ shall be substituted.

III. In direction 9—

1. In Item (a) for the figures and mark ‘2.1/2”’ the figures, letters and marks ‘6.35 cms.’ shall be substituted.

2. In item (aa)—

(i) For the figures and mark ‘3/4”’ the figures, mark and letters ‘1.90 cms.’ shall be substituted.

(ii) For the figures and marks ‘6” × 6”’ the figures, mark and letters ‘15.24 cms. × 15.24 cms.’ shall be substituted.

3. In item (c) for the figure and mark ‘9”’ the figures, letters and mark ‘22.86 cms.’ shall be substituted.

4. In the Explanation III for the figure and mark ‘1/2”’ the figures, mark and letters ‘1.27 cms.’ shall be substituted.

R. P. KAPOOR, Textile Com.

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 4th October 1975

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, add the following namely :

Under Clause 2—NITRATE MIXTURE

1. add "FORMADYNE" for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976" after the entry "ENERGEL"
2. add "FORMAGEL for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976" before the entry "GN-1"
3. add "MONOEX for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976" after the entry "MONODYNE"
4. add "PULVEREX for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976" before the entry "SUPERDYNE"

Under Class 3—Division—1

5. The words and figures "for carrying out trial manufacture and tests up to 31st March, 1976" appearing after the word "PERMIGEX" shall be deleted.

I. N. MURTY,

Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF STEEL & MINES

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

(DEPARTMENT OF MINES)

Calcutta-700013, the 10th September 1975

No. 6549/B/40/59/C/19A.—The *ad hoc* appointments of the following officers to the posts of Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India are regularised with effect from the forenoon of 16th November 1974, until further orders :

1. Shri S. P. Mukherjee
2. Shri Saroj Bhattacharjee

Sarbashri Mukherjee and Bhattacharjee were holding *ad-hoc* appointments in the posts of Assistant Administrative Officer w.e.f. 14th November 1974 and 12th August 1974 respectively.

The 6th October 1975

No. 6519/B/11/66(RR)/EW/19C.—Shri R. Ramalingam received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Government of Tamil Nadu, Department of Industries & Commerce, in the same capacity from the forenoon of the 12th August, 1975.

V. K. S. VARADAN,
Director General.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 6th October 1975

No. F.11/2-1/75-A.1.—On the recommendations of the U.P.S.C. the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Hari Singh Yadav to the post of Scientific Officer (Class II Gazetted) in the National Archives of India at Bhopal on regular temporary basis with effect from the 1st September, 1975 (F.N.) until further orders.

(Sd/-) ILLEGIBLE,
Director of Archives.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 3rd October 1975

No. 4(3)/73-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. F. Shende, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Panaji on a regular basis with effect from 18th August, 1975 and until further orders.

The 9th October 1975

No. 5(88)/67-SI.—Shri B. G. S. Rao, *ad hoc* Programme Executive Commercial Broadcasting Service, All India Radio,

Ahmedabad relinquished charge of his post on the afternoon of 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(33)/63-SI.—Shri H. S. P. Singh, *ad hoc* Programme Executive Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Patna relinquished charge of his post on the afternoon of the 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(113)/63-SI.—Shri D. K. Jhingran, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Rajkot relinquished charge of his post on the forenoon of the 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

The 10th October 1975

No. 5(61)/67-SI.—Shri V. B. Saxena, *ad hoc* Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu relinquished charge of his post on the afternoon of the 28th June, 1975 while proceeding on earned leave for a period of 12 days from 30th June 1975 to 11th July 1975 and permission to affix Second Saturday on 12th July 1975 and Sundays on 29th June 1975 and 13th July 1975, is reverted to the non-gazetted post of Transmission Executive at the same Station with effect from the forenoon of the 1st July, 1975

No. 4(126)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Jayant Kumar Das as Programme Executive, All India Radio, Jeypore in a temporary capacity with effect from the 1st September, 1975 and until further orders.

No. 4(100)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. D. Adawadkar as Programme Executive, All India Radio, Panaji in a temporary capacity with effect from 14th August, 1975 and until further orders.

No. 4(104)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Abdul Khalique as Programme Executive, All India Radio, Patna in a temporary capacity with effect from the 15th September, 1975 and until further orders.

No. 6(84)/64-SI.—Shri A. V. Badhe, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Sangli relinquished charge of his post on the forenoon of the 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

New Delhi 110001, the 22nd September 1975

No. 2/12/75-SII.—The Director General, all India Radio hereby appoints the following SEAs to officiate in the grade of Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against each at the Stations/Offices of All India Radio shown against their names until further orders :

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of appointment.
1.	Shri Gurbachan Lal	Office of RE (N), AIR, New Delhi.	27-8-75
2.	Shri Raj Pal Garg	HPT, AIR, Kham- pur, Delhi.	29-8-75
3.	Shri Ram Kishan Pharia	Do.	8-7-75
4.	Shri A. P. Sinha	AIR, Ranchi	20-6-75
5.	Smt. M. L. Chawrasia	TV Centro, AIR, Bombay.	21-6-75
6.	Shri P. K. Awasthi	IPT, AIR, Gorakh- pur.	28-8-75

The 6th October 1975

No. 15/45/65-SII.—The Director General, All India Radio hereby accepts the resignation of Shri S. D. Bhardwaj from the post of Assistant Engineer, All India Radio with effect from 31st May 1972.

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration
for Director General

FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 6th October 1975

No. 6/68/57-Est.I.—On handing over charge of the post of Branch Manager, Hyderabad to Shri S. Balasubramanian, Shri R. P. Sharma reverted to the post of Salesman from the forenoon of the 23rd September, 1975.

The 8th October 1975

No. 30/PFI/48-Est.I.—On return of Shri R. B. Mhatre, Officiating Cameraman (C.F.U.), Films Division, Bombay from leave, Shri H. S. Kapadia reverted to his substantive post of Cameraman, Films Division, Bombay with effect from 24th September, 1975 (F.N.).

M. K. JAIN,
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th October 1975

No. 48-6/75-CHS.I.—On his transfer, Dr. S. Seshaga Jayakumar, an officer of G.D.O. Grade II of the Central Health Service, relinquished charge of the post of the Junior Medical Officer under Central Govt. Health Scheme, Madras on the afternoon of 2nd September, 1975 and assumed charge of the post of Junior Medical Officer in Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 3rd September, 1975.

R. N. TEWARI
Deputy Director Administration (CHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION (HEAD OFFICE)

Faridabad, the 4th October 1975

No. F. 4-6(95)/75-A.I.—On recommendations of the Union Public Service Commission, Shri E. K. R. Nayar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II in the Directorate of Marketing and Inspection, at Bombay with effect from 6th September 1975 (Forenoon) until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehradun, the 9th October 1975

No. 4-7/75-Adm.—Shri B. K. Basu, Officiating Assistant Conservator of Forests, Andaman and Nicobar Administration (Forest Department) is hereby appointed Assistant Conservator of Forests on *ad hoc* basis in Preinvestment Survey of Forest Resources, Eastern Zone, Calcutta with effect from 8th September 1975 (F.N.), until further orders.

ROMESH CHANDRA
Chief Coordinator

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT

Dehra Dun, the 9th October 1975

No. 6/131/75-LTCP.—Shri Gurmit Singh, Asstt. Conservator of Forests, Himachal Pradesh Forest Department, who has been working as Logging Instructor in the Logging Training Centres Project at Cableways Centre, Kulu (H.P.) has been relieved of his duties with effect from the forenoon of 3rd September, 1975 and his services are replaced at the disposal of the Himachal Pradesh Forest Department with effect from the same date.

ROMESH CHANDRA
Chief Executive Officer

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 6th September 1975

No. PA/81(28)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dhas Balachandra, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 16th September 1975

Ref. DPS/B-3/Adm/463C.—Director, Purchase and Stores appoints Shri L. H. Bagwe a permanent Storekeeper of the Directorate of Purchase and Stores to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate for a period from July 21, 1975 (F.N.) to September 5, 1975 (AN) *vide* Shri N. John Johny, Assistant Stores Officer granted leave.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 30th September 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri P. V. Ramesh Babu as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the forenoon of 30th September, 1975, until further orders.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 19th September 1975

No. SAC/FST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Subhash Chander Sehgal as Scientist/Engineer SB (Film Editor) on a basic pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from August 29, 1975 for a period up to July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Gurbir Singh Garewal as Scientist/Engineer SB (Sound Recordist) on a basic pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35J—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of the Indian Space Research Organisation with effect from July 29, 1975 for a period up to July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri Lemuel Harry as Scientist/Engineer SB (Presentation Announcer) on a basic pay of Rs. 680/- per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from July 28, 1975 for a period up to July 31, 1976.

Major R. C. SAMUEL (Retd)
Administrative Officer-II

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-110003, the 9th October 1975

No. E(1)04219.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. Mookerjee, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st October 1975 and until further orders.

Shri N. Mookerjee, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. NAGASUBRAMANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

New Delhi-110003, the 9th October 1975

No. E(1)04260.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. M. Sambamurthy, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 15th September 1975 to 12th December 1975.

Shri T. M. Sambamurthy, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

M. R. N. MANIAN
Metcorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th September 1975

Fo. A. 32013/5/73-EA.—The President is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of the following officers, as Aerodrome Officers upto the 31st December 1975 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier :

Sl. No.	Name	Station of posting
(1)	(2)	(3)
1.	Shri K. P. V. Menon	Mangalore
2.	Shri V. R. Vishwanathan	Bhopal
3.	Shri S. C. Joshi	Headquarters A. O. (AIS)
4.	Shri U. P. Dhingra	Headquarters T.O.(P)
5.	Shri M. P. Khosla	Udhampur
6.	Shri J. S. R. K. Sharma	Madras

(1)	(2)	(3)
7.	Shri K. S. Prasad	Mohanbari
8.	Shri N. D. Ghosh	Dum Dum
9.	Shri Ravi Tankha	Safdarjung
10.	Shri C. R. Rao	Rajkot
11.	Shri Kundan Lal	Aurangabad
12.	Shri J. K. Sardana	Srinagar
13.	Shri K. C. Misra	Santacruz
14.	Shri G. B. K. Nair	Santacruz
15.	Shri D. D. Sardana	Safdarjung
16.	Shri K. N. Venktachalliah	Santacruz
17.	Shri S. Dayal	Headquarters T.O.(AS)
18.	Shri S. C. Sekhri	Udaipur
19.	Shri M. P. Jain	Safdarjung
20.	Shri S. K. Jain	Dum Dum
21.	Shri D. Ramanujam	Safdarjung
22.	Shri A. T. Verghese	Kumbhigram
23.	Shri K. V. S. Rao	Madras
24.	Shri N. P. Sharma	Safdarjung
25.	Shri S. K. Banorjoe	Dum Dum
26.	Shri R. Kothandaraman	Tirupathi/Trichy.

The 1st October 1975

No. A.32013/8/74-EA.—Further to this Department Notifications of even number dated the 21st January 1975 and 5th May 1975 appointing Sarvashri S. S. Bevli and B. G. Sindhi, Aerodrome Officers to the grade of Senior Aerodrome Officer with effect from the 4th January 1975 and 28th April 1975 respectively, the President hereby grant notional promotion to the above officers to the grade of Senior Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department on a regular basis with effect from the 4th November, 1973 and until further orders.

No. A. 32013/7/75-EA.—The President is pleased to appoint the following Assistant Aerodrome Officers to the grade of Aerodrome Officers in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the dates noted against their names or till the posts held by them are filled on regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Station	Date
1.	Shri L. A. Lobo	Bombay Airport	16-8-75
2.	Shri R. D. Nair	Do.	12-9-75
3.	Shri Amir Chand	Delhi Airport	21-9-75
4.	Shri K. K. Saxena	Do.	19-9-75
5.	Shri A. M. Thomas	C. A. Tirupathi	9-9-75
6.	Shri M. M. Sharma	Dolhi Airport	29-8-75

The 9th October 1975

No. A.32013/2/74-EA.—The President has been pleased to appoint Shri K. Ganapathy Iyer to the post of Senior Aerodrome Officer in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600 in an officiating capacity with effect from the 26th September, 1975 and until further orders. Shri Iyer is posted at Madras Airport, Madras.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

New Delhi-110022, the 8th October 1975

No. A-19012/5/72-E(H).—On attaining the age of superannuation, Shri M. C. Dikshit, officiating Deputy Director General of Civil Aviation, retired from Government service on the afternoon of the 30th September, 1975, while on deputation to the Government of Zambia as Director of Civil Aviation.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-600034, the 1st September 1975

C. No. II/3/32/75-Estt.—The following Inspectors of Central Excise, Madras Collectorate have been appointed to officiate as Superintendents of Central Excise Class II until further orders and posted with effect from the dates noted against each to the places specified against their names :—

S. No.	Name	Place where posted as Superintendent Class II	Date of joining
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1. T. S. Saravanan	Madras-J Division	31-5-75 A.N.	
2. V. S. Varadarajan	Pulliampatti MOR Erode Division	9-6-75	
3. M. Savarimuthu	Madras-II Division	31-5-75 AN	
4. V. Ramachandran	M.O.R. I Coimbatore-I Division	4-6-75	
5. M.A.R. Sheriff	Madras-IV Division	1-6-75	
6. R. Dharmaraj	Kan cheepuram MOR, Vellore Division	9-6-75 AN	
7. A. V. Arunachalam	Madras-IV Division	4-6-75	
8. E. A. Hutt	Madras-II Division	31-5-75 A.N.	
9. A. Wilfred Samiraj	Sulur MOR, Coimbatore-II Division	9-6-75	
10. C. D. De'Monte	Madras-II Division	31-5-75 A.N.	
11. P. Venkatarathinam Chetty	Madras-I Division	4-6-75	
12. M. Narasimha Rao	Pollachi Division	19-6-75	
13. S. Katchivenkataraman	Vaniyambodi MOR Vellore Division	5-6-75	
14. B. Sundaram Chetty	Coimbatore-I Division	9-6-75	
15. T. Krishnan	Kumbakonam MOR Pondicherry Division	11-6-75	
16. T. P. Narayanan	MOR IV Coimbatore-I Division	8-7-75	
17. T. R. Venkataraman	Madras-III Division	2-8-75 A.N.	
18. M. J. Abdul Khader	Erode Division	2-8-75	

C. CHIDAMBARAM,
Collector of Central Excise
Madras

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 4th October 1975

No. A 19012/71/71-Adm.V.—Consequent on his selection by the Union Public Service Commission for appointment as Geophysicist (Junior) in the Geological Survey of India, Shri K. S. Mutta has been relieved of his duties as Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, with effect from the afternoon of 23rd August, 1975.

K. P. B. MENON,
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 6th October 1975

No. 3.426/75-Estt.II.—Shri R. L. Mina officiating Accounts Officer in the Office of the Senior Deputy Accountant General Bombay is hereby appointed on deputation as Accounts Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—840—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in Central Ground Water Board w.e.f. 22nd September 1975 (F.N.) with his headquarters at Faridabad.

He will be on deputation for a period of one year in the first instance and his deputation will be regulated in terms of Ministry of Finance O.M. No. F-10(24)E-III/60 dated 4th May 1961 as amended from time to time.

D. PANDEY
Superintending Engineer

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 26th September 1975

No. E/55/III/93-P. II(O)—The following Officers are confirmed in Class II Service as Assistant Mechanical Engineer with effect from the date noted against each.

Sl. No.	Name	Date from which confirmed.
1.	Shri H. W. Rozario	31-7-1973
2.	Shri S. N. Guha Neogy	31-7-1973

The 4th October 1975

1. PNO/AD/65/215/PIV—Shri A. C. Biswas, Inspector of Stores Accounts (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on adhoc measure as Assistant Divisional Accounts Officer w.e.f. 5th May, 1975.

2. E/283/30P(O)—Shri C. B. Deb, Chief Clerk Gr. I (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Personnel Officer w.e.f. 5th May, 1975.

3. E/283/III/42 Pt. II(O)—Shri M. K. Das, IPF (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on adhoc measure as Assistant Security Officer with effect from 16th May, 1975.

4. E/283/82/Pt. X(O)—Shri S. N. Chakraborty, Law Supdt. (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on adhoc measure as Assistant Commercial Supdt. with effect from 20th May, 1975.

5. E/283/82/PX(O)—Shri A. Sarkar, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on adhoc measure as PA to COPS with effect from 21st May, 1975.

6. E/283/III/30 PV(O)—Shri A. K. Karan, Hindi, Supdt. (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Hindi Officer with effect from 28th May, 1975.

7. E/283/31 Pt. VIII(O)—Shri B. N. Chatterjee, SPI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Personnel Officer with effect from 11th June, 1975.

8. E/283/31/Pt. VIII(O)—Shri G. P. Verma, Asstt. Personnel Officer (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on adhoc measure as Divisional Personnel Officer with effect from 11th June, 1975.

N. R. REDDY,
General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Dayalbagh Food Products & Cold Storage Company
Pvt. Limited. (In Liqn.)

Kanpur, the 4th October 1975

No. 9935/2030-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dayalbagh Food Products & Cold Storage Company Pvt. Ltd. (In Lqn.), unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Dham Kanta (Pvt.) Ltd. (In Liquidation)*

Kanpur, the 4th October 1975

No. 9936/1156-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Dham Kanta (Pvt.) Ltd. (In Lqn.), unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. C. BASU
Registrar of Companies, U.P.
Kanpur

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Epic Enterprises Private Limited*

Delhi, the 6th October 1975

No. 4708—14442.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Epic Enterprises Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

C. KAPOOR
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
The 'V' Agency Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 10760/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The 'V' Agency Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Hindusthan Jute Dealers Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 19471/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hindusthan Jute Dealers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Boseck & Boseck Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 22139/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Boseck & Boseck Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Ideal Fabrication Works Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 26554/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ideal Fabrication Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Dacca Picture Palace Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 5204/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dacca Picture Palace Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Friend & Co. (Agency) Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 12000/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Friend & Co. (Agency) Private Limited, has this day been struck off the and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
The Overseas Agencies (India) Private Limited.*

Calcutta, the 9th October 1975

No. 13450/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of The Overseas Agencies (India) Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 13th August 1975

No. 9/7/74-DOMS.—On his transfer from the charge of the Commissioner of Income-tax, Patiala, Shri M. K. Dhar, Income-tax Officer (Class-I) assumed the charge of the office of the Assistant Director in the Directorate of Organisation and Management Services (Income-tax), New Delhi on the afternoon of 12th August, 1975.

H. D. BAHL
Director

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 29th September 1975

No. F.48-Ad(AT)/75-P.J.I.—Shri Amar Nath Tewari, Assistant Prosecuting Officer in the Office of the Senior Superintendent of Police, Kanpur is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 16th September 1975 (Forenoon) in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200, until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 16th September, 1975 (Forenoon).

HARNAM SHANKAR
President

FORM ITNS—

(1) Shri Mohandas Tikandas Dembla,
Suryodaya Nagar, Flat No. 10,
Kopri Colony, Thana.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
40/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA**

Poona-41104, the 3rd October 1975

Ref. No. C.A.5/Bombay(Thana)/Feb'75/237/of 75-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 24, Hissa No. 4, situated at Village Kopri (Thana)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
registering officer at Bombay on 11-2-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely : -
16—306GI/75

(2) Tikam Co-operative Housing Society, Ltd.
Flat No. 68, C Building,
Prem Nagar Co-operative Housing Society Ltd.,
Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of land or ground situate and
being at Village Kopri, Taluka Thana, Registration Sub-District,
Thana bearing Survey No. 24, Hissa No. 4, and admeasuring
about 11 Gunthas as per land records 7/12 equal to
1331 sq. yds. or 1112.90 metres. Thana together with existing
structure standing thereon at present and bounded as follows :
On the West by bearing Survey No. 40 Gul No.. 63
On the East by bearing Survey No. 24 Hissa No. 2.
On the North by bearing Survey No. 39 Gula No. 60 PT,
and
On the South by bearing Survey No. 24 Hissa No. 3 Gat
No. 64
(as per document for transfer registered in the office of the
Sub Registrar, Bombay under No. 1473/dated 11-2-1975).

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 3-10-1975

Seal :

FORM JTNS

(1) Sri Ponnuru Venkata Subba Rao,
S/o. Krishnaiah, Morrispetta, Tenali.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 244/J, Nos. (695 & 696)/GTR/
74-75.—Whereas, I, B. V. Subba Rao,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
861/30-60Cents with Rice & Dall Mill Vinukonda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Vinukonda on 15-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

(2) Sri Nidadavole Pattabi Ramaiah,
Sri Nidadavole Jaggaiah,
Shri N. Narasimha Rao,
Sri N. Satyanarayana Murthy,
Sri Ch. Subba Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 108 and 109
of 1975 of the SRO, Vinukonda.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-10-1975.
Seal ;

FORM ITNS

(1) Smt. Inuguri Rajeswari, W/o Krishna Murthy,
Sri Inuguri Krishna Murthy, Provisions Merchant,
Athabira, P. Bargar Taluk, Sambalpur Dt. Orissa.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Chunduru Suramka Narasimha Rao, represented
by mother Smt. Ch. Sasireka Devi, Tenali,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 240/J. Nos. 8 & 9/GTR/75-76.—

Whereas, I, B. V. Subba Rao,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Door No. 1-4-18/8/10 Ward No. VIII, Block No. X, Durga
Prasad Street, Nazarpeta, Tenali
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tenali on 30-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein, as are defined in Chapter XXA
of the 'Said Act', shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 998 & 999/
1975 of Sub-Registrar, Tenali.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-10-1975.
Seal:

FORM ITNS

- (1) Late E. Ramakrishna Chowdary—Represented by his legal heir, (2) K. Ch. Satyam and M. Raja Rao.
(Transferor)
- (2) Sri Chundru Laxmi Narasimha Rao, (2) Ch. Venkata Narasamma, and Sri Ch. Venkateswara Rao.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 241/J. Nos. 655, 656 & 195/WG.—
Whereas, I, B. V. Subba Rao,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
157/1 & 157/2, Rice Mill Velagalapalli Sivar, Chintalapudi Taluk situated at Village Pragadevaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chintapudi on 15th February 1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 97, 98, 99 of 1975 and 3290 of 1974, of SROs Chintalapudi and Eluru.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajapanntula Surya Rao etc. Payakaraopeta
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Varanasi Dalayya, Vizianagaram.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 242/VSP. 214/74-75.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-1-72 situated at Main Road, Viziamagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 15-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, irrespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 268 of 1975 of SRO, Vizianagram.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri R. S. S. Vasan, Shift Engineer, Caltex Oil Refinery, Visakhapatnam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 243/J. Nos. 222 & 223/VSP.—
Whereas, I, B. V. Subba Rao,
being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-27-6 Opposite Circuit House, Waltair Uplands, Vizag-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam on 28-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fol-

- (2) 1. Sri A. B. Krishna Rao, Retd. Dt. Registrar, Vizag.
2. Sri A. V. Subba Rao, S/o A. B. Krishna Rao, Vizag.
3. Sri A. Seeta Rama Rao S/o A. B. Krishna Rao, Vizag.
4. Shri A. K. Murthy Sastry S/o A. B. Krishna Rao, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 696 & 697 of 1975 of SRO, Visakhapatnam.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 3-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st September 1975

Ref. No. 14/Acq/AGRA/75-76/1530.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AGRA on 3-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Pranpal Singh, and
2. Sri Kuveddrapal Singh, sons of Sri Surajpal Singh, R/o Mathura Darwaja, Brindavan, Distt. Mathura.

(Transferor)

(2) Om Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Sarejpur, Agra, through its President Sri Satya Narain S/o Jagat Narain R/o Madia Katra, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bigha 15 Biswa in Khata Numbari 16, situated at Sarejpur, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 49,500/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Harnam Kaur widow Major Harnam Singh
R/o Jaman, Moh, Lalkurti Bazar, Meerut Cantt.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dhan Pauthohar Biradari, Meerut Cantt Through
Ch. Narendra Singh President,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st September 1975

Ref. No. 6/Acq./Mrt/75-76/1528.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Meerut on 19-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby situate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Immovable house property double storeyed situated at 90, Jaman Mohalla Lal Kurti, Meerut Cantt. transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Naseeh S/o Haji Idwa R/o Hapur
Moh. Ganj Noor Bafan, Distt. Meerut.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st September 1975

Ref. No. 3/Acq/Hapur/75-76/1529.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 12-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shri Khazan Singh S/o Narain Singh.
2. Kaleram S/o Narain Singh.
3. Kanti Singh S/o Narain Singh.
4. Gopal Singh S/o Narain Singh.
5. Smt. Bhagwan Devi widow Sri Naubat Ram and
6. Smt. Mango Devi widow Sri Badri Pd.
R/o 524, Shivpuri, Hapur, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Khata No. 416 measuring 2 Bighas 8 Bishwa and Khata No. 380 measuring 1 Bigha 13 Biswa and 11 Biswansi (half portions) and 190 measuring 9 Bigha 15 Biswa (half portion) and 209 measuring 18 Bigha 10 Biswa (1/5 portion) Total 11 Bigha 3 Biswa 18 Biswansi 16 2/3 Biswansi land situated at Vill. Apaura, Pargana & Teh. Hapur Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 99,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—306GT/75

Date : 21-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st September 1975.

Ref. No. 189/Acq/D. Dun/74-75/1529.—Whereas, I. F. J. Bahadur, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 4-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Kaypee Land and Finance Private Ltd.
52, Rajpur Road, Dehradun through Its Managing Director & General Attorney, Sri S. P. Kochhar.
(Transferor)

(2) Smt. Kamla Dhawan W/o Sri Banarsi Das Bhawan,
21, Prempuri, Ghaziabad.
(Transferee)

(3) R. N. Thadani, Tenant.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 1, Inder Road, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 74,000/-

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 26th September 1975

Ref. No. 174/Acq/Mrt/75-76/1540.—Whereas, I, F. J. Bahadur,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Meerut on 25-2-75
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mukhtar S/o Mangat,
2. Sri Bhagwan Sahai and
3. Sri Jhabhar, both sons of Sri Dilip R/o Purwa
Amra Prasad, Anandpuri, Meerut.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Mahendra Kumar S/o Lala Salek Chand
R/o Anandpuri, Meerut and
2. Sri Pawan Kumar S/o Sri Pyate Lal R/o 56/4,
Shivaji Path, Meerut City.
(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 1 and 2, measuring 380 4/9 sq. yds. situated at Devpuri, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 22,827/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 26-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 26th September 1975

Ref. No. 172/Acq/Mrt/74-75/1539.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 25-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Mukhtar S/o Mangat,
2. Bhagwan Sahai,
3. Jhabbar, sons of Dalip, R/o Purwa Amba Prasad, Anandpuri, Meerut City.
(Transferor)

(1) Sri Ram Gupta S/o Peetam Lal R/o Anandpuri, Meerut City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land in plot No. 6, 7, 8. Measuring 615 5/9 Sq. yds. situated at Devpuri, Meerut City transferred for an apparent consideration of Rs. 36,932/-.

F. J. BAHDUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 26-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th September 1975

Ref. No. 171/Acq/Mrt/74-75/1538.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 25-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Mukhtar S/o Mangat,
2. Bhagwan Sahai and
3. Jhabhar, both sons of Dalip, R/o Purwa Amba Prasad, Anandpuri, Meerut.

(Transferor)

(2) 1. Shri Pawan Kumar Jain s/o Pyare Lal Jain R/o 56/4, Shivaji Path, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 561 2/3 sq. yds. in Plot No 17 Ta 20, situated at Devpuri, Meerut City transferred for an apparent consideration of Rs. 33,700/-

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 25th September 1975

Ref. No. 170/Acq/Mrt/75-76/1537.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per lot No. As per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Meerut on 25-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Mukhtar S/o Mangat,
2. Bhagwan Sahai and
3. Jhabhar, both sons of Dalip, R/o Purwa Amba Prasad, Anandpuri, Meerut.

(Transferor)

- (2) Sri Radhey Lal S/o Ratan Lal Jain R/o Phuta Kuan, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 12 Ta 14 measuring 651 sq. yds. situated at Kasba Meerut Devpuri transferred for an apparent consideration of Rs. 39,060/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25th September 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 25th September 1975

Ref. No. 168/Acq/Mrl/74-75/1536.—Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 25-2-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mukhtar S/o Mangat 2. Bhagwan Sahai, and 3. Jhabhar, both sons of Shri Dalip, R/o Anandpuri, Meerut City.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Bala W/o Om Prakash Oberai, R/o 294, Prempuri, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 10 and 77 measuring 434 sq. yds. situated at Devpuri, Meerut City transferred for an apparent consideration of Rs. 26,040/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25-9-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan Luthra S/o Dr. Hareshah, R/o Civil Lines, Muzaffarnagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Parmeshwari Devi W/o Ch. Bishambhar Singh, and 2. Smt. Raj Kumari W/o Raj Kumar R/o Duda-heri, P.O.-Khas, Pargana-Khatauli, Teh. Jansath, Dist. Muzaffarnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th October 1975

Ref. No. 236/Acq/M.Nagar/74-75/1657.—Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 23-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 185 alongwith four shops, situated at Civil Lines, Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 85,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-10-75.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th October 1975

Ref. No. 158/Acq/Haridwar/75-76/1658.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 25-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18-306GT/75

(1) Dr. Uday Ram Bhardwaj S/o Shri Bhola Shankar R/o Moti Lal Nehru Medical College, Allahabad, Auth. Rep. Shri Anil Kumar Bhardwaj S/o Uday Ram Bhardwaj, R/o Naughtingum, England.
(Transferor)

(1) Shri Ravi Das Sadhu Sampraday Society, Punjab, Through Sant Sewa Das, Up Pradhan, Shishya Sant Sewa Das, Up Pradhan, Shishya Sant Purn Das R/o Kaletal Bhakta, Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of plot No. 3, area 3600 sq. ft. situated at Nirmala Chawani, Mayapur, Distt. Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs. 36,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-10-75
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(1) Dr. Udai Ram Bhardwaj S/o Shri Bhola Shanker R/o Moti Lal Nehru Medical College, Allahabad, Auth. Rep. Shri Anil Kumar Bhardwaj S/o Udai Ram Bhardwaj R/o Naughtinghum, England.
(Transferor)

(2) Ravi Das Sadhu Sampradai Society, Punjab, Through, Sant Sewa Das, Up-Pradhan, Shishya Sant Purn Das R/o Kaletal Bhakta, Distt. Hoshiyarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 3900 sq. ft. situated at Nirmala Chawni, Mayapur, Distt. Haridwar transferred for an apparent consideration of Rs. 29,250/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Lal S/o Shri Bhikkimai Jain R/o Shamli.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th October 1975

Ref. No. 82/Acq/Kairana/75-76/1660.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana, on 23-6-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Bhagwan Das S/o Gangaram 2. Subhash Chand and 3. Hari Kishan, both sons of Shri Bhagwan Das Arora R/o Shamli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property, double storeyed No. 335, 335/1, 335/2 and 335/3 situated at Shamli, Distt. Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-10-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Todar Singh S/o Laxman Singh R/o Vill. Dah-tora, Distt. Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1975

Ref. No. 189/Acq/AGRA/75-76/1661.—Whereas, I, F. J. BAHADUR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 8-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Amar Singh Varma, S/o Shri Bhurey Lal (2) Sunchari Lal (3) Bhagwati Prasad (4) Hari Kishan, all sons of Shri Amar Singh Varma, and (5) Kumari Vimla D/o Amarsingh Varma R/o Harjupura, Tajganj, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land comprised in Khata No. 159, measuring 14 Bigha, 12 Biswa and 5 Biswani situated at Vill. Dahtora, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 1,46,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-10-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sheela Dubey Widow Shri Manohar Lal R/o
25/24, Karachi Khana, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 23rd September 1975

Ref. No. 94/Acq/Knp/75-76/1531.—Whereas, I,
F. J. Bahadur,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at As per schedule,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur, on 8-5-75,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Badri Prasad Bhoj Nagarwala S/o Shri Amar Chand Bhoj Nagarwala R/o Birhana Road, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of some portion of double storeyed building and some portion in ruin condition comprised in property No. 25/24, Karachi Khana, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 1,20,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 23-9-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd September 1975

Ref. No. 96/Acq/Knp/75-76/1532.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur, on 16-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushila Devi W/o Shri Damodar Tiwari R/o 128/G/45, Kidwai Nagar, Kanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Satya Prakash Pandey S/o Shri Ramdin Sharma R/o 128/G/45, Kidwai Nagar, Kanpur.
(Transferee)
- (3) Shmt. Sushila Devi.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 128/G/45, constructed on plot No. 43, Block 'G', Kidwai Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 44,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-9-75.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd September 1975

Ref. No. 231/Acq/M.Nagar/74-75/1533.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 3-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Rahul Sondhi S/o Shri Gautam Dev Sondhi R/o/o Kathi No. 601, Khalanr Near Sujdu Chungi, Muzaffar Nagar.
(Transferor)

(2) 1. Sri Dharmveer Chabra (2) Sri Harish Chandra Chabra Both sons of Sri Hansraj Chabra R/o H. No. 220, Aryapuri, Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 500 sq. yds. situated at G.T. Road, Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 37,500/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 23-9-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rahul Sondhi, S/o Shri Gautam Dev Sondhi
R/o Kothi No. 601, Khatapar, Near Sujdu Chungi,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kailash Chandra, and 2. Shri Subhas Chandra
S/o Lala Hansraj Chabua R/o House No. 220,
Aryapuri, Muzaffarnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 232/Acq/M.Nagar/74-75/1534.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muzaffarnagar on 3-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property consisting of plot measuring 500 sq. yds. situated at G.T. Road, Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 37,500/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-9-75.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd September 1975

Ref. No. 52/Acq/GBD/75-76/1535.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad, on 6-5-75, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Naresh Kumar S/o Lala Salek Chand Singhal, and Representative of the property of Smt. Kastoori Devi W/o Salek Chand R/o 13, Ramteram Road, Ghaziabad, Distt. Meerut,

(Transferor)

(2) (1) Shri Kashmiri Lal and (2) Shri Om Prakash, sons of Lala Karam Chand Abuja R/o Gandhi Nagar, Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of freehold plot No. 36, measuring 1223 sq. yds. situated at Residential Colony Salak Chand (Narendra Nagar) Ghaziabad, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 61,150/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—306CI/75

Date : 22-9-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th October 1975

Ref. No. Ac-31/R-II/Cal-75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmauria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag Nos. 353, 355, 356, 357 & 361/476, situated at Mouza Rampur, P.S. Maheshtolla, Dt. 24-Prags. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 19-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Manoranjan Banik,
20, Kalikrishna Tagore St., Calcutta.

(2) Arun Kanti Dhar, Santoshpur Govt. Colony,
P. S. Maheshtolla, 24-Prags.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-Bighas, 7-kottahs, 4-chittacks, 16-sq. ft. in Dag Nos. 353, 355, 356, 357 & 361/476, J.L. No. 10, Kh. No. 176, R. S. No. 352, Thana Maheshtolla, Mouza Rampur, 24-Prgs.

R. V. LALMAURIA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Banwarilal Goenka of 37/1,
Maharshi Devendra Road, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Shri Narayan Prasad Goenka,
45, Sir Hariram Goenka St., Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1975

Ref. No. Ac-30/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmauria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42W & 42V, situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar of Assurances, Calcutta on 20-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two plots of land situated at 42W & 42V, Raja Santosh Rd., Calcutta measuring 2 kottahs, 4 chhattaks & 6 sq. ft. and 2 kottahs, 4 chhattaks & 6 sq. ft. totalling 4 kottahs, 8 chhattaks & 12 sq. ft.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. V. LALMAURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Krishna Devi Goenka,
37/1, Maharshi Debendra Rd., Calcutta.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Narayan Prasad Goenka,
45, Sir Hariram Goenka St., Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1975

Ref. No. Ac-29/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

42X, 42Y, 42P & 42N, situated at Raja Santosh Rd., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar of Assurances, Calcutta on 20-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four plots of land situated at 42X, 42Y, 42P & 42N, Raja Santosh Rd., Calcutta measuring 1-kt, 15-chs, 1-kt, 15-chs, 1-kt 8-chs, & 1-kt, 8-chs, totalling 6-kts, 14-chs.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Ashoke Kumar Ghosh &
Abhik Kumar Ghosh
65/2, Hindustan Park, Calcutta.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Wellmet Footwear Corp. (P) Ltd.
219, Rashbehari Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. A. K. G. Industries (In portion)
[Person in occupation of the property]

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th October 1975

Ref. No. 293/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

158 A, situated at Picnic Garden Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land and tank land measuring 8 bighas more or less together with all the buildings, structures, sheds, workshop and boundary walls erected thereon at premises No. 158 A, Picnic Garden Road, Calcutta as per deed No. I-713 of 1975 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6th October 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA**

Calcutta, the 10th October 1975

Ref. No. TR-917/C-327/Cal-1/74-75.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28, situated at Strand Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 18-2-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Salehbhoy Essufally,
 2. Fakhruddin Mulla Salehbhoy.
 3. Zakiuddin Mullah Salehbhoy.

(Transferor)

(2) 1. Kurban Hussain Hussunally,
 2. Mohammad Hussain Mulla Kurban Hussain,
 3. Hasani Mulla Kurban Hussain.

(Transferee)

(3) 1. Eastern machinery Corporation,
 2. F. Hussain & Brothers,
 3. Inland Hardware & Tools,
 4. A. V. Joshi & Sons,
 5. Mehra Trading Co.,
 6. Sunil K. Mookerjee,
 7. Indian Asbestos & Insulation Co.,
 8. Engineering Stores & Agency,
 9. Mohammad Farooqe,
 10. Bannerjee & Bros,
 11. Jibonlal & Co.,
 12. N. N. Mookerjee,
 13. Voza Brothers,
 14. Hindustan Trading Co.,
 15. Dawoodlhai Salehbhai,
 16. Steel Rolling Mills of Bengal & Co.,
 17. Oversees Stores & Agency,
 18. Kettlewell Bullen Employees Coop. Credit Society Ltd.,
 19. Chandrakant Hiralal,
 20. Saran Trading Co.,
 21. Engineering Stores & Supply Co.,
 22. Chandra Mohan,
 23. Norfolk Asea,
 24. Oil Hydraulics.

[Person in occupation of the property]

(4) Shri Mohsinbhoy Yusufalli Masalia.

[Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The vendors' share of three storied brick built dwelling house together with land containing 8 cotahs 6 chittacks 22 sq. ft. at 28 Strand Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I, Calcutta 16.

Date : 10-10-75

Scal.

FORM ITNS

(1) Sm. Hashi Rani Ghose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Md. Ashraff.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1975

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TR-66/C-60/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24/2, situated at Shariff Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 11-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Portion of vacant land measuring about 4 cottahs at 24/2 Shariff Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Sm. Hashi Rani Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mohammad Ashraf.

(Transferee)

(3) Joy Krishna Gour.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-8/C-8/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24/2, situated at Shariff Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 2-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of vacant land measuring 2K, 3 Chittacks, 5 sq. ft. at 24/2 Shariff Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date : 9-10-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mansukhlal Manilal Vasa,
Plot No. 12, Ruikar Colony,
Kolhapur-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 8th October 1975

Ref. No. C.A. 5/Kolhapur/March '75/244/75-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 30, C.T.S. No. 2100K-78, E Ward, Ruikar colony
situated at Kolhapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kolhapur on 20-3-75

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

20—306G1/75

(2) Shri Vadilal Lakhmichand Shah,
2113/K, Nimbalkar Colony,
Poona Bangalore Road, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30 C.T.S. No. 2100 K-78
E Ward, Ruikar Colony, Kolhapur
Ground floor constructed area 1590 sq. ft.
First floor constructed area 800 sq. ft.
(property as mentioned in the sale deed registered in
the office of the Sub Registrar, Kolhapur under No. 814
dt. 20-3-75).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 8th October 1975

Ref. No. C.A. 5/Kolhapur/February '75/243/75-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Block No. 149, Shahu Market, situated at Kolhapur
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Kolhapur on 17-2-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sha Manilal Deosi & Co., Kolhapur.
Partners:
1. Manilal Deosi Vasa,
2. Mansukhlal Manilal Vasa,
3. Satishkumar Manilal Vasa,
4. Smt. Joytsna Javahirlal Vasa,
all at Ward E, Block No. 29, Kolhapur.
(Transferor)

- (2) Shri Deogonda Ramagonda Patil,
Ward E, Shahu Market, Block No. 136, Kolhapur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property :
Block No. 149 with structures and temporary shed
At Shahu Market Yard, Kolhapur.
Plot Area : 2550 sq. ft.
(property as mentioned in the sale deed registered
in the office of the Sub Registrar, Kolhapur under
Reg. No. 441 dated 17-2-75.)

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004**

Poona-411004, the 6th October 1975

Ref. No. CA.5/February'75/Haveli-II(Poona)/239.—
 Whereas, I, H. S. Aulakh,
 being the competent authority under Section 269B of the
 being the competent authority under Section 269B of the
 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
 bearing No.

Plot No. 6B-7 C.T.S. No. 14
 situated at Bund Garden, Poona
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haveli-II (Poona) on 14-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the aforesaid property by the issue of this notice under following persons, namely :—

- (1) The Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd.,
 Jehangir Wadia Bldg.,
 51, M.G. Road, Bombay-1.
 2. Hormusjee Bomanji Birdie, Bombay.
 (Transferor)
- (2) Ms A. J. Khatri & Sons,
 628 Khatri House,
 13th Road, Khar,
 Bombay-52.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land Sub-Divided plot No. 6B-7 C.T.S. No. 14 at Bund Garden, Poona,
 formed on the sub-division of the larger land bearing S. No. 85, plot No. 1 in Village Mali, Tal. Haveli, Dist. Poona.
 Area : 1031.33 sq. mtrs.
 (property as mentioned in the Registered deed No. 305 of the Registering Authority Haveli II (Poona) in Feb. 75).

H. S. AULAKH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poona.

Date : 6-10-75

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004**

Poona-411004, the 6th October 1975

Ref. No. C.A. 5/February '75/Haveli-II(Poona)/242/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sub-divided plot No. 4, bearing C.T.S. No. 14 situated at Bund Garden, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 14-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. The Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd., Jehangir Wadia Bldg., 51 M.G. Road, Bombay-1,
2. Hormusji Bomanji Birdie, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. A. J. Katri & Sons,
628, Khatri House,
Khar Pali Road, Khar,
Bombay-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land —Sub-divided Plot No. 4 bearing C.T.S. No. 14, at Bund Garden, Poona,

formed on the sub-division of land bearing Survey No. 85, plot No. 1 in Village Mali, Tal. Haveli, Poona.
Area : 507.51 sq. mts.

(property as mentioned in the Registered deed No. 304 of February, 75 of the Registering authority Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-10-75

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. The Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd.,
Jehangir Wadia Bldg.,
51 M.G. Road, Bombay-1.
(Transferor)
2. Hormusji Bomanji Birdie, Bombay.
- (2) M/s. A. J. Khatri & Sons,
628, Khatri House,
Khar Pali Road, Khar,
Bombay-52.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 6th October 1975

Ref. No. C.A. 5/February '75/Haveli-II(Poona)/240/
75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. plot No. 2, C.T.S. No. 14, situated at Bund Garden,
Poona,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Haveli-II, Poona on 14-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabi-
lity of the transferor to pay tax under the Said
Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the Said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act shall
have the same meaning as given in that Chap-
ter.

THE SCHEDULE

Freehold land Plot No. 2 bearing C.T.S.
No. 14 at Bund Garden, Poona,

formed on the sub-division of land bearing survey No. 85,
plot No. 1 in Village Mali, Tal. Haveli, Poona.

Area : 508.80 Sq. mtrs.

(property as mentioned in the Registered deed No. 302 of
February, 75 of the Registering authority Haveli-II,
Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-10-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 6th October 1975

Ref. No. C.A. 5/February '75/Haveli-II(Poona)/241/

75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sub-divided Plot No. 3, C.T.S. No. 14, situated at Bund Garden, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 14-2-1975 for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

(1) 1. The Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd., Jehangir Wadia Bldg., 51 M.G. Road, Bombay-1.
2. Hormusji Bomanji Birdie, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. A. J. Khatri & Sons, 628, Khatri House, Khar Pall Road, Khar, Bombay-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land at Sub-divided Plot No. 3, C.T.S. No. 14, at Bund Garden, Poona formed on the sub-division of land bearing Survey No. 85, plot No. 1 in Village Mali, Tal. Haveli, Poona. Area : 513.89 sq. mtrs.

(property as mentioned in the Registered deed No. 303 of Feb. 75 of the Registering Authority, Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-10-75
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Dinkar Sadashiv Nagarkar,
2. Smt. Mandakinibai Dinkar Nagarkar,

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

3. Shri Bhalchandra Dinkar Nagarkar,
all at Kanhoor Pathar, Tal. Parner,
Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 29th September 1975

Ref. No. C.A. 5/June '75/Ahmednagar/235/75-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 297/2, 297/4A, 297/6B-3, 297/5 situated at Mouje, Nalegaon (Ahmednagar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmednagar on 7-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (2) Ahmednagar Zilla Maratha Vidya Prasarak Samaj, Ahmednagar.
on behalf of it, Shri Hanumantrao Krishnaji Kale, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jirayat and Bagayat land at Mouje Nalegaon, Dist. Ahmednagar.	Survey No.	Area Acres	Guntha
297/2	0	—	28
297/4A	2	—	32
New S. No. 297/6/B-3 (Old S. No. 297/6A-1)	0	—	38
297/5---1/2 portion (property as mentioned in the Regd. deed No. 613 of June, 75 of the Registering authority, Ahmednagar).	0	—	05

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range Poona.

Date : 29-9-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 3rd October 1975

Ref. No. C.A.5/Bombay(Thana)/March '75/238 of 75-76—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 331 & 231, Hissa No. 2,
situated at Panchpakhadi, Dist. Thana
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Bombay on 5-3-1975,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated is the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Jivanlata Purshottamdas Kedia
2. Vishwanath P. Kedia
3. Shantikumar Kedia
4. Jagdishprasad Purshottam Kedia
5. Rajkumar P. Kedia
6. Bhagirathi P. Kedia
7. Dineshkumar P. Kedia
8. Vimaladevi Balkrishna Palan
9. Niranjanadevi Harikishan Kanodia
10. Bhanumati Gopikishan Makharia
11. Sarojkumar Shantiprasad Kedia.
12. Bharti S. Ruia
13. Madhukumari Jagdishprasad Kedia
by her father & natural guardian Jagdishprasad
Kedia,
all at 252, Walkeshwar Road, Bombay-6.
(Transferor)

(2) Nitin Casting Private Ltd.,
21, Ropewalk Street,
Fort, Bombay.

D

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those several pieces of land hereditaments and premises situate at Panch-Pakhadi, within the Municipal Limits of Thana and bearing the following particulars,

Survey No.	Hissa No.	Arc	Gunthas
331	0	3	2
231	2	0	1.1/2

admeasuring in the aggregate 14943 sq. yds.

(as per documents for transfer registered in the office of the sub-Registrar, Bombay under No. 347 dated 15-3-75.)

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 3-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 10th October 1975

Ref. No. III-108/Acq/75-76/1261.—Whereas, J. J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 367, W. No. 9 situated at Govind Mitra Road, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at calcutta on 10-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21-306GI/75

- (1) 1. Smt. Protiva Bala Mitra w/o Pasupati Nath Mitra.
2. Pares Nath Mitra, 3. Soumen Mitra.
4. Samar Kumar Mitra, all sons of Late Pashupati Nath Mitra.
5. SM. Anuka Mitra and SM. Gopa Mitra both daughter of Late Pashupati Nath Mitra, all residing at 26 Mohan Began Lane, Calcutta-4.
6. Smt. Ashoka Ghosh wife of Somenath Ghosh and daughter of late Pashupatinath Mitra residing at 8 Radhanath Mullick Lane, Calcutta-12
7. Smt. Manika Ghosh wife of Samir Prasad Ghosh and daughter of Late Pashupati Nath Mitra and at present residing at 103/E Bidhan Sarani, Calcutta-4.
- (Transferor)
- (2) Jamanti Devi W/o Sri Badri Narain Prasad Choudary, Mahalla Makharia Kuan, P.S. Pirbhahore, Patna.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 3 katha with two storeyed house part of H. No. 367, Cr. No. 23 W. No. 9 at Govind Mitra Road, Patna which is fully described in deed dated 10-2-75.

J. NATH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date : 10-10-75
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA

Patna, the 10th October 1975

Ref. No. III-109/Acq/75-76/1262.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 367, W. No. 23, situated at Govind Mitra Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Protiva Bala Mitra w/o Pasupati Nath Mitra
Mitra
2. Paresh Nath Mitra
3. Soumen Mitra
4. Samar Kumar Mitra
all sons of late Pasupati Nath Mitra
 - 5. Smt. Anuka Mitra and Smt. Gopa Mitra, both daughter of late Pasupati Nath Mitra all residing at 26 Mohan Begon Lane Calcutta.
 - 6. Smt. Ashoka Ghosh wife of Somnath Ghosh and daughter of late Pasupati Nath Mitra residing at Radhanath Mullick Lane Calcutta-12 and
 - 7. Smt. Manika Ghosh wife of Samir Prasad Ghosh and daughter of late Pasupati Nath Mitra and at present residing at 103/E Bidhan Sarani, Calcutta-4.
- (Transferor)
- (2) Shrimati Kamla Devi w/o Sri Jai Narain Prasad Choudhary, Mahalla—Makharia Kuan, P. S. Purbahore, Patna.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2 Katha 6 Chittack with one single storied house, bearing H. No. 367, Cr. No. 23, W. No. 9 at Govind Mitra Road, Patna, which is fully described in deed dated 10th February 1975.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 10-10-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA**

Patna, the 8th October 1975

Ref. No. III-107/Acq/75-76/1248.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 384, Khata No. 348 situated at Tari Arrah Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhojpur on 21-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mangeshwar Prasad Singh, Sri Birendra Kumar Singh, Sri Narendra Kumar Singh son's/o Babu Durg Vijay Prasad Singh, Smt. Beyaso Kuar w/o Babu Durg Vijay Prasad Singh at Mirganj, Arrah Town, Dt. Bhojpur.

(Transferor)

(2) Shri Jwala Dutta Jalan s/o Sri Banarsi Dutta Jalan, At Tari, Arrah Town, Dt. Bhojpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2 Katha 8 Dhur 10 Dhurki with house at Tari, Arrah Town, bearing Tanzi No. 30, P.S. No. 237, Khata No. 348, Plot No. 384, H. No. 284 (old) and 283 (new), Cr. No. 2, W. No. 5 in the district of Bhojpur.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th October 1975

Ref. No. F. XVI/1/140/74-75.—Whereas, I. G. RAMANATHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

New Survey No. 102 and 104 situated at Ward No. 4, Block II, E. Division Dadhubaikuttai, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem on February, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ayyammal, W/o Arumugam Pillai, Shri Parasuraman, S/o Chithambalam Pillai, Govindapillai Street, Salem.
(Transferor)

(2) Shri S. P. Marimuthu Mudaliar, S/o Pachiappa Mudaliar, Arunachala Achari St., Salem.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at new survey Nos. 102 and 104, J Ward, Block 2, Ward No. 4, E Division, Dadhubaikuttai, Salem Town covered by Document No. 677/75 and measuring as under :

Western side—South to North 106'

Eastern side—South to North 50' and 46' on the Eastern side.

Northern side—South to North 54'.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 9-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ayyammai, W/o Arumugam Pillai,
Shri Parasuraman, S/o Chithambalam Pillai,
Govinda Pillai St., Salem.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. P. Marimuthu Mudaliar,
S/o Pachiappa Mudaliar,
Arunachala Achari Street, Salem-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th October 1975

Ref. No. F. XVI/1/141/74-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 102 & 104 situated at Dadubaikuttai Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem on February 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at new Survey Nos. 102 & 104, J Ward, Block 2, F Division, Dadubaikuttai, Salem Town covered by Document No. 678/75 and measuring as under :

Western side—South to North—106'
Eastern side—North 50' and East 46'; and
North to South 54'.
Northern side—East to West 62'
Southern side—21'

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1975

Seal :

FORM JTNS—

(1) Shri N. M. R. Jambunathan,
171, South Masi St., Madurai-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th October 1975

Ref. No. F. IX/5/56/74-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 118 & 119 situated at Nyniappa Naicken St., Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s. Plastometal represented by its Managing Partner Jethalal K. Sayani, 16, Luckmudoss Street, Madras-3.

(Transferee)

*(3) (1) The Sarvodaya Surgicals,
(2) M/s. Sampath Ceramics (P) Ltd.,
(3) M/s. Glass Corporation.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 1642 sq. ft. in R. S. No. 9149, Door Nos. 118 & 119, Nyniappa Naick Street, Madras-3. (Doc. No. 145/75).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. F. No. 2389/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 936-F, situated at New Door No. 64, Race Course Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 487/75) on February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri T. Jeyadev, S/o Shri K. Thandavam Chettiar acting through his attorney Shri T. Sathiadev, No. 5, III Main Road, Kasthuribai Nagar, Adayar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Smt. R. Thamayanthi; W/o Shri V. Rangasami, 7-A, Cooperative Colony, Mettupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot measuring 25 cents and bearing New Door No. 64, Race Course Road, Coimbatore and T. S. No. 936-F (with rights of joint ownership in the private passage and with rights of free ingress to and egress from the Race Course Road to the scheduled property).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. F. 2389/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 936-B, situated at New Door No. 64, Race Course Road, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Document No. 488/75) on February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri T. Sathiadev, S/o Shri K. Thandavam Chettiar, No. 5, III Main Road, Kasthuribai Nagar, Adayar, Madras-20.
(Transferor)

(1) 1. Shri D. Ramaswami, S/o Shri Doraiswami Gounder, Mettupalayam, Via, Vellakoil, Dharapuram Taluk,
2. Smt. R. Visalakshi, W/o Shri D. Ramaswami, Mettupalayam, Via, Vellakoil, Dharapuram Taluk,
3. Minor Venkatesa Sudarsan, S/o Shri Ramaswami Gounder by his guardian grandfather, Shri M. Jagadisa Gounder, Advocate, Erode.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building measuring 55.15 cents and bearing T. S. No. 936-B and New Door No. 64, Race Course Road, Coimbatore (with rights of free access through the private passage located on the eastern side).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. F. 2397/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —, situated at Door Nos. 247, 247-A, 248, 249 and 250, Brough Road, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Erode (Document No. 517/75) on 13th February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

22—306GI/75

(1) 1. Shri M. Senniappan; 2. Raja alias Murugesan (Minor) and 3. Subbaroian alias Rajesh (Minors represented by guardian Shri M. Senniappa). No. 185, Brough Road, Erode.

(Transferor)

(2) 1. Shri B. Anandhan and 2. Mohan (Minor) (Minor represented by mother & guardian Saraswathi Balu) No. 126, Thirunagar Colony, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in the land and building bearing Door Nos. 247, 247-A, 248, 249 and 250 Brough Road, Erode.

G. V. JHABAKH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri H. Madhan; Shri H. Johi; Shri H. Sennamallan; Smt. H. M. Babiammal; Shri H. M. Bojan, Shri H. M. Chandran and Shri H. M. Palraj, Upper Kundah village.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

(2) Shri Nanjan, S/o Shri J. Nandhi Gounder, Keez-
kavvatti, Nanjazhadu village.

(Transferee)

Madras-6, the 16th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. F. 2414/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1; 5/2-A; 5/3, 4/2, 18/1 & 15 situated at Jagathala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Document No. 238/75) on 24-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 6-84½ acres and bearing R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2; 3/3; 3/4; 3/5; 5/1; 5/2-A, 5/3, 4/2, 18/1 and 15 in Jagathala village.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I here-
by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Rcf. No. F. 2414/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1; 5/2-A, 5/3, 4/2, 18/1, 15 and 5/2-B situated at Jagathala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Document No. 239/75) on 24-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri H. Madhan; Shri H. Johi; Shri H. Sennamallan; Smt. H. M. Babiammal, Shri H. M. Bojan; Shri H. M. Chandran and Shri H. M. Palraj, Upper Kundab, Upper Kundah village.

(Transferor)

(2) Sarvashri Chandran, Krishnan, Narendran, S/o Shri N. Iyer Madhan; Keezkavvatti, Nanjazhadu village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7-44½ acres and bearing R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2A, 5/3, 4/2, 18/1, 15 and 5/2-B Jagathala village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. 2414/75-76.—Whereas, J. G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1; 5/2-A; 5/3, 4/2, 18/1 and 15 situated at Jagathala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Document No. 240/75) on 24-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri H. Madhan; Shri H. Johi; Shri H. Sennamalai; Smt. H. M. Babiammal; Shri H. M. Bojan; Shri H. M. Chandran; Shri H. M. Palraj and Shri H. M. Thevan; Upper Kundah village.

(Transferor)
(2) Shri N. Iyer Madhan; S/o Shri J. Nandhi Gowder, Keezkavvatti, Nanazhadu Village.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 6.84½ acres and bearing R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2-A, 5/3, 4/2, 18/1 and 15 in Jagathala village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1975

Ref. No. F. 2414/75-76.—Whereas, I, Shri G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. —, situated at R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5; 5/1, 5/2-A, 5/3, 4/2, 18/1, 15 and 5/2-B Jagathala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at

Coonoor (Document No. 241/75) on 24-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri H. Madhan, Shri H. Johi, Shri H. Sennamal-
Jan, Smt. H. M. Babiammal, Shri H. M. Bojan,
Shri H. M. Chandran and Shri H. M. Palraj,
Upper Kundha village. (Transferor)

(2) Sarvashri Kannan, Dharuman; Balakrishnan and
Sevanan; S/o Shri N. Nanjan, Keezkavvatti, Nanja-
zhadu village. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7-44½ acres and bearing R. S. Nos. 2, 3/1, 3/2, 3/3, 3/4, 3/5, 5/1, 5/2-A, 5/3, 4/2, 18/1, 15 and 5/2-B Jagathala village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th October 1975

Ref. No. RAC. No. 137/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 22 in M. C. No. 5-9-29/31 Second Floor
situated at Basheerbagh Palace, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 17-2-1975 for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the
following persons, namely : —

(1) M/s. Anand Building Corporation, represented by
his partner Shri Anil Kumar, H. No. 53 at Pender-
ghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur Marwah, W/o Mohinder Singh
Marwah, Flat No. 22 Bahrul Mansion, Basheer-
bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Flat No. 22 in M. C. No. 5-9-29/31 Second
Floor in Bherumal Mansion on plot No. 5 situated at
Basheerbagh Palace Compound, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. No. 146/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot No. 1'-6-3-661 situated at Somajiguda, Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 28-2-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Velluri Kamalamma, W/o Velluru Kishena Naidu, R/o Muddumudi Vollg. Nellore Dist. by G.P.A. Srt. T. Logiah Naidu, S/o Narsiah, Naidu R/o Banjara Hills, Hyderabad.
- 2. P. V. Nara Simarao, S/o Ramiah, Dokkipara Villg. Krishna Dist. 3. R. Butchamma W/o R. Sreeramulu Naidu, R/o Moud. 67 Rept. by their GPA. Holder, 4. Laxminarsaiah S/o Venkaiah, R/o Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shah Sons. Pvt. Ltd. H. No. 5-3-335 at Rastrapati Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : All that plot of land admeasuring 2000 Sq yds. equant to 1339 sq. mets. in S. No. 35 bearing M. No. F-6/3/661 at Somajiguda, Hyderabad.

North : M/s Shah Farm, & construction equipment.

South : C. C. Road.

East : by Neighbours compound wall.

West : Shah Auto Engineer, Co. Pt. Ltd.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Abdul Salam Bandagi Prop. United Traders
Tilak Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(2) Dr. Mrs. Mahmooda Begum, 2, Dr. Izbal Moin,
Civil Asstt. Surgeon, H. Q. Hospital Kareemnagar,
Post
(Transferee)

*(3) T. Laxmiah, 2, T. Narasinga Rao, 3, D. Laxman
Rao, 3 persons are the tenants of the property.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. No. 140/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22-1-361/1 situated at Sultan Pura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura, Hyderabad on 15-2-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 22-1-361/1 at Sultanpura, Hyderabad.
bounded by as under :

North : House and Garden of late Rafiuddin,
South : Road, 20' wide.
East : Open land of Sri Ubaidulla
West : Cement Road 30' wide.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Sri Sach Dev, S/o Lalji Sachdev, H. No. 16-9-683

and 684 at Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. Venkat Narayana Reddy, S/o C. Chandraseddy,
and others, R/o Yamjal Village, Hyderabad Dist.

(Transferees)

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT,
1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. RAC. No. 134/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of 16-9-683 & 684 situated at Old Malakpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyderabad on 14-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of House No. 16-9-683 and 684 at Old Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—306 GI/75

Date : 8-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. L. Sachdev, S/o Lalji, H. No. 16-9-683 and 684 at Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. RAC. No. 133/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of No. 16-9-683 and 684 situated at Old Malakpet,
Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Azampura, Hyderabad on 14-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act,
1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of the house M. No. 16-9-683 and
684 at Old Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 8-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. RAC No. 131/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-1-27 situated at Hindupur, Ananthapur Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hindupur on 16-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kuncham Radhakrishnaiah, H. No. 18-1-166 at Market Feeder Road, Hindupur, Ananthapur Dist. (Transferor)
- (2) Sri B. Chandra Gupta, H. No. 16-6-16 at Nut Bazar, Hindupur, Ananthapur Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 16-1-27 at Hindupur, Ananthapur Dist.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-10-1975.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri V. Surender Kumar Rai Bahadur, S/o Late Hakeem Narayandas, H. No. 3-6-20 at Himayath-nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Kapadia, 450 A Class Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. No. 143/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-1111/3 situated at Kingh Koti Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 24-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Property : Portion No. 3 of H. No. 5-9-1111 situated at King Koti Road, Hyderabad comprised of 226 sq. yds. bounded by :

North : Portion 4 of premises 5-9-1111

South : Public C. C. from LIC quarters to King Kothi,

East : Portion No. 2 of premises No. 5-9-1111

West : Neighbours property.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri V. Surender Kumar, Rai Bahadur, H. No. 3-6-20
at Himayathnagar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Omar Ali Khan, H. No. 5-9-1111 at King Koti
Road, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC No. 144/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-1111 Portion of 7, 8 King Koti Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 24-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as rac defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion 7 and 8 of H. No. 5-9-1111 at King Koti Road, Hyderabad comprising area 374 sq. yds. bounded by :

East : C. C. Road.

West : Neighbours property.

North : Portion No. 10 of H. No. 5-9-1111

South : Portion No. 5, 6 of H. No. 5-9-1111.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM ITNS(1) Shri V. Surender Kumar Rai Bahadur H. No. 3-6-20
at Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. No. 145/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion 1 of No. 5-9-1111 situated at Kingh Koti Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 24-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : portion No. 1 of H. No. 5-9-1111 at King Koti Road, Hyderabad comprising of 241 sq. yds. of land bounded by :

East : King Koti Main Road

West : Portion No. 2 of H. No. 5-9-1111

South : Church Road (All sants School)

North : Portion No. 5 of H. No. 5-9-1111 Kingh Koti Road.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC No. 142/75-76.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Portion No. 5 of H. No. 5-9-1111 situated at Kingh Koti
Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Hyderabad on 24-2-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri V. Surender Kumar Rai Bahadur H. No. 3-6-
20, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri K. V. Krishna Rao, presently residing at U.K.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion No. 5 of H. No. 5-9-1111 at Kingh Koti Road, Hyderabad comprising of 209 sq. yds. Bounded by :

East : By Road.

West : By Portion No. 4 and 5 of H. No. 5-9-1111.

South : by portion of No. 1

North : by portion No. 7

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisiton Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. No. 141/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion 2 of 5-9-1111 situated at King Koti Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

at Hyderabad, on 24-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri V. Surender Kumar Rai Bahadur, H. No. 3-6-20 at Himayathnagar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Kotheroju Radhakrishna, S/o Sri Satyanarayana, H. No. 5-9-1117 at King Koti Road, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(a) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion No. 2 of H. No. 5-9-1111 at King Koti Road, Hyderabad, bounded by :

East : Portion No. 1 of H. No. 5-9-1111

West : Portion of 3 of H. No. 5-9-1111

South : Road from I.I.C quarters to Motor Khana,

North : Neighbours.

Total area of plot 233 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Pushpa Latha Gupta Partner in M/s Associated Builders and Real Estate Agents C/o Tota Ram Sagarlal & Sons, Abids Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nagina Faheem Through CPA Smt. Rasheed Fatima at Rasheed Villa, H. No. 5-9-209/4 Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1975

Ref. No. RAC. 147/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-2-5 situated at forth floor Ponam Apartment Chirag Ali Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 27-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—306GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : All that the undivided 1-9376 share or portion in the piece and parcel of land bearing No. 3-8-512 to 517-C situate lying and being at Chirag Ali Lane, Hyderabad described in schedule I in the document No. 792/75 regd. of at Hyderabad J.S.R. Office together with the entire proprietary rights in the premised bearing Flat No. A-2, 7 including terrace but excluding water tank on the forth floor admeasuring 1085 sq. ft in the building known as "Poonam Apartment" constructed on the said plot admeasuring 3000 sq.yds . at C. A. Lane, Hyderabad.

Bounded on the

North : Estate Road.

South : Flat No. 8 stair case & Common passage.

East : Estate Lane.

West : Estate Road.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM IFNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th October 1975

Ref. No. RAC. No. 138/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 23 in M. No. 5-9-29/32 situated at Second floor Behrumal Mansion Basheerbagh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Anand Building Corporation, represented by partner Sri Anil Kumar, H. No. 53 at Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kamal Sundari Puri, W/o K. S. Puri, Flat No. 23 at Behrumal Mansion, at Basheerbagh Palace Compound, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Flat No. 23 in M. C. No. 5-9-29/32 second floor, Behrumal Mansion in plot No. 5 situated at Basheerbagh Palace Compound, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shri Lingarkar Ambaji Rao, S/o Nagoji Rao, R/o Pamidi, Gooty, Tq. Ananthapur-Dist. 2. Lingarkar Chinnaji Rao R/o Pamidi Gooty Tq. Ananthapur Dist.

(Transferor)

(2) 1. Shri Elakanty; China Venkata Swamy; 2. Elakanty Nagabhusanam, 3. Flankanty Subrahmanyam, R/o Bandamedapally Village, Chakraipet, Majara, Ananthapur Tq. Ananthapur Dist. 4. Sri Lakkuru Laxminarayana R/o Pamidi Gooty, Tq. Ananthapur, Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. RAC. No. 135/75-76.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. 5/90 to 95 situated at Kallur, Tq. Ananthapur, Dist. (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on 6-2-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

Property : Factory Building Godowns and other constructions in D. No. 5/90, 91, 92; 93; 94; 95; in Kallur Tq. Ananthapur. D.st.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

**COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 9th October 1975

Ref. No. RAC. No. 136/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 in M. No. 5-9-29/23-A situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Anand Building Corporation, Secunderabad, Represented by partner Sri Anil Kumar, H. No. 53 at Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Master Narinder Pal Singh Marwah, minor under guardianship of Sri S. Mohinder Singh Marwah at Bahrumal Mansion, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Flat No. 2 in M. C. No. 5-9-29/23-A ground floor, Bherumal Mansion on plot No. 5 situated at Basheerbagh Palace Compound, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. S/Sri Sultanuddin Babu Khan, 2. Bashirudin Babu Khan, 3. Smt. Farida Banu, 4. Smt. Turab Babu; 5. Smt. Bader Banu; 6. Smt. Sayeeda Banu; 7. Smt. Jameela Banu; 8. Smt. Dilawar Banu; 9. Smt. Nusrath Banu; 10. Smt. Shahazadi Begum, S. No. 1 to 10 are represented by their power of Attorney/Agent, Sri Ghaisuddin Babu Khan, S/o late Khan Bahadur Abdul Karim Babu Khan R/o 5-4-86 to 92 M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 139/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of No. 5-4-92/1 situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 14-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property : All that portion of premises bearing M. No. 5-4-92/1 and admeasuring 566 sq. yds. at Ranigunj, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1975

Ref. No. 132/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-644 to 646 situated at Abid Circle, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Syedunnisa Begum, W/o Mir Hassan Ali Khan, H. No. 4-1-1236/2 at King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Miss Noor Jahan Himmathi, D/o Hassan Himmathi, 2. Miss Sabba Himmathi, D/o Hassan Himmathi, both are minors represented by guardian Mother Qamar Jokar W/o Hassan Himmathi, H. No. 5-9-217 at Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

*(3) King Circle Restaurant, represented by Partners 1. Sri Hassan Himmathi, 2. Mohd. Riza, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Extreme eastern portion (or eastern portion) of double storeyed building bearing Municipal No. 5-8-644 to 5-8-646 admeasuring 26.592 sq. meters situated at Abid Circle, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheshar Nath
r/o 19, Nizamudin West, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/884/75-76/4165—Whereas, I, S. N. L. Aggarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1658-1660 situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Smt. Pushpa Gupta W/o Shri G. C. Gupta, R/o 1156, Bara Bazar, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferee)

(3) M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)
2. Institute of Radio Technology (1st floor)
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th Undivided share of property bearing Municipal No. 767 (old) and 1658-60 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi with the land under the said property together with fittings & fixtures.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-10-1975

Seal :

FROM ITNS

- (1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheshar Nath
r/o 19, West Nizamudin, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref No. IAC/Acq.II/883/75-76/4165—Whereas, I, S. N. L. Agarwala,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1658-1660 situated at Lothian Road Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the 'Said Act' to the following persons namely :—

- (2) Smt. Shail Gupta W/o Shri P. C. Gupta
r/o 1156, Bara Bazar, Kashmeri Gate, Delhi.
(Transferee)
- (3) M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)
2. Institute of Radio Technology (1st floor)
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

1/5th undivided share of property bearing Municipal No. 767 (old and 1658-16-60 (New) situated at Lothan Road, Kashmere Gate, Delhi with land under the said property together with fittings and fixtures.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-10-1975

Seal :

FROM ITNS

(1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheswar Nath
r/o 19, Nizamudin West, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/882/75-76/4165—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1658-1660 situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehi on 8-4-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Shri Puran Singh Narula s/o Shri Ram Chand Narula r/o 919, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferee)

(3) M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)
2. Institute of Radio Technology (1st floor)
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property bearing Municipal No. 767 (old) and 1658-60 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi with the land under the said property together with fittings and fixtures.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-10-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
25—306GI/75

FORM ITNS

(1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheshar Nath
r/o 19, West Nizamudin, New Delhi,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-JI, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/881/75-76/4165—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1658-1660 situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (2) Shri Sunil Kumar Gupta s/o Shri Murari Lal Gupta r/o 547, Gali Behal Sahib, Kashmire Gate, Delhi.
(Transferee)
- (3) M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)
2. Institute of Radio Technology (1st floor)
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmire Gate, Delhi.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property bearing Municipal No. 767 (old) and 1658-60 (New) situated at Lothian Road, Kashmire Gate, Delhi with the land under the said property together with fittings and fixtures.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975
Seal :

FROM ITNS

(1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheshar Nath
r/o 19, West Nizamudin, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq/JI/880/75-76/4165.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1658-1660 situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Santosh Nath s/o Shri Basheshar Nath r/o 19, West Nizamudin, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar s/o Shri Nirajan Lal Gupta r/o 544 Gali Behal Sahib, Ganda Nala, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferee)
- (3) 1. M/s Power Tools Appliances Co. Ltd. (Ground floor)
2. Institute of Radio Technology (1st floor)
3. Mr. Kishan Gopal & Mr. Johari (2nd floor)
at 1658 to 1660, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property bearing Municipal No. 767 (old) and 1658-60 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi with the land under the said property together with fittings and fixtures.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurcharan Singh Sethi s/o
Sh. Partap Singh Sethi,
r/o K-73-74, West Patel Nagar, New Delhi,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Motia Rani w/o Shri Sham Sunder
r/o 20/44, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.H/1791(891)/75-76/4166.—Whereas,
I, S. N. L. Agarwala,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/2 of B-21,
situated at Moti Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of Registering Officer at
Delhi on 28th February 1975,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'said Act,' I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 300 sq. yds. situated at B-21, Moti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali
South : Road.
East : Road.
West : GBP No. B-20.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Gurcharan Singh Sethi s/o
Sh. Partap Singh Sethi,
r/o K-73-74, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Nirmal Kumari w/o Shri Prem Pal
r/o 20/44, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
3RD FLOOR, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi. the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1790(890)/75-76/4166.—Whereas,
I, S. N. L. Agarwala,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/2 of B-21,
situated at Moti Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Regis-
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Delhi on 28-2-75,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the Said Act, to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act'
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a
plot of land measuring 300 sq. yds. situated at B-21, Moti
Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali
South : Road.
East : Road.
West : GBP No. B-20.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/889/75-76/4166.—Whereas I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36-37 situated at Village Uldanpur, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Maya Devi w/o Shri Ram Chand
2. Shri Ved Prakash s/o Shri Ram Chand
residents of 1157/13, Rohtas Nagar,
Shahdara, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Bhagat Gupta s/o
Shri Hari Singh Gupta
r/o 1547-A, Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land number 36-37 measuring 336 sq. yds, out of Khasra No. 879/383, 880/383 situated in the area of Village Uldanpur, Abadi Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi-32 within the limits of Municipal Corporation of Delhi bounded as under :—

East : Road 20'
West : Road 16'
North : Other's house.
South : Road'

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/888/75-76/4166.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 situated at Village Uldanpur, Illaqa Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 24-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jagdish Lal s/o Shri Gian Chand
2. Smt. Veena Wali w/a L. Shri Hari Ram for self and as natural guardian of Kumari Saroj aged about 14 years d/o Late Shri Hari Ram and Sonu aged about 5 years s/o Late Shri Hari Ram.
3. Smt. Kiran,
4. Shri Virender Kumar sons of Shri Hari Ram all residents of 5530 Sadar Bazar, Delhi.
- (Transferor)

- (2) Shri Radhey Sham s/o Shri Ram Savroop r/o 7/520, Jawala Nagar, Shahdara, Delhi-32.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 8 area 290 sq. yds part of Khasra No. 1033/709/634/402-407-408 situated in the abadi of Navin Shahdara in the area of village Uldanpur, Illaqa Shahdara, Delhi-32 and bounded as under :—

North : Road 20'
South : Property of others.
East : Property of others.
West : Plot No. 7.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Saraswati Devi wd/o
Shri Arjan Dass Kumar,
r/o 31/28, East Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani
w/o Shri Dharam Paul Kapoor,
r/o 5/5209, Krishna Nagar, Karol Bagh,
New Delhi-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. JAC/ACQ. II/887/75-76/4166.—Whereas, I,
S. N. L. Agarwala,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 31/28,
situated at East Patel Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Delhi on 24-2-1975,
for apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land
measuring 200 sq. yds situated at 31/28, East Patel Nagar,
New Delhi & bounded as under :—

North : House No. 31/29
South : House No. 31/27
East : Road
West : Service Lane.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Pran Nath s/o
Shri Murari Lal
825, Nai Sarak, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Balbir Saran, s/o
Shri Pyare Lal,
r/o 727, Nai Basti, Katra Neel,
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI,
4-A/14, ASAFAI ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/885/75-76/1466.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 727 (Ground floor) situated at Nai Basti, Katra Neel, Ch. Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—306GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of the building No. 727 situated at Nai Basti Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi Ward-II and bounded as under :—

East : Gali
West : Other's property
South : Other's property
North : House No. 918.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-JI,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/886/75-76/4166.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 727 (1st & 2nd floor) situated at Nai Basti, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 28-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Dr. Prem Nath s/o
Shri Murari Lal,
r/o 825, Nai Sarak, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Wati, w/o Shri Balbir Saran
r/o 727 (1st floor), Katra Neel, Nai Basti,
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First & Second floor of the building No. 727 situated at Nai Basti, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi Ward II and bounded as under :—

East : Gali
West : Other's property
South : Other's property
North : House No. 918.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Jatinder Pal Singh s/o Shri Arjan Singh
r/o H. No. 27, Road No. 56, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.III/April/252(17)/75-76/
3938.—Whereas, I S. C. PARIJA,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

No. 1/3rd undivided share of property No. 53/6, WEA
on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 11-4-1975 for an

apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the Parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Gurcharan Kaur w/o Shri Lal Singh
r/o H. No. 79/5648, Regharpura, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (3) 1. Messrs Kohli Cycle Works.
- 2. Messrs Rajeshwari Enterprises.
- 3. Messrs Balson Shoes.
- 4. Messrs Bharat Vavidhya (P) Ltd.
- 5. Shri K. C. Bhagat.
- 6. Shri T. S. Kakar.
- 7. Shri Sham Chand Gupta.
- 8. Shri Madan Lal.
- 9. Shri T. S. Kakar. /
- 10. Shri S. N. Mukerji, Advocate.
- 11. Shri Lalit Mohan.

r/o 53/6, WEA, on Desh Bandhu Gupta, Road,
Karol Bagh, New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in property lease-hold rights
and structure on plot No. 53/6, WEA on Desh Bandhu
Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi with 2½ storeyed
building thereon, with plot of land measuring 268 sq.
yds. (total area) entered in Khasra No. 759/10, Khata
Khewat No. 1,

Khatuni No. 367 and bounded as under :—

North : Service lane
South : Desh Bandhu Gupta Road
East : Property on plot No. 53/3.
West : Property on plot No. 53/7.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.JII/April/251(16)/75-76/3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd undivided share of property No. 53/6, WEA on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhupinder Pal Singh s/o Shri Lal Singh, r/o H. No. 79/5648, Regarpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Jatinder Pal Singh s/o Shri Arjan Singh r/o H. No. 27, Road No. 56, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

- (3) 1. Messrs Kohli Cycle Works.
2. Messrs Rajeshwari Enterprises.
3. Messrs Balson Shoes.
4. Messrs Bharat Vavidhya (P) Ltd.
5. Shri K. C. Bhagat.
6. Shri T. S. Kakar.
7. Shri Sham Chand Gupta.
8. Shri Madan Lal.
9. Shri T. S. Kakar.
10. Shri S. N. Mukerji, Advocate.
11. Shri Lalit Mohan, r/o 53/6, WEA, on Desh Bandhu Gupta, Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in property lease-hold rights and structure on plot No. 53/6, WEA, on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi with 2½ storeyed building thereon, with plot of land measuring 268 sq. yds. (total area) entered in Khasra No. 759/10, Khata Khewat No. 1, Khatuni No. 367 and bounded as under :—

North : Service lane
South : Desh Bandhu Gupta Road
East : Property on plot No. 53/3,
West : Property on plot No. 53/7.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.III/April/253(18)/75-76/
3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd undivided share of property No. 53/6, WEA
on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi,
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 11-4-1975

for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Pal Singh s/o Shri Lal Singh
r/o H. No. 79/5648, Ragharpura, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Jatinder Pal Singh s/o Shri Arjan Singh
r/o H. No. 27, Road No. 56, Punjabi Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

- (3) 1. Messrs Kohli Cycle Works.
- 2. Messrs Rajeshwari Enterprises.
- 3. Messrs Balson Shoes.
- 4. Messrs Bharat Vavidhya (P) Ltd.
- 5. Shri K. C. Bhagat.
- 6. Shri T. S. Kakar.
- 7. Shri Sham Chand Gupta.
- 8. Shri Madan Lal.
- 9. Shri T. S. Kakar.
- 10. Shri S. N. Mukerji, Advocate.
- 11. Shri Lalit Mohan,
r/o 53/6, WEA, on Desh Bandhu Gupta Road,
Karol Bagh, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in property lease-hold rights
and structure on plot No. 53/6, WEA on Desh Bandhu
Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi with 2½ storied
building thereon, with plot of land measuring 269 sq.
yds. (total area) entered in Khasra No. 759/10, Khata
Khewat No. 1, Khatuni No. 367 and bounded as under :—

North : Service lane
South : Desh Bandhu Gupta Road
East : Property on plot No. 53/5,
West : Property on plot No. 53/7.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.II/March/791(11)/75-76/
3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the competent authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to
believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. $\frac{1}{2}$ share of plot No. 12 on Road No. 53-B, Punjabi
Bagh area of village Madipur, Delhi State, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 7-3-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Sat Pal Gulati s/o Shri Kishan Chand
Gulati, r/o House No. I-116, Rajouri Garden
New Delhi-27.

(Transferor)

(2) M/s. Dheru Mal Kapur & Sons, 66, G. B.
Road, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XX-A of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of a plot of land measuring
666.66 sq. yds. (333.33 sq. yds., $\frac{1}{2}$ share) bearing plot
No. 12 on Road No. 53-B, situated in the colony known
as Punjabi Bagh in the area of Village Madipur, Delhi
State, Delhi and bounded as under :—

North : Service lane.
East : Plot No. 10.
South : Road No. 53-B.
West : Road.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29th September 1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sat Paul Gulati s/o Shri Kishan Chand Gulati, r/o House No. J-116, Rajouri Garden, New Delhi-27.

(Transferor)

(2) M/s. Dheru Mal Kapur & Sons, 66, G. B. Road, Delhi-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.II/March/792(12)/75-76/
3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. $\frac{1}{2}$ share of plot No. 12 on Road No. 53-B, Punjabi
Bagh area of village Madipur, Delhi State, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering office at
New Delhi on 7-3-1975,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and

(b) facilitating the concealment of any income of
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of a plot of land measuring 666.66 sq. yds. (333.33 sq. yds., $\frac{1}{2}$ share) bearing plot No. 12 on Road No. 53-B, situated in the colony known as Punjabi Bagh in the area of Village Madipur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Service lane.
East : Plot No. 10.
South : Road No. 53-B.
West : Road.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.III/Feb/205(12)/74-75/3938.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Q-1, Hauz Khas Enclave (rear portion) situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Biraja Madhab Gupta s/o late Shri Bipul-Chandra Gupta, Karta of HUF, r/o Q-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi-16.
(Transferor)

(2) (1) Mrs. Leontine Madan w/o Shri Surendra Singh Madan and
(2) Shri Surendra Singh Madan s/o Shri ude Singh Madan r/o 6, Park Avenue, Maharan Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold double storeyed house No. Q-1, (rear portion) Hauz Khas Enclave, New Delhi-110016 on a residential plot of land measuring 385 sq. yds. within the Municipal limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Road.
North : Lawn.
West : Bungalow No. Q-2.
South : Front portion of Bungalow No. Q-1.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range III, New Delhi.

Date : 29-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. Kapur s/o Late Chuni Lal Kapur,
r/o J-12/34, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.III/April-I/712(40)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-50 (½ undivided Plot) situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 9-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

27—306G1/75

(2) Smt. Kanwal Paintal w/o Shri Surinder Singh
r/o S-415, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of plot No. E-50, measuring 266 sq. yds. situated in the colony known as Greater Kailash, New Delhi area of village Yayutpur, Delhi state, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane,
South : Road,
East : Plot No. E-52,
West : Plot No. E/48.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 8th October 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. Kapur s/o Shri Chuni Lal Kapur,
r/o J-12/34, Rajouri Garden, New Delhi,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Surinder Singh s/o Shri Jadhod Singh
r/o S-415, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR.III/Feb-I/620/(42)/74-75.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-50 (½ undivided share) situated at Greater Kailash-I, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at New Delhi on 14th Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of plot No. E-50, measuring 266 sq. yds. situated in the colony known as Greater Kailash-I, New Delhi area of Village Yaqutpur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane.

South : Road.

East : Plot No. E-52.

West : Plot No. E/48.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 8th Oct. 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th October 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.IIJ/June/319(17)/75-76/
4160.—Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the competent authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

House No. Y-38 situated at Hauz Khas New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 11-6-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri H. P. Bhattacharjee s/o Late Shri B. K.
Bhattacharjee r/o I-261, DDA Flats, Naraina,
New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Krishna Kumari Virmani w/o Shri
Harbhagwan Dass Virmani.

(2) Shri Harbhagwan Dass Virmani s/o Shri
Mayya Dass Virmani r/o G-15/9, Malviya
Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) (1) Shri N. C. Bannerjee and

(2) Shri S. Roy r/o Y-38, Hauz Khas, New
Delhi,
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed free hold house on a plot
of land measuring 200 sq. yds. bearing No. Y-38, situated
in the colony known as Hauz Khas, New Delhi and
bounded as under :—

North : Lane.

East : House No. 39.

South : Road.

West : Lane.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 6-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.III/March-II/689/(40)/74-
75.—Whereas, I, C. V. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-255 Greater Kailash-II situated at New Delhi, ($\frac{1}{2}$ undivided portion)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Balwant Singh Chattrath s/o Shri Lal Singh Chattrath, r/o 873, Qutab Road, Delhi-6.
(Transferor)

(2) Smt. Sushma Paruthi w/o Diwan Chand Purthi and Shri Diwan Chand Paruthi r/o 4/71 WEA, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share in a free-hold plot of land bearing No. 255 in Block 'M' situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi having an area of 400 sq. yds. and in the Union Territory of Delhi State and bounded as under :—

North : Plot No. M-253.
East : Road.
South : Plot No. M-257.
West : Road.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 6-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Didar Singh and S. Sewa Singh s/o
Shri Gurmukh Singh r/o D-3/12, Model Town,
Delhi-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th October 1975

Ref. No. IAC/Ack. I/SR.III/March-II/682/(38)/74-75.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-326 ($\frac{1}{2}$ undivided portion) situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Harban Singh s/o Shri Balwant Singh c/o M/s. Balwant Singh Harbans Singh Gali Bhopura, Mali-wara, Nai Sarak, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share in a plot of land measuring 476 sq. yds. bearing No. 326 in Block 'S', situated in the colony known as Greater Kailash-II, in the area of village Bahapur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

North : Road.
South : Plot No. S/328.
East : Service Lane.
West : Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 6-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Radha Kishan

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Raj Deo Panday

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 67-R/Acq.—Whereas, J. Bishamber Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 216 situated at Baskiparhar, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Allahabad on 17-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 216 measuring 3 Biswas is situated at Baskiparhar Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Radha Kishan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Adhar Jaswal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Ref. No. 68-R/Acq.—Whereas, I, Bishambar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 216
situated at Baskiuparhar Allahabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Allahabad on 17-3-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A plot No. 216 measuring 3 Biswas is situated at Baskiuparhar Distt Allahabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Radha Kishan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Ref. No. 40-K/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Plot No. 216 situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Kichan Chand and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 216 out of which 3 Biswas is situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Radha Kishan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durga Pd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

16-D/Acq.—Whereas I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 216 situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A plot No. 216 out of which 3 Biswas situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—
28—306GI/75

Date : 22-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Radha Kishan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arun Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Ref. No. 52-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 216 situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 216 measuring 3 Biswas situated at Baskiuparhar Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AHMEDABAD-380009.

- (1) Ramanlal Motiram Desai;
- (2) Manjulaben Ramanlal Desai;
- (3) Bakosh Ramanlal Desai;
- (4) Vasantrai Motiram Desai;
- (5) Taruben Vasantrai Desai;
- (6) Pankaj Vasantrai Desai;
- (7) Kantaben Jayantilal Desai;
- (8) Indravadan Jayantilal Desai;
- (9) Bakulaben Indravadan Desai;
Sagarpura, Surat.

(Transferor)

- (2) Anand Mangal Textile Co., Behind Jail, Khatodra, through : Partner : Harvadan Mohanlal Jarivala.

(Transferee)

Ahmedabad-380009, the 10th October 1975

Ref. No. P.R. No. 252-Acq.23-407/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 70/1 Paiki Open land 7865 S. Yds. situated at Village Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, -1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the [REDACTED] or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 70/1, admeasuring 7865 Sq. yds. situated at Village Majura of Taluka Choryasi Dist. Surat as fully described in sale deed registered under No. 1764 of March, 1975 by registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Rupam Organisers, C/o H. J. Hajivala, Behind
Jail, Khatodra, Surat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AHMEDABAD-380009.

(2) Shri Hari Om Industrial Services Society Ltd.,
Udhna-Magdalla Road, Surat.
Through : its President :
Hon. Manager :
Committee Member :
1. Hiralal Gazipatram Banki.
2. Chimanlal Kirparam;
3. Manharlal Kashiram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 168 admeasuring 11786 Sq. yds. situated at Village Majura on Udhna-Magdalla Road of Dist. Surat, as fully described in sale-deed registered under No. 1751 of March, 1975 by registering Officer, Surat.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1975

Seal :